शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीएम ने पीड़ितों की मदद के लिए कॉरपोरेट से सीएसआर फंड की अपील की @ नम्मा बेंगलूर

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 1 अगस्त, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-213

## रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को भारत में बसा रहे नेता

# हर मोर्चे पर भारत को कमजोर कर रहे सियासतदां

दुनिया का कोई देश ऐसा नहीं जो अपने यहां अवैध घुसपैठ को स्वीकार करे। हर देश ने घुसपैठ को रोकने के लिए कानून बना रखे हैं और उन्हें वापस उनके देश भेज दिया जाता है। किंतु भारत में स्वाधीनता के बाद से घुसपैठ लगातार जारी है। लगातार यह खुलासा होता रहा कि बांग्लादेश से भारत में घुसपैठ कैसे हो रही है और कैसे कराई जा रही है। इस पर तो रोक नहीं लगी, अब रोहिंग्याओं का भी भारत में घुसना शुरू हो गया है। इसके लिए देश का प्रशासन और सुरक्षा तंत्र जिम्मेदार है।

बांग्लादेश की तरफ से हजारों की संख्या में रोज भारत आ रहे घुसपैठियों की तरह ही म्यांमार की ओर से भी बहुत अधिक लोगों की घुसपैठ हो रही है। म्यांमार में वर्ष 2021 में हुए सैन्य तख्तापलट के बाद भारत में घुसपैठ करनेवाली की संख्या में अचानक तेजी आई, जो लगातार जारी है। यदि इन चार साल में इस सीमा से भारत में आए घुसपैठियों की संख्या का अंदाजा लगाया जाएगा तो यह संख्या लाखों में पहुंच चुकी है। इनमें से परिवार

### घुसपैठिए छीन रहे मूल नागरिकों के आर्थिक, सामाजिक राजनीतिक अधिकार

के साथ बढ़ते क्रम में इनकी संख्या सिर्फ चार साल में ही अनुमानित डेढ़ लाख पार हो चुकी है। यानी कि एक छोटा सा कस्बा एक जगह भारत में म्यांमार की सीमा से भारत में घुसे रोहिंग्याओं और अन्य घुसपैठियों से बसाया जा सकता है, जो कि देश में सर्वत्र फैल गए हैं। ये एक जगह से आनेवालों का आंकड़ा सिर्फ चार सालों का है, जबकि भारत में घुसपैठ की ये समस्या लगातार पिछले 70-75 सालों से चल रही है।

शुभ-लाभ सरोकार

यही हाल बांग्लादेश से लगी भारतीय सीमा का है। यहां से जत्थे के जत्थे भारत की ओर चले आ रहे हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच 4,095 किलोमीटर लंबी सीमा है, जिसमें से लगभग 1,116 किलोमीटर नदी से घिरा हुआ क्षेत्र है। बांग्लादेश

### घुसपैठ के कारण असम के नौ जिले हुए मुस्लिम बहुल अब झारखंड की बारी

तीन तरफ से पांच भारतीय राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा से घिरा हुआ है। भारत-बांग्लादेश सीमा पर काफी बड़े इलाके में बाड़ नहीं है, क्योंकि राज्य सरकार ने अभी तक जमीन नहीं दी है। अकेले दक्षिण बंगाल में भारत-बांग्लादेश की 913 किलोमीटर की सीमा में अधिकांश पर अभी तक बाड़ नहीं लगी है। इनमें कई इलाके में नदी की सीमा है, जोकि लगभग 372 किलोमीटर है, सिर्फ 404 किलोमीटर पर बाड़ लग सकी है।

स्वाभाविक है ऐसे में बांग्लादेशी घुसपैठिये इनका लाभ उठाकर आसानी से भारत में प्रवेश कर जाते हैं। फिर भारत में प्रवेश करने वाले बांग्लादेशियों के पास भारतीय नागरिकता के प्रमाण जैसे आधार कार्ड, वोटर कार्ड और पैन कार्ड पहले से मौजूद रहते हैं। यहां तक कि बैंकों में अकाउंट तक होते हैं। ये देश के विभिन्न हिस्सों में ज्यादातर उन इलाकों में चले जाते हैं, जहां रोजगार के साधन अधिक हैं। ये प्रायः देश के हर बड़े शहर में रहते हैं और खुद को पश्चिम बंगाल का निवासी बताते हैं। ऐसे में इनकी पहचान करना बहुत ही मुश्किल हो जाता है। जबकि भारतीय नागरिकता के लिए विधिवत नियम बने हुए हैं। जिनका अनुपालन करते हुए वैध तरीके से भी भारत की नागरिकता ली जा सकती है, लेकिन बांग्लादेशी किसी नियम से नहीं चलते, ▶10 पर

## ईरान की राजधानी तेहरान में हुई सनसनीखेज घटना

# हमास का सरगना इस्माइल हानिया मारा गया

**तेहरान, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** ईरान में हुए एक बड़े हमले में हमास के सरगना इस्माइल हानिया का खात्मा का कर दिया गया है। ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने हानिया के मारे जाने की आधिकारिक पुष्टि की है। आईआरजीसी के एक बयान में कहा गया है कि तेहरान में हानिया के आवास को निशाना बनाया गया और हमास प्रमुख इस्माइल हानिया और उनके एक बॉडी गार्ड की हत्या कर दी गई। इस हमले के पीछे इज़राइल का हाथ बताया जा रहा है। हानिया के तेहरान स्थित आवास पर बुधवार 31 जुलाई को तड़के हमला किया गया। हमास की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि एक इज़राइली हमले में फिलिस्तीनी समूह के नेता इस्माइल हानिया की तेहरान स्थित उनके आवास पर हत्या कर दी गई।

हमास सरगना के तेहरान स्थित घर पर हुआ हमला

हमले में इस्माइल और उसका अंगरक्षक मारा गया

हमास चीफ इस्माइल हानिया मंगलवार 30 जुलाई को ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने गया था। इस्माइल हानिया ने ईरान के सुप्रीम लीडर से मुलाकात भी की थी। ▶10 पर

### अपने दुश्मनों को छोड़ता नहीं है इज़राइल

**तेल अवीव, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** इज़राइल का अपने नागरिकों की हत्या का बदला लेने का लंबा इतिहास रहा है। फिर चाहे वह 1972 में म्यूनिख ओलंपिक में इज़राइली खिलाड़ियों की हत्या करने वाले आतंकियों को ढूंढ-ढूंढकर मारना हो या ड्रोन हमलों में दुश्मन देशों के बड़े राजनीतिक और सैन्य चेहरों को खत्म करने का। आतंकी संगठन हमास की राजनीतिक शाखा के प्रमुख इस्माइल हानिया की ईरान में हुई हत्या के बारे में कहा जा रहा है कि यह हत्या इज़राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने कराई है। हालांकि, इसकी को पुष्टि नहीं हुई है। इज़राइल-हमास के बीच पिछले साल अक्टूबर में शुरू हुए संघर्ष के बाद इज़राइली सरकार ने हमले का बदला लेने और इसके जिम्मेदारों को उनके अंजाम तक पहुंचाने की ▶10 पर

### इज़राइल-हमास संघर्ष में था इस्माइल हानिया का हाथ

**तेहरान, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** आतंकी संगठन हमास की राजनीतिक शाखा के प्रमुख इस्माइल हानिया को साल 2018 में अमेरिका ने आतंकवादी घोषित किया था। साल 2006 में फलस्तीन के आम चुनावों में हमास की जीत के बाद से ही संगठन में हानिया का दबदबा बढ़ने लगा था। उसे गाजा पट्टी में फलस्तीनी प्राधिकरण का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। इस दौरान मिस्र से गाजा पट्टी में आयातित वस्तुओं पर भारी कर लगाकर हानिया ने अपनी संपत्ति कई गुना बढ़ा ली। 2014 में हमास द्वारा सभी व्यापार पर 20 प्रतिशत कर लगाए जाने की घोषणा की गई थी। इन करों की वजह से हमास के 1,700 टॉप कमांडर करोड़पति बन गए थे। ▶10 पर

## लोकसभा में वित्त मंत्री ने राहुल गांधी को खूब धोया

# विपक्षी नेता की अज्ञानता और हल्कापन चिंताजनक

राहुल जवाब दें, राजीव गांधी फाउंडेशन में कितने दलित?

**नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में दिए गए राहुल गांधी के वक्तव्य को अध्ययन और तथ्यों के आधार पर बौना साबित कर दिया। सीतारमण ने राहुल गांधी के बार-बार झूठ बोलने और गंभीर मसलों को भी अत्यंत बचकाने तरीके से पेश करने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के आचरण से नेता प्रतिपक्ष की मर्यादा घटी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्रीय बजट में किसी भी राज्य की अनदेखी नहीं की गई है।

उन्होंने विपक्षी नेताओं के उस दावे को भ्रामक बताया कि यदि बजट भाषण में किसी राज्य का नाम नहीं लिया जाता, तो उसे कोई बजटीय आवंटन नहीं मिलता है। ▶10 पर

### जिनकी जाति का पता नहीं वे गणना की बात करते हैं: ठाकुर

**नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** भारतीय जनता पार्टी के नेता अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के कल के बजट पर दिए भाषण की जोरदार आलोचना करते हुए कहा कि एलओपी का मतलब लीडर ऑफ प्रोपेगेंडा नहीं होता। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकारों के दौरान हुए घोटालों का हलवा कांग्रेस ने खाया है।

ठाकुर ने पूछा, बोफोर्स, एंट्रिक्स देवास, नेशनल हेराल्ड, सबमरीन, ऑगस्टा वेस्टलैंड, 2जी, कॉमनवेल्थ, कोयला, वाल्मीकि, चारा और यूरिया घोटाले का हलवा किसने खाया? ▶10 पर

## आरबीआई की करेंसी एंड फाइनेंस की ताजा रिपोर्ट

# डिजिटल क्रांति में भारत दुनिया में सबसे आगे

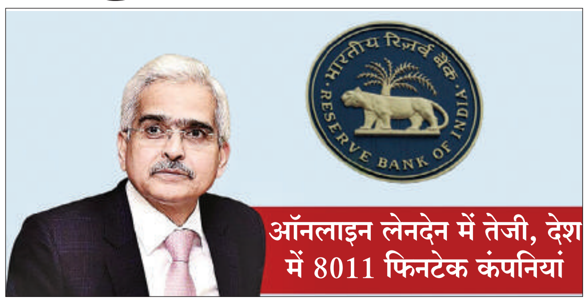

ऑनलाइन लेनदेन में तेजी, देश में 8011 फिनटेक कंपनियां

**नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** भारत डिजिटल क्रांति के मोर्चे पर दुनिया में सबसे आगे है। देश ने डिजिटल भुगतान में तेजी लाकर न सिर्फ वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) को अपनाया है बल्कि इसे अपनाने में दुनिया की अगुवाई कर रहा है। आरबीआई की ताजा करेंसी एंड फाइनेंस 2023-24 रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में फिनटेक को अपनाने की दर सबसे ज्यादा 87 फीसदी है। यह दर 64 फीसदी के वैश्विक औसत से 23 फीसदी अधिक है। 22 जुलाई, 2024 तक देश में फिनटेक कंपनियों की संख्या बढ़कर 8,011 पहुंच गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहित करने की सरकार की कोशिशों की बदौलत भारतीय फिनटेक कंपनियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इसका अंदाजा फिनटेक कंपनियों के बढ़ते राजस्व से लगाया जा सकता है। 2030 तक फिनटेक कंपनियों का राजस्व 11.17 गुना बढ़कर 190 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। 2022 में यह आंकड़ा 17 अरब डॉलर रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय फिनटेक कंपनियों को जनवरी, ▶10 पर

# तेलंगाना हाईकोर्ट ने महिलाओं को दी मस्जिद में नमाज पढ़ने की इजाजत

**हैदराबाद, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** तेलंगाना हाईकोर्ट ने फैसला दिया है कि मुस्लिम महिलाएं भी मस्जिदों में नमाज अदा कर सकती हैं। शिया मुसलमानों के अखबारी संप्रदाय से जुड़े एक मामले का निपटारा करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि शिया मुसलमानों के अखबारी संप्रदाय की महिलाएं भी हैदराबाद के दारुलशिफा इबादत खाना में इबादत की हकदार हैं। जस्टिस नागेश भीमापाका ने 25 जुलाई को दिए अपने फैसले में कहा कि कुरान में महिलाओं को मस्जिदों में इबादत करने से रोकने के लिए कोई निषेध नहीं है।

जस्टिस नागेश भीमापाका ने अपने फैसले में लिखा, पवित्र कुरान में सर्वशक्तिमान ने कहीं भी महिलाओं को इबादत करने के लिए मस्जिदों में प्रवेश करने से नहीं रोका है। अध्याय 2 अलबकारा 222-223 यह स्पष्ट करता है कि एक विशेष अवधि, जो प्रकृति द्वारा महिलाओं के लिए आराम की अवधि के रूप में दी गई थी, के अलावा महिलाओं को नमाज़ अदा करने से नहीं रोकता है।हाईकोर्ट ने अपने फैसले के पीछे सुप्रीम कोर्ट द्वारा साल 2018 में सबरीमाला केस में दिए गए फैसले का भी उल्लेख किया है, जिसमें शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया था कि मासिक धर्म की उम्र वाली महिलाओं को केरल के सबरीमाला मंदिर में प्रवेश करने से नहीं रोका जा सकता है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने यह भी बताया कि शिया मुसलमानों के एक अन्य संप्रदाय (उसूली संप्रदाय) की महिलाओं को पहले ही वक्फ बोर्ड द्वारा 2007 की गई कार्रवाई के अनुसार मस्जिदों में इबादत की इजाजत दी जा चुकी है। हाईकोर्ट ने कहा कि इस प्रकार, अखबारी संप्रदाय की महिलाओं को मस्जिदों में इबादत करने से रोका गया तो यह साफ तौर पर भेदभावपूर्ण होगा। ▶10 पर

### मस्जिद में महिलाओं के नमाज पढ़ने पर बहस क्यों?

मस्जिद में महिलाओं के नमाज पढ़ने पर आपत्ति क्यों होती है और उस पर रोक क्यों लगाई जाती है, यह इस्लामिक समझ से भी परे है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा था कि मस्जिद में मुसलमान महिलाओं के नमाज पढ़ने पर कोई रोक नहीं है। लेकिन मस्जिद में महिला और पुरुष को मेल-मिलाप की इजाजत नहीं है। पुणे की महिला फरहा अनवर हुसैन शेख ने सुप्रीम कोर्ट में संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत महिलाओं के मस्जिद में प्रवेश और नमाज पढ़ने की अनुमति को लेकर याचिका दायर की थी। इस याचिका में मस्जिद में महिलाओं के प्रवेश न देने को अवैध और असंवैधानिक बताया गया था। याचिका में इसे संविधान के अनुच्छेद 14, 15,21, 25 और 29 का भी उल्लंघन बताया गया था।

फरहा अनवर ने बताया था कि वे रमजान के दौरान शॉपिंग के लिए गई थीं। नमाज का वक्त हुआ तो मस्जिद में गई तो उन्हें मस्जिद में जाने से रोक दिया गया, जबकि उनके पति को जाने दिया गया। उन्होंने पुणे की मस्जिद के अध्यक्ष और सचिव को भी मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए अनुमति मांगी, लेकिन उनकी तरफ कोई जवाब नहीं मिला। तब जाकर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

### सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 71,520/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 85,605/- (प्रति किलोग्राम)

### मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29°

न्यूनतम : 21°

## संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा

# भारत में हमले की साजिश रच रहे आतंकी संगठन

**न्यूयॉर्क, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा किया गया है। इसमें बताया गया कि आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड द लेवेंट खुरासान (आईएसआईएलके) भारत में बड़े पैमाने पर हमला करने में असफल रहा। इसके बावजूद अब वह भारत में मौजूद अपने आकाओं की मदद से ऐसे लोगों की भर्ती करना चाहता है, जो अकेले घटनाओं को अंजाम दे सके।

आईएसआईएल (दाएश), अल-कायदा और संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थाओं के बारे में विश्ले-षणात्मक सहायता और प्रतिबंध निगरानी दल की 34वीं रिपोर्ट मंगलवार को जारी की गई। इसमें कहा गया कि सदस्य देशों ने इस बात पर चिंता जताई है कि अफगानिस्तान से आए आतंकवादी क्षेत्र में असुरक्षा का कारण बनेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में बड़े पैमाने पर हमला करने में

असफल रहने के बावजूद, आईएसआईएलके अब नई साजिश रच रहा है। वो देश में मौजूद अपने आकाओं की मदद से ऐसे लोगों की भर्ती करना चाहता है, जो अकेले घटनाओं को अंजाम दे सके। इसके साथ ही इसने उर्दू में लिखी एक किताब जारी की है, जिसमें हिंदू-मुस्लिम दुश्मनी को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है और भारत के संबंध में अपनी रणनीति की रूपरेखा बताई गई है। ▶10 पर

## पश्चिमी पाकिस्तान से आए शरणार्थियों को मिली बड़ी राहत

# जम्मू कश्मीर में मिला जमीन का मालिकाना हक

***जम्मू, 31 जुलाई (ब्यूरो)।*** भारत सरकार ने जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटने की पांचवीं सालगिरह से ठीक पांच दिन पूर्व बड़ा फैसला लिया है। जम्मू कश्मीर सरकार ने पश्चिमी पाकिस्तान के शरणार्थियों को भारत के अंदर आने वाले केंद्र शासित प्रदेश में जमीन पर मालिकाना हक दिया है।

जम्मू कश्मीर में जमीनों पर यह मालिकाना हक उन्हीं पाकिस्तानी विस्थापितों को प्रदान किया गया है, जिनके पूर्वजों को तत्कालीन राज्य सरकार ने 70 साल पहले बसाया था। अधिकारियों ने बताया कि फैसले से पश्चिमी पाकिस्तान से विस्थापित लोगों के साथ सात दशक से अधिक पुराना भेदभाव खत्म हो गया है। अब उन्हें भी प्रदेश की भूमि पर मालिकाना हक दे दिया गया है। ऐसा ही पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से विस्थापित लोगों के मामले में किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे

जम्मू क्षेत्र में बसे पश्चिमी पाकिस्तान से विस्थापित हजारों परिवारों को सशक्त बनाया जा सकेगा।

अब तक इन परिवारों को नान-स्टेट सब्जेक्ट माना जाता था और उन्हें पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य में विधान सभा चुनावों में वोट देने का कोई अधिकार नहीं था। बाद में 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के खत्म होने के मद्देनजर भारत सरकार से इन्हें डोमिसाइल का दर्जा मिला। ▶10 पर

### कार्टून कॉर्नर

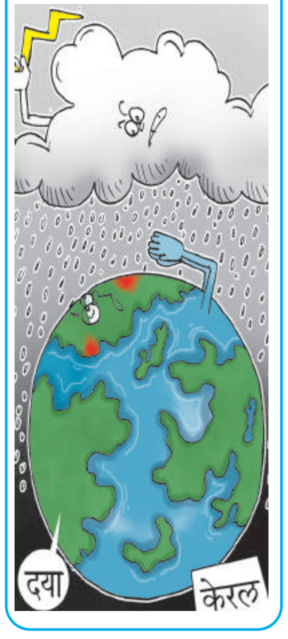

# परमात्मा की आज्ञा ही है धर्म

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि परमात्मा की वाणी को हमें भीतर उतारना है। जो आत्मा जिनाज्ञा को जीवन में उतार लेता है उसके पाप कर्मों का छेद होना प्रारम्भ हो जाता है। पहले गुणस्थानक से लेकर चौथे गुणस्थानक तक अहिंसा परमो धर्मः का पालन होता है। जब आत्मा पांचवें गुण स्थानक में प्रवेश करती है तब अहिंसा जयणा प्रधान हो जाती है और धर्म की व्याख्या परिवर्तित हो जाती है। परमात्मा की आज्ञा ही धर्म है यह मानने से पाप कर्म बंधन कम हो जाते हैं। जिनाज्ञा को हमने जीवन में प्रतिष्ठित की है या नहीं यह हमें अवलोकन करना है। जिनाज्ञा पालन से व्यक्ति उदार, कोमल बनता है और कभी भी अपनी बड़ाई नहीं करना

यानि उनमें सरलता आ जाती है। यह तीन गुण जिस व्यक्ति में आ जाते हैं तो हमें समझ लेना है कि यह परमात्मा की आज्ञा का पालन करने वाले हैं। परमात्मा महावीर प्रतिदिन दो प्रहर तक देशना देते थे। परमात्मा की आज्ञानुसार वसतीवास करने वाले साधु नहीं कहला सकते और वो षट्दर्शन से बाहर होते हैं, ऐसा वर्धमान सूरी जी ने दशवैकालिक सूत्र का आलम्बन लेकर सूराचार्य से वाद विवाद के दौरान कहा। परमात्मा महावीर के नियमों का पालन करना ही साधु साध्वियों का धर्म है। शरीर का संसार, संबंध का संसार और शासन का संसार ऐसे तीन तरह के संसार हमारे आस पास रचित होते हैं। साध्वी जी प्रियसूत्रांजना श्री जी ने कहा कि जब हमें मालूम है कि संसार असार है, फिर भी हम इस असार संसार से निकलने का प्रयत्न नहीं कर रहे हैं। जबकि परमात्मा ने इससे निकलने के लिए हमें अनेकों बार उपदेश दिए हैं। प्रवचन के दौरान मातृछाया महिला ग्रुप के सदस्यों ने संस्था के कार्यों के बारे में धर्मसभा में बताया और दान देने की भावना जागृत करने के उद्देश्य से प्रत्येक घर में रखने लायक दान पात्र वितरित किए। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने बताया कि दादावाड़ी ट्रस्ट से प्रतिवर्ष डेढ़ सौ से अधिक गौशालाओं को सहायता राशि भी वितरित की जाती है।

# पता निर्देशिका का भव्य लोकार्पण जल्द

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत महिला विंग द्वारा पता निर्देशिका का कार्य अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी के नेतृत्व में जीतो कार्यालय राजाजीनगर में तीव्र गति से शुरू हो चुका है। संपादक मण्डल के अंतर्गत विभिन्न समितियाँ बनाई गई है जो अपने-अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए संस्था के हर सदस्य तक पहुँचने और जानकारी लाने हेतु जुटा है।

संयोजिका मीना बडेरा ने बताया कि सदस्यों के लिए संगठन श्रेयस्कर होता है। उसकी सुदृढ़ता के लिए पारस्परिक परिचय और सौहार्द अपेक्षित है। एड्रेस डायरेक्टरी परिचय प्राप्ति में सहायक बनेगी। सह-संयोजिका संगीता नागोरी ने बताया कि परस्पर मिलन व परस्पर परिचय

का सशक्त माध्यम है एड्रेस डायरेक्टरी। अभी वर्तमान में सदस्यों की बढ़ोतरी भी दुगुनी हुई है। इसलिए यह आवश्यक भी हो गई है। सदस्यों के फार्म भरवाने का जिम्मा सारिका जैन और सिंपल हिंगढ़ ने लिया है। इनके साथ बिखरे मोतियों को धागे में पिरोने जैसा कार्य करने हेतु सदस्य नीतू तालेडा, चंद्रा जैन, ललिता गांधी, खुशबू जैन, मधुबाला बरलोटा, प्रेरणा जैन, रिंकु बाफना, निधि नागोरी, कला लुणावत, संगीता जैन के साथ-साथ लगभग 37 सदस्यों का सहयोग प्राप्त हो रहा है। सभी की मेहनत के करण मात्र सात दिन की अवधि में लगभग 700 से अधिक फार्म भरकर आ चुके है। अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी एवं महामंत्री सुमन वेदमुथा ने जानकारी दी कि अति शीघ्र जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ सदस्यों की पता निर्देशिका का भव्य लोकार्पण होगा। मीना बडेरा ने सभी को धन्यवाद दिया।

# फिट युवा हिट युवा का आयोजन

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित फिट युवा हिट युवा का आयोजन तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरी नगर द्वारा बुधवार सुबह 7:30 बजे तेरापंथ भवन राजराजेश्वरी नगर में जुंबा क्लास के माध्यम से करवाया गया। जुंबा ट्रेनर प्रियंका ने सभी युवाओं को बहुत ही सरल तरीके से जुंबा करवाया जिससे सबका शरीर फिट रह सके और स्वास्थ अच्छा रह सके। अध्यक्ष बिकाश छाजेड़ ने पधारे हुए सभी का स्वागत किया। परिषद प्रभारी विशाल पितलिया ने आरआर नगर द्वारा किए गए इस कार्यक्रम की सराहना की। फिट युवा हिट युवा दक्षिण क्षेत्र के प्रभारी राकेश पोकरणा ने बताया कि फिट युवा हिट युवा के अंतर्गत 60 बेमिसाल डे चैलेंज का आयोजन

अभी सभी परिषद कर रही है और आज आर आर नगर परिषद ने भी जुंबा के माध्यम से इसकी शुरुवात की। अभातेयुप राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें रोज मर्रा की भाग दौड़ की जिंदगी से अपने लिए कुछ समय निकालना चाहिए। फिट युवा हिट युवा के अंतर्गत आप रोज अपने शरीर को एक घंटा दे चाहे वो योग करके या जुंबा करके या एक्सरसाइज करके, जिससे आप स्वस्थ रह सकें। इस कार्यशाला में युवाओं महिलाओं सहित लगभग 40 लोगों ने लाभ लिया। इस अवसर पर सी पी एस राष्ट्रीय प्रभारी दिनेश मरोठी, सभा मंत्री गुलाब बांठिया, महिला मंडल अध्यक्षा सुमन पटावरी, निवर्तमान अध्यक्ष विकाश छाजेड़, तेयुप प्रबंध मंडल, प्रबुद विचारक, परामर्शक गण, कार्यसमिति सदस्य की उपस्थिति रही। आभार ज्ञापन परिषद मंत्री सुपार्श पटावरी ने व्यक्त किया।

# अशुभ कर्म ही हमारे दुखों का कारण: डॉ वरुणमुनि

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा कि श्री स्थानांग सूत्र में परमात्मा ने बताया है कि व्यक्ति के जीवन में सात प्रकार के भय होते है।

दुख के कारण व्यक्ति भयभीत होता है। इस दुख को जीव आत्मा ने प्रमाद के कारण पैदा किया है। जो दुसरो को समाधि देता उसे समाधि की प्राप्ति होती है। हम दूसरो को साता देंगे तो हमे भी साता मिलेगी। है। अक्सर यह सवाल आता है कि जो धर्म करते है उनके जीवन में ही दुख क्यों आता है। महापुरुष कहते है इसका मुख्य कारण हमारे पिछले जन्मों के अशुभ कर्म का उदित

होना है। हमारे पुण्य जब क्षीण हो जाते है तब हमारे पाप उदय में आते है। धर्म का पालन करने का मतलब यह नहीं है कि व्यक्ति को कभी भी दुख या कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। बल्कि, धर्म व्यक्ति को इन कठिनाइयों का सामना करने की शक्ति और साहस प्रदान कर सकता है। इसीलिए जो भी कर्म करो तो ज्ञानपूर्वक और विवेकपूर्वक करो। हमारे जीवन में पुण्य होगा तो हम जहां भी जाएँगे सुख मिलेगा। जिस प्रकार परीक्षा सिर्फ सोने की होती है लोहे की नहीं। उसी प्रकार भगवान भी अच्छे लोगों की परीक्षा लेता है। यानि हमे अगर दुख मिल रहा है तो हमारी परीक्षा हो रही है। ज्ञानी कहते है जो सिर्फ अपने सुख की सोचता है वह दानव है। जो अपने और औरों के सुख की सोचता है वह मानव कहलाता है। जो सिर्फ दूसरों के सुख की चिंता करता है वह देवता कहलाता है। दुख देने वाला दानव और सुख देने वाला देव कहलाता है। जीवन में दुख आना 'पार्ट ऑफ लाइफ' है और दुख में दुखी नहीं होना आर्ट ऑफ लाइफ' है। जो दुख आने पर भी दुखी नहीं होता तो समझ लेना उसके जीवन में धर्म का प्रवेश हो चुका है। अशुभ कर्मों से उत्पन्न दुख का सामना करने के लिए व्यक्ति को धर्म के मार्ग पर चलने की आवश्यकता होती है। इससे वह न केवल अपने जीवन को सुखमय बना सकता है, बल्कि आत्मा की शुद्धि और मोक्ष की प्राप्ति भी कर सकता है। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने आभार व्यक्त किया।

# संस्कारों के लिये सद्पुरुषार्थ की ज्योत जलाएं

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ श्रीरामपुरम में श्रमण संघ के द्वितीय पट्टधर राष्ट्र संत आचार्य आनंदऋषि की 124वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में गतिमान सप्त दिवसीय शत्तकोत्तर रजत जयंती के दूसरे दिन संस्कार-मंजिल की बुनियाद विषय पर श्रद्धालुओं को जीवन में संस्कार के महत्व को बताया गया। धर्म सभा में साध्वी विपुलदर्शना ने कहा कि शिक्षा व संस्कार जिंदगी के दो अंग है और इनके पूर्ण पोषण से ही जीवन में पूर्णता आती है जो मंजिल तक पहुँचने की बुनियाद है। उन्होंने कहा कि बच्चे अनुगामी होते है और वे अपने से बड़ो का अनु-सरण करते है अतः पहले घर

परिवार के बड़ों को संस्कारी होना होगा। आज अभिभावक बच्चों की व्यावहारिक शिक्षा हेतु तो जागरूक है परंतु धार्मिक शिक्षा में लापरवाह है, व्यावहारिक शिक्षा जीवन के लिये महत्वपूर्ण हैं लेकिन साथ ही भीतर के वैभव के लिये तो संस्कार नितांत आवश्यक है। अभिभावकों को चाहिये कि वो बच्चों को ऐसे संस्कार दे कि वो आगे चलकर कह सके कि वो सौभाग्यशाली है अतः संस्कारों के लिये पुरुषार्थ की ज्योत जलाये। साध्वी ने कहा कि बच्चों में संस्कारों का बीज बोने में मां की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, अभिभावक सोंचे कि बच्चों को कौन से संस्कार दे रहें है। बच्चे मुंह, कान व आंख का उपयोग कैसे कर रहे है। इसके प्रति अभिभावकों को सचेत रहना होगा। हम बच्चों को बचपन में जो दिखाते है बच्चे जीवन में आगे वो ही देखते है, अगर बच्चों को बचपन से ही गुरु-भगवंत और धर्म के साथ नहीं जोड़ेंगे तो आगे चलकर वो धर्म से विमुख हो जायेंगे। साध्वी ने माताओं से अनुरोध किया कि वो संस्कार देने वाली माँ बने। संघ के सहमंत्री सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार धर्मसभा में बेंगलूरु के कई उपन-गरों के साथ हुब्बल्ली, चालीसगांव इत्यादि शहरों से भी श्रद्धालु उप-स्थित थे। संघ के मंत्री अशोक कुमार गुगलिया ने बताया कि सप्त दिवसीय समारोह के दूसरे दिन के लाभार्थी किरणराज अमितकुमार कोठारी परिवार रहें। संचालन संघ के अध्यक्ष शांतिलाल खींवेसरा ने किया।

# ज्ञान के दीप से जीवन को जगमग करें: राजेशमुनि

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

शांतिनगर स्थित लुणावत जैन भवन में चातुर्मासार्थ विराजित श्री राजेश मुनि जी ने धर्म आचरण का महत्व बताया। रिषभ मुनि ने प्रवचन में कहा कि हमें ऐसे दीप जलाना है कि हमारा जीवन जगमगा उठे । सर्वप्रथम ज्ञान रूपी दीपक जलाना है और फिर चारित्र रूपी दीप से पाप रहित जीवन पाना है और विनय रूपी दीप से माता-पिता, गुरु की विनय करने की योग्यता पानी है। आत्म स्वरूप का वास्तविक दर्शन करना है।

राजेशमुनि ने फरमाया कि व्यक्ति की कीमत हिम्मत से ही होती है। चिंगारी छोटी होती है, पर वो भी हिम्मत से ज्योति रूप धारण कर चमक उठती है। शंका के कारण ही हमारी तरक्की नहीं हो पाती। हम ऊपर नहीं उठ सकते क्योंकि शंकाओं से भी घिरे रहते हैं। वह नगर धन्य है जहां संत गण पधारते हैं और प्रभु की देशना देते हैं। हमें गुणों को ग्रहण कर गुणग्राही बनना चाहिए ताकि हमारा जीवन गुणियों जैसा बन सकें और इस बाग रूपी परिषद में हम गुणों की सुगंध फैला सकें। ताकि उस महक से हम और हमारा संघ सुगंधित बने। हम ऐसा व्यवहार करें कि जिससे सांप्रदायिकता को बल नहीं मिले। हमारी भावी पीढी भी हमारा अनुसरण कर गौरवान्वित अनुभव करे।

मुनि ने कहा कि प्रभु ने भी सर्वोच्च स्थान संघ को दिया है तो हमारा दायित्व बनता है कि संघ सर्वोपरि रहे। गुरु सदैव समाधान देने वाले होते हैं और श्रद्धालु और ज्ञान पिपासु ही धर्मसभा में आते हैं। महापुर्षों का जीवन बोलता है। शरीर और आत्मा में अंतर समझने वाला ही कल्याण की राह पर चल सकता है। चेयरमैन महा-वीरचंद मुथा ने संचालन किया।

# कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबी: चलवाडी नारायणस्वामी

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने आपत्ति जताई कि राज्य की कांग्रेस सरकार, जिसे भारी बारिश और बाढ़ पर ध्यान देना चाहिए, पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबी हुई है।

यादगिरी में मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत में उन्होंने कहा कि आये दिन घोटाले सामने आ रहे हैं। घोटालों की झड़ी का जवाब सरकार नहीं दे पा रही है। उन्होंने बताया कि भाजपा इसकी कड़ी निंदा करती है और संघर्ष के लिए तैयार है। मैसूरु मुडा में हजारों करोड़ का घोटाला हुआ है। मुख्यमंत्री का परिवार इसमें भागीदार है। वाल्मीकि निगम में अनुसूचित जाति के 187 करोड़

रुपये लूटे गये। अधीक्षक चन्द्रशेखर ने अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के पास इन सबका कोई जवाब नहीं है। मंत्री नागेंद्र ने इस्तीफा दे दिया और गिरफ्तार कर लिये गये। उन्होंने आपत्ति जताई कि कांग्रेसी ताड़ के छालों का आईना ढूंढने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए इसे बैठकर बर्दाश्त करना नामुमकिन है। उन्होंने उनकी कड़ी मेहनत, निष्ठा, जनसंपर्क और अन्य मुद्दों को पहचानते हुए उच्च सदन में विपक्ष के नेता के रूप में नियुक्त करने के लिए पार्टी नेतृत्व को धन्यवाद दिया। टीमों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर जिला प्रमुख को सूचना देने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र ने हमें इस इरादे से भेजा है कि हम समस्या के समाधान के लिए प्रेरित हों और सहयोगी बनें। उन्होंने कहा कि वह इस पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को रिपोर्ट सौंपेंगे। ऐसी खबरें हैं कि कुछ जगहों पर मकान गिरे हैं। कुछ जगहों पर फसल की बर्बादी भी हुई है। एक साल पहले सूखा पड़ा था। कुछ जगहों पर यह अब भी जारी है। उन्होंने कहा कि कुछ जगहों पर अत्यधिक बारिश हो रही है, लेकिन पिछले साल सूखा पड़ने के बाद भी सरकार नहीं जागी। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि यह किसानों के साथ अन्याय है। दलितों को हथेली पर स्वर्ग दिखाने वाली कांग्रेस पार्टी, सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार ने दलितों को गुमराह किया और वोट आकर्षित किया। नारायणस्वामी ने शिकायत की कि सिद्धरामैया विश्वासियों की खाल उतारकर चप्पल पहन रहे हैं।

# सरल आत्मा एक दिन सर्वश्रेष्ठ स्थान को करती हैं प्राप्त

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में साध्वी धर्मप्रभाजी ने धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जो आत्मा सरल होती हैं वही एक दिन सर्वश्रेष्ठ स्थान को प्राप्त करती हैं। एक परम पद् मुक्ति के इंसान वो है जिसने घर-बार का त्याग कर सन्यास ले लिया, अपने वस्त्रों का त्याग करके दिगम्बर बन गए। यदि ऐसे त्यागी के मन में भी कपट-माया का भाव आ जाए तो इसके परिणाम स्वरूप उस त्यागी साधक को अनन्त बार माँ के गर्भ में आना पड़ेगा। गर्भ के दुःखों को उसे सहन करना पड़ेगा। इंसान मात्र थोड़े से लाभ और फायदे के लिए कपट माया, धोखाधड़ी कर लेता है, और इसके बदले अपने जीवन के अनमोल पूंजी इमान को और

धर्म को बेच देने में भी नहीं हिचकिचाता हैं। आत्मा कभी भी संसार से तिरने वाली नहीं हैं। साध्वी जी ने आगे कहा कि आज जगत के प्राणियों पर माया व कपट का साम्राज्य फैला हुआ है। माया से कोई भी अछूता नहीं है। चारों वर्णों और सभी वर्गों में माया का डेरा है। छल-कपट करना तो इंसान के लिए मामूली बात है। देखा जाय तो चारों गतियां नरक, मनुष्य और देव सभी में माया बसी हुई है। माया कुटिलता का वह विषैला कांटा है जो क्लेश उत्पन्न करती है। मायावी और प्रमादी आत्मा के जन्म-मरण कभी भी खत्म नहीं होते हैं। मन मोती और कांच का टुकड़ा एक बार टूटने पर पुनः नहीं जुड़ते हैं। धर्मसभा में साध्वी ने अंजना सति का चरित्र वांचन करते हुए, तपस्विनी बहन रेखा मेहता के गतिमान 12 उपवास 'की तपस्या के प्रत्याख्यान ग्रहण करने पर उनके तप की मंगल भूरि-भूरि अनुमोदना की। आगामी 15 अगस्त- स्वतन्त्रता दिवस के पावन प्रसंग पर बच्चों के लिए फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता रखी गई हैं। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया।

### केरल भूस्खलन मामला

# सीएम ने पीड़ितों की मदद के लिए कॉरपोरेट से सीएसआर फंड की अपील की

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को कॉरपोरेट सेक्टर से अपील की कि वे केरल में राहत प्रयासों में सहयोग के लिए कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत योगदान दें, जहां भूस्खलन के कारण कम से कम 159 लोगों की जान चली गई है। सीएम सिद्धरामैया ने कॉरपोरेट सेक्टर को संबोधित अपनी अपील में कहा केरल की स्थिति को देखते हुए प्रभावित लोगों की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए वित्तीय सहायता, खाद्य आपूर्ति, कपड़े और बुनियादी राशन की तत्काल आवश्यकता है। उन्होंने कहा आपदा के पैमाने को देखते हुए समाज के सभी क्षेत्रों, खासकर कॉरपोरेट संस्थाओं से समन्वित और उदार प्रतिक्रिया की आवश्यकता है, जो हमेशा जरूरत के समय सहायता के स्तंभ रहे हैं। उन्होंने कहा जैसा कि आप जानते होंगे, हमारे पड़ोसी राज्य केरल में हाल ही में एक भयंकर आपदा आई है, जिसके कारण वहां के निवासियों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कर्नाटक सरकार इस कठिन समय में केरल को सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, और हम कॉर्पोरेट क्षेत्र में अपने मूल्यवान भागीदारों से इन राहत प्रयासों में शामिल होने के लिए संपर्क कर रहे हैं।

सीएम सिद्धरामैया ने आगे कहा हम विशेष रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों में योगदान की तलाश कर रहे हैं। सबसे पहले, राहत कार्यों और पुनर्निर्माण प्रयासों के रसद को सुविधाजनक बनाने के लिए वित्तीय सहायता, दूसरा, गैर-विनाशकारी खाद्य पदार्थों से युक्त खाद्य आपूर्ति और तीसरा, कपड़े। हम समझते हैं कि प्रत्येक संगठन की अपनी ताकत और सर्वोत्तम योगदान देने के तरीके हैं। हम इसकी सराहना करेंगे यदि आप साझा कर सकें कि आपका प्रतिष्ठित संगठन इस मानवीय प्रयास में कैसे सहायता करना चाहता है। कृपया हमें बताएं कि आप क्या सहायता प्रदान कर सकते हैं, और हम यह सुनिश्चित करने के लिए आपके साथ समन्वय करेंगे कि योगदान का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए। सीएम सिद्धरामैया ने कहा यह हमारे लिए एक साथ खड़े होने और महत्वपूर्ण प्रभाव डालने का अवसर है। आपकी भागीदारी और योगदान न केवल तत्काल राहत प्रदान करेगा, बल्कि प्रभावित क्षेत्रों के दीर्घकालिक पुनर्वास में भी मदद करेगा। उन्होंने आग्रह किया कि हमने राहत प्रयासों का समन्वय करने और यह सुनिश्चित करने के लिए एक समर्पित टास्क फोर्स का गठन किया है, कि योगदानों का प्रभावी और पारदर्शी तरीके से उपयोग किया जाए। कृपया इस अपील का जवाब दें, ताकि हम रसद और वितरण को प्रभावी ढंग से व्यवस्थित कर सकें।

#### कर्नाटक केरल को हर संभव मदद मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध

इससे पहले केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन में लोगों की मौत पर दुख जताते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंगलवार को कहा था कि कर्नाटक पड़ोसी राज्य को हर संभव मदद मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

सिद्धरामैया ने एक पोस्ट में कहा वायनाड में आई विनाशकारी बाढ़ से बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं प्रभावित परिवारों के साथ हैं। कर्नाटक इस चुनौतीपूर्ण समय में केरल को हर संभव मदद मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। आइए एकजुट होकर मजबूती से खड़े हों। भारी बारिश के कारण पहाड़ी जिले में हुए भूस्खलन में मंगलवार को कई लोगों की जान चली गई।

## बसों की भिड़ंत में कई घायल

**उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।** जिले के इंद्राली में बुधवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में दो निजी बसें आपस में टकरा गईं, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग घायल हो गए।

दुर्घटना तब हुई जब मणिपाल से कुंदापुर लौट रही एक दुर्गाम्बा बस का चालक नियंत्रण खो बैठा और अंबाजी बस, जो एक सिटी बस थी, के पिछले हिस्से से टकरा गई। दुर्गाम्बा बस का चालक और कई यात्री घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

मणिपाल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है और अधिकारी दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं।

## तटीय और पहाड़ी इलाकों में अगले दो दिन भारी बारिश की चेतावनी

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** लगातार बारिश के कारण राज्य के तटीय और पहाड़ी हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ आ गई है, जिससे लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। फिलहाल बारिश रुकने का कोई अनुमान नहीं है। भारतीय मौसम विभाग ने राज्य के तटीय और पहाड़ी हिस्सों में भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर रेड अलर्ट की घोषणा की है।

दक्षिण गुजरात से केरल राज्य के तट पर अरब सागर के स्तर में एक ट्रफ के परिणामस्वरूप, राज्य के तटीय और पश्चिमी घाट क्षेत्रों में गरज के साथ व्यापक रूप से हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र ने कहा कि कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना के कारण रेड अलर्ट जारी किया गया है। कुछ जगहों पर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है क्योंकि गुरुवार को तटीय और दक्षिणी आंतरिक जिलों में भारी बारिश की संभावना है। अनुमान है कि अगले तीन दिनों में भी भारी बारिश की संभावना है। उत्तर के अंदरूनी जिलों में 2 अगस्त तक भारी बारिश की संभावना है। लगातार बारिश से राज्य के प्रमुख जलाशय भर गए हैं और नदियों में बाढ़ आ गई है। इससे भारी मात्रा में पहाड़ी ढहने, सड़क, पुल, फसल, बिजली कनेक्शन और घरों को नुकसान पहुंचा है।

## जेडीएस मुडा घोटाले पर मैसूरु-बेंगलूरु विरोध प्रदर्शन में भाग नहीं लेगा : कुमारस्वामी

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** जेडीएस के वरिष्ठ नेता और नरेंद्र मोदी के कैबिनेट सदस्य एच डी कुमारस्वामी ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी कथित मुडा घोटाले के खिलाफ भाजपा द्वारा नियोजित विरोध प्रदर्शन का हिस्सा नहीं होगी, जहां पार्टी के सदस्य बेंगलूरु से मैसूरु तक पदयात्रा निकालने की योजना बना रहे हैं।

अपने एनडीए सहयोगी पर हमला करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि भाजपा ने उनसे परामर्श किए बिना यह एकतरफा फैसला लिया है। कर्नाटक बाढ़ में भारी नुकसान के बाद इस तरह की राजनीतिक रैली आम लोगों को परेशान कर सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा अगर हम इस तरह की रैलियां करते हैं, तो लोग हमारी आलोचना करेंगे।

जब कई गांव बाढ़ के कारण डूबे हुए हैं, खासकर उत्तरी कर्नाटक और तटीय कर्नाटक में, तो हमें उनके बचाव और राहत कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कुमारस्वामी ने आगे कहा इस रैली से भाजपा क्या हासिल करने जा रही है? इसके बजाय, हमें मुडा घोटाले में सीएम के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए।

पिछले सप्ताह बेंगलूरु में आयोजित संयुक्त बैठक में हासन भाजपा नेता और पूर्व विधायक प्रीतम गौड़ा की मौजूदगी से भी वह नाराज थे। वरिष्ठ नेता ने मीडियाकर्मियों से कहा प्रज्वल रेवन्ना पेन ड्राइव बांटकर प्रीतम गौड़ा ने देवेगौड़ा परिवार की छवि को नष्ट कर दिया। जब प्रीतम गौड़ा को प्रस्तावित रैली में महत्व दिया जा रहा है, तो मैं ऐसे विरोध प्रदर्शन का समर्थन क्यों करूं?

## मणिपाल में तेंदुए के दिखने से हड़कंप, वन विभाग ने बढ़ाई गश्त

**उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।** पिछले एक सप्ताह से मणिपाल इलाके में एक तेंदुआ घूम रहा है, जिससे लोगों में दहशत है। लोगों ने वन विभाग से तेंदुए को जल्द पकड़ने की मांग की है। पिछले शुक्रवार की रात को तेंदुआ पेरामपल्ली हाउस परिसर में देखा गया था। सोमवार की रात को यह अनंत नगर, सिंडिकेट सर्किल और एंड पॉइंट इलाके में देखा गया, जिससे स्थानीय लोगों में डर का माहौल है। पेरामपल्ली में तेंदुए को खोजने के वन विभाग के प्रयासों के बावजूद वे असफल रहे। अब अनंत नगर में तेंदुए की मौजूदगी के सबूत मिले हैं। स्थानीय लोगों को चिंता है कि यह वही तेंदुआ हो सकता है या इलाके में 2-3 तेंदुए हो सकते हैं। स्थानीय निवासी की खड़ी कार को संभवतः तेंदुए ने क्षतिग्रस्त कर दिया। कार के टायर पर खरोंच मिली और पास में ही पंजे के निशान मिले, जिससे तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि हुई। तेंदुआ मणिपाल एंड पॉइंट पर भी देखा गया, जहां एक सुरक्षा गार्ड ने उच्च अधिकारियों को इसकी सूचना दी, जिन्होंने फिर वन विभाग को सूचित किया। मंगलवार को डिप्टी रेंज ऑफिसर सुरेश गनीगा ने इलाके का दौरा किया और जाल बिछाया। माहे एस्टेट ऑफिसर बालकृष्ण प्रभु और सुरक्षा अधिकारी सतीश भी मौजूद थे। मणिपाल की मुख्य सड़कों के पास तेंदुआ दिखने के कारण अब निवासी रात में इधर-उधर जाने से डरने लगे हैं। होटल कर्मचारी और नाइट शिफ्ट के कर्मचारी अपनी शिफ्ट के बाद घर आने-जाने को लेकर खास तौर पर चिंतित हैं। वन विभाग का कहना है कि छोटे जंगलों में भोजन की कमी के कारण तेंदुए शहरी इलाकों की ओर पलायन कर रहे हैं। खासकर एंड पॉइंट के आसपास गली के कुत्तों की मौजूदगी तेंदुओं को आकर्षित करती है। स्थानीय लोगों का सुझाव है कि नगर पालिका को गली के कुत्तों की आबादी पर नियंत्रण करना चाहिए। सोमवार देर रात अनंत नगर में एक नजदीकी होटल के कर्मचारी अपने कमरों में लौटते समय सड़क पर तेंदुए को देखकर घबरा गए। तेंदुआ तुरंत झाड़ियों में गायब हो गया। मणिपाल की मन्नापल्ला झील के आसपास उगी हुई वनस्पति तेंदुए के छिपने की संभावित जगह है। इस क्षेत्र में सैकड़ों बुजुर्ग और बच्चे रोजाना सैर के लिए आते हैं और तेंदुए के दिखने के कारण कुछ लोग यहां आने से कतराने लगे हैं। स्थानीय लोग जिला प्रशासन से तुरंत सुरक्षाकर्मियों को तैनात करने का आग्रह कर रहे हैं। तेंदुए के दिखने की बढ़ती घटनाओं के कारण, निवासी वन विभाग से और अधिक कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वे मांग करते हैं कि तेंदुए को पकड़ने के लिए घनी वनस्पति वाले क्षेत्रों में जाल लगाए जाएं। मणिपाल क्षेत्र में देखे गए तेंदुए को पकड़ने के लिए विभाग सभी उपाय लागू कर रहा है। अधिकारियों ने कहा लोगों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। हमारे कर्मचारियों ने पहले ही देखे गए स्थानों का निरीक्षण कर लिया है। अगर लोगों को तेंदुआ दिखाई देता है, तो उन्हें तुरंत वन विभाग को सूचित करना चाहिए। मणिपाल एंड पॉइंट के पास एक जाल बिछाया गया है, और अधिकारियों को रात में इलाके में गश्त और निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया हैं।

## वायनाड भूस्खलन में कर्नाटक के कम से कम नौ लोगों की मौत

**मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** केरल के वायनाड में भूस्खलन में जान गंवाने वाले कर्नाटक के लोगों की संख्या नौ हो गई है, बुधवार को सात नई मौतें दर्ज की गईं। अब तक, चामराजनगर जिले के चार- राजेंद्र (50), रत्नम्मा (45), पुट्टासिद्दी (62) और रानी (50)- और मांड्या जिले के पांच- केआर पेटे तालुक से लीलावती, निहाल, मालवल्ली से सावित्री (54), अच्चू, कुट्टी- ने प्राकृतिक आपदा में अपनी जान गंवा दी। वायनाड में मौजूद गुंडलूपेट के तहसीलदार रमेश बाबू ने खबर की पुष्टि की है।

## बेलगावी में बारिश कम हुई, लेकिन बाढ़ का खतरा जारी

**बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।** बेलगावी जिले और अन्य क्षेत्रों में कृष्णा नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में बुधवार को बारिश कम हुई, लेकिन बाढ़ का खतरा बना हुआ है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बुधवार दोपहर तक अलमट्टी से बहिर्वाह को बढ़ाकर लगभग 3.5 लाख क्यूसेक कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि निचले तटवर्ती राज्यों को सतर्क कर दिया गया है। यह महाराष्ट्र से पानी की रिहाई को बढ़ाकर 2.93 लाख क्यूसेक करने के बाद हुआ है। महाराष्ट्र द्वारा छोड़े गए पानी और बारिश के बहाव को मिलाकर अलमट्टी में अंतर्वाह लगभग 3.23 लाख क्यूसेक था। बांध में अब कुल 123 टीएमसीफीट पानी या कुल जलग्रहण क्षमता का 55 प्रतिशत के मुकाबले 67.6 टीएमसीफीट पानी है। अधिकारियों ने बैकवाटर क्षेत्रों में बाढ़ की संभावना को कम करने के लिए मलप्रभा नदी से बहिर्वाह को बढ़ाकर 12,000 क्यूसेक कर दिया है। नदी में अंतर्वाह लगभग 21,200 क्यूसेक था। संदेश फैलाने और किसानों और मछुआरों को नदी में न जाने के लिए सचेत करने के लिए गाँव के हेराल्डर्स की सेवाओं का उपयोग किया गया है। मंगलवार को बेलगावी जिले में जुगुल के निवासी अपने गाँव में पानी घुसने के बाद अपने मवेशियों के साथ गाँव छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए। गोकक के पास सप्तसागर गांव, लोलासुर, होन्नुरागी, मासगुप्पी और हलात्री गांवों के कुछ हिस्सों में पानी घुस गया। अथानी के पास नाडी इंगलगांव और चिक्कोडी के पास जुगुल जैसे नदी किनारे के गांवों के निवासी देखभाल केंद्रों या सुरक्षित स्थानों पर रिश्तेदारों के घरों में जाने लगे। बेलगावी जिले में कम से कम 30 पुल सह बैराज डूब गए। हालांकि, यात्रियों ने वैकल्पिक मार्ग चुने।

# शिवकुमार ने मोदी से मुलाकात कर विभिन्न परियोजनाओं को मंजूरी देने का किया आग्रह

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उनसे बेंगलूरु और राज्य के व्यापक विकास के लिए लंबित परियोजनाओं को मंजूरी देने का अनुरोध किया। प्रधानमंत्री को दिए गए पत्र में उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। जैसा कि पहले बताया गया है, राज्य के सबसे महत्वपूर्ण और गंभीर मुद्दों और परियोजनाओं, विशेष रूप से शहरी विकास और बेंगलूरु के सुधार को आपके मार्गदर्शन और समर्थन की आवश्यकता है। कर्नाटक की चल रही परियोजनाओं में तेजी लाने और सतत विकास के लिए आपके मूल्यवान दृष्टिकोण और विश-षज्ञता की आवश्यकता है। डीके शिवकुमार ने कहा कि बेंगलूरु के सुधार के लिए प्रस्तावित कई परियोजनाओं की मंजूरी के लिए आपका हस्तक्षेप जरूरी है। बेंगलूरु में यातायात की भीड़ को कम करने के लिए सुरंग सड़क और फ्लाईओवर का निर्माण आवश्यक है।

बेंगलूरु तेजी से बढ़ रहा है और राष्ट्रीय राजमार्ग 77.6 किमी शहर में गुजर रहा है। इस वजह से ट्रैफिक भारी है। वाहनों की सुचारू आवाजाही के लिए फ्लाईओवर और सुरंगों का निर्माण आवश्यक है। होसूर से बेल्लारी राष्ट्रीय राजमार्ग 7, के.आर. पुरम रोड से मैसूरु रोड तक जुड़ा हुआ है। भूमि अधिग्रहण की लागत कम करने की जरूरत है। दो फ्लाईओवर और सुरंगों के लिए 36,950 करोड़ का लागत व्यय किया जायेगा तथा आवश्यक अनुदान उपलब्ध कराने का अनुरोध किया जायेगा। उपनगरों को जोड़ने के लिए बेंगलूरु मेट्रो परियोजना के सभी 5 गलियारों का विस्तार करने की आवश्यकता है। डीके शिवकुमार ने इसका समर्थन करने की अपील की है। बीटीएम लेआउट में डिजाइन किया गया डबल डेकर प्रोजेक्ट सफल रहा है और उसी मॉडल में पूरे बेंगलूरु में संयुक्त मेट्रो और फ्लाईओवर रोड प्रोजेक्ट के लिए प्रधान मंत्री का समर्थन मांगा गया है। यह एक खोजपूर्ण परियोजना है। बेंगलूरु की आबादी के हिसाब से यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए डबल डेकर सिस्टम की जरूरत है। उन्होंने कहा कि फ्लाईओवर रूट पर मेट्रो ट्रैक बनने के साथ ही भूमि अधिग्रहण की लागत कम होगी और इसके नीचे सिग्नल फ्री फ्लाईओवर रोड बनने से निर्बाध यातायात होगा। प्रधानमंत्री को सिलिकॉन सिटी बेंगलूरु के विकास के बारे में लंबी जानकारी देने वाले शिवकुमार ने कहा कि 8-लेन आउटर रिंग रोड के निर्माण का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। बेंगलूरु शहर में वाहनों के प्रवेश को रोकने और बाहरी इलाकों से मुक्त आवाजाही की अनुमति देने के लिए 27,000 करोड़ रुपये की बाहरी रिंग रोड का निर्माण करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि बजट पूर्व बैठक में इसका समर्थन करने का अनुरोध किया गया था। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो जल संसाधन मंत्री भी हैं, ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से राज्य सरकार की लंबे समय से प्रतीक्षित मेकेदातु परियोजना को केंद्रीय जलविद्युत विभाग के जल आयोग से आवश्यक मंजूरी देने की अपील की है। कावेरी मुकदमेबाजी और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मद्देनजर तमिलनाडु को पानी छोड़ा जा रहा है। 57 टीएमसी अधिशेष पानी को संग्रहित करने और 400 मेगावाट बिजली उत्पन्न करने के लिए मेकेदातु के लिए एक संतुलित बांध के निर्माण के लिए 18 जनवरी, 2019 को केंद्रीय जलविद्युत आयोग को एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी। केंद्रीय जल विद्युत आयोग ने परियोजना को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण को भेज दिया है और 1 फरवरी, 2024 को आयोजित प्राधिकरण की बैठक में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट फिर से केंद्रीय जल विद्युत आयोग को भेज दी गई है। इस स्तर पर, डीके शिवकुमार ने केंद्र से हस्तक्षेप करने और परियोजना को आवश्यक मंजूरी देने की अपील की है।

### बारिश से आपदा

# सीएम ने अधिकारियों के साथ बैठक कर दिए विभिन्न निर्देश

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** उत्तर कन्नड़ जिले के शिरुर और केरल में पहाड़ी ढहने और अन्य बारिश आपदाओं के मद्देनजर राज्य सरकार ने वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक कर आवश्यक सावधानी बरतने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने बुधवार शाम को गृह कार्यालय कृष्णा से राज्य के सभी जिलों के जिला कलेक्टरों, जी.पी. मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और जिला पुलिस प्रमुखों के साथ, क्षेत्रीय आयुक्त, सार्वजनिक निर्माण, गृह, ऊर्जा, वित्त विभाग, कृषि, राजस्व, कपड़ा, वन, ग्रामीण विकास और पंचायत राज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और मंत्रियों के साथ वीडियो वार्तालाप की। प्रत्येक जिले में वर्षा आपदा के प्रति सावधानी बरती जाय। विशेष रूप से, उन्होंने पानी बहने वाली नहरों और अन्य ढलान वाले क्षेत्रों और पहाड़ी श्रृंखलाओं को लेकर सावधानी बरतने के निर्देश जारी किए। हाईकमान के निर्देश पर दिल्ली गये मुख्यमंत्री बुधवार को बेंगलूरु लौटे। केरल में भूस्खलन से 100 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है, जिससे काफी चिंता है। कुछ दिन पहले राज्य के उत्तर कन्नड़ जिले के शिरुर में पहाड़ी ढहने से काफी जानमाल का नुकसान हुआ था। इस पृष्ठभूमि में विभिन्न विभागों और जिला प्रशासन को खतरनाक स्थिति में मौजूद पहाड़ों और पहाड़ियों को लेकर एहतियात बरतनी चाहिए। निचले इलाकों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए गए हैं।

# एनआर रमेश ने मुडा घोटाले के और भी दस्तावेज लोकायुक्त को कराए मुहैया

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

मुडा घोटाले को लेकर भाजपा नेता एनआर रमेश ने लोकायुक्त पुलिस को एक और अहम दस्तावेज मुहैया कराया है। रमेश ने इससे पहले मूडा घोटाले के संबंध में घोटाले की जांच के लिए लोकायुक्त को 400 पन्नों का एक दस्तावेज सौंपा था, जिसमें मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके परिवार के सदस्यों के शामिल होने का आरोप है।

एनआर रमेश ने बताया कि उन्होंने इसी मामले से जुड़े 25 पेज के अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज लोकायुक्त पुलिस को दिए हैं। 1997-98 की अवधि के दौरान, देवनूर चरण 3 बरंगा में याचिकाकर्ताओं को विकास - डामरीकृत सड़कें, फुटपाथ, नालियां, पेयजल पाइप, सीवर पाइप और स्ट्रीट लाइट आवंटित की गईं और तीन से चार वर्षों के भीतर दर्जनों इमारतें बन गईं। हालाँकि, पहले से विकसित क्षेत्र में 3.16 एकड़ क्षेत्र को हस्तांतरित करने के लिए 2004 में प्रस्तुत आवेदन के संबंध में, तत्कालीन जिला कलेक्टर ने तालुक तहसीलदार की रिपोर्ट के आधार पर 2005 में व्यक्तिगत रूप से क्षेत्र का निरीक्षण किया। साइट जांच नोट में लिखा है कि भूमि को इस उद्देश्य के लिए उपयोग में लाने की अनुमति दी गई है। देवनूर 3वें चरण बरंगे में कृषि भूमि होना कैसे संभव है जो 2005 से सात या आठ साल पहले पूरी तरह विकसित हो चुकी थी। उन्होंने शिकायत में कहा कि यह बहुत स्पष्ट है कि 2004-2006 के दौरान धर्मसिंह के मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री रहे सिद्धरामैया के राजनीतिक प्रभाव और दबाव में रहे तत्कालीन जिला कलेक्टरों और तहसीलदारों ने इस तरह की हास्यास्पद और अवैध भूमि को मंजूरी दे दी। इस भूमि के संबंध में, आयुक्त, भूमि अधिग्रहण अधिकारी और मुख्य लेखाकार ने मैसूरु के प्रधान सिविल न्यायालय में देवनूर चरण 3 बरंगे के निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि के मालिकों के खिलाफ शिकायत दर्ज की। उन्होंने बताया कि माननीय लोकायुक्त के संज्ञान में लाया गया है कि इस पत्र के साथ संलग्न 25 पृष्ठों के दो दस्तावेज मुडा प्रतिस्थापन घोटाले की जांच के लिए सबसे महत्व-पूर्ण दस्तावेज होंगे, जिसकी अभी जांच चल रही है।

# कर्नाटक के राज्यपाल ने मुडा घोटाले पर सीएम सिद्धरामैया से मांगा जवाब

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा उनकी पत्नी पार्वती को भूखंड आवंटित करने से संबंधित आरोपों पर जवाब मांगा है। कांग्रेस सरकार के सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह कदम 25 जुलाई को भाजपा विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा राज्यपाल से मुलाकात करने और उन्हें एक ज्ञापन सौंपने के बाद उठाया गया है, जिसमें मुडा मामले की जांच के लिए सीबीआई को स्थानांतरित करने और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की गई है। राजभवन के सूत्रों ने कहा कि चूंकि ज्ञापन प्रस्तुत किया गया है, इसलिए राज्यपाल के

लिए मुख्यमंत्री से जवाब मांगना अनिवार्य है। तदनुसार, राज्यपाल ने मुख्यमंत्री से इसका जवाब देने के लिए कहा है। राज्यपाल की कार्रवाई का जिक्र करते हुए गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि यह मानने के कारण हैं कि यह राजनीति से प्रेरित था। उन्हें (गहलोत को) कुछ संवैधानिक शक्तियां दी गई हैं। उन्हें इसके ढांचे के भीतर काम करना चाहिए। परमेश्वर ने जिला मुख्यालय बागलकोट में संवाददाताओं से कहा अगर वह सीमा पार करते हैं तो इससे संदेह पैदा होगा।

संदेह है कि राजनीति हो रही है। उन्होंने कहा राज्यपाल ने कारण बताओ नोटिस जारी करने के लिए आगे कदम बढ़ाया है। हमें इसे राजनीति से प्रेरित मानना होगा। कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खड़गे ने आरोप लगाया कि राज्यपाल का भाजपा द्वारा दुरुपयोग किया जा रहा है। खड़गे ने संवाददाताओं से कहा आपने तमिलनाडु, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में राज्यपालों को देखा है। कुछ स्थानों पर ये राज्यपाल अपने संवैधानिक पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। यहां तक कि सर्वोच्च न्यायालय ने भी अपनी टिप्पणियां की हैं। कई लेख भी प्रकाशित हुए हैं कि कैसे राज्यपाल अपनी सीमाओं से परे जाकर सरकार के कामकाज में हस्तक्षेप कर रहे हैं। मंत्री ने कहा ऐसा लगता है कि यहां भी वही हो रहा है। हम पहले ही कह चुके हैं कि आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय का इस्तेमाल किया जा रहा है। क्या ऐसा नहीं है कि वे (भाजपा) उनका (राज्यपालों का) इस्तेमाल कर रहे हैं। उनके अनुसार, ज्ञापन सौंपे जाने के तुरंत बाद राज्यपाल द्वारा जवाब मांगे जाने का कोई उदाहरण नहीं है। उन्होंने कहा बल्लारी खनन घोटाले के दौरान राज्यपाल के पास कार्रवाई करने के लिए पुख्ता सबूत थे, लेकिन मुडा मामले में कुछ भी नहीं है। खड़गे ने आरोप लगाया कि भाजपा के पास आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय को (अपने विरोधियों पर) ढीला छोड़ने और राज्यपालों का दुरुपयोग करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया है।

# सकलेशपुर के पास भूस्खलन से नष्ट हुई सड़क को छह महीने में फिर से बनाया जाएगा: राजस्व मंत्री

वायनाड की घटनाओं से लोगों को जाग जाना चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने कहा कि केरल के वायनाड में भूस्खलन सभी के लिए एक चेतावनी है और वहां जो हुआ वह आने वाले दिनों में किसी भी पहाड़ी क्षेत्र में हो सकता है। सकलेशपुर तालुक के डोड्डाथप्पले गांव में बुधवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, बायरे गौड़ा ने कहा कि वायनाड की घटनाओं से न केवल सरकार बल्कि लोगों को भी जाग जाना चाहिए। उन्होंने कहा हमें घटनाओं से सीखने की जरूरत है। अगर हम प्रकृति को हल्के में लेते हुए विकास की ओर बढ़ते हैं, तो यह हमें एक दिन सबक सिखाएगी। आज वायनाड में जो कुछ भी हुआ, वह कहीं भी हो सकता है। राज्य सरकार ने वायनाड में

अधिकारियों को भेजा है और जरूरत पड़ने पर वित्तीय सहायता देने के लिए भी तैयार है। उन्होंने कहा हम राहत कार्य के लिए सहयोग दे रहे हैं। डोड्डाथप्पले और हरले तथा सकलेशपुर तालुक के अन्य स्थानों पर भूस्खलन के संबंध में मंत्री ने शिरडी घाट में सड़क के डिजाइन में बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया। इस खंड पर सड़क का निर्माण एक इंजीनियरिंग चुनौती थी। वे भूगर्भीय सर्वेक्षण के विशेषज्ञों से भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में सड़क निर्माण के डिजाइन में बदलाव के सुझाव देने का अनुरोध करेंगे। उन्होंने बताया कि पहाड़ियों की ढलान भूस्खलन का कारण हो सकती है। ढलान प्रदान करने में कठिनाई थी, क्योंकि इसके लिए अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता होगी। ऐसे मामलों में, डिजाइन में रिटेनिंग दीव-ारों का निर्माण शामिल हो सकता था। इसके अलावा, अन्य स्थानों पर पिचिंग ठीक से नहीं की गई थी।

हम इन मुद्दों को मुख्यमंत्री के पत्र के माध्यम से एनएचएआई के संज्ञान में लाएंगे। राजस्व मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ने इस साल 100 करोड़ और अगले साल 200 करोड़ देने पर सहमति जताई है, ताकि संवेदनशील स्थानों पर भूस्खलन से बचने के लिए आवश्यक कार्य किए जा सकें। उन्होंने कहा हम संवेदनशील स्थानों पर भूस्खलन से बचने के लिए 300 करोड़ की लागत से एक योजना पर काम कर रहे हैं। इस राशि का उपयोग रिटेनिंग वॉल बनाने, पिचिंग को मजबूत करने और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अन्य कार्यों पर किया जाएगा। सकलेशपुर तालुक में हरले-नदहल्ली सड़क पर भूस्खलन के संबंध में, मंत्री ने कहा कि जिस एस्टेट में भूस्खलन हुआ था, उसके मालिक ने अस्थायी सड़क बनाने के लिए जमीन का एक हिस्सा देने के लिए आगे आए हैं। उन्होंने कहा मैं एस्टेट मालिक को उनके इस कदम के लिए धन्यवाद देता हूं। हमें तत्काल एक वैकल्पिक सड़क की आवश्यकता है, क्योंकि 25 से अधिक गांवों का सड़क संपर्क प्रभावित हुआ है। हम दो दिनों के भीतर एक अस्थायी व्यवस्था लागू करेंगे। अगले छह महीनों में, हम उस सड़क का फिर से निर्माण करेंगे जो भूस्खलन में बह गई थी। उनके साथ सकलेशपुर के विधायक एस. मंजूनाथ और हासन जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

# राजपुरोहित वीर कन्नड़िगा आवार्ड से हुए सम्मानित

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

लीला पैलेस होटल में कन्नड़ फिल्म निर्माता तरुण सुधीर, कन्नड़ फिल्म अभिनेता श्रीमुरली, अभिनेत्री मेघनाराज, नागमंगला विधायक चेलुवरयास्वामी ने विभिन्न प्रकार की सामाजिक सेवाएं प्रदान करने पर पर्यावरण जागृति वैदीके बन्नूर के अध्यक्ष व समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित को वीर कन्नड़िगा आवार्ड - 2024 से सम्मानित किया। कार्यक्रम में रवि, विनोद, वेंकटेश, सुरेश, तुमकुर संतोष, बन्नूर शिवन्ना सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

*__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ विधायक अरगा ज्ञानेंद्र के नेतृत्व में भाजपा बाढ़ अध्ययन दल ने बुधवार को शिवमोग्गा जिले में बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण किया। कुछ दिन पहले शिवमोग्गा जिले के तीर्थहल्ली तालुक में सड़क पर पेड़ गिरने से मरे सचिन के घर टीम पहुंची। वहां उन्होंने परिवार को सांत्वना दी और हौसला अफजाई की। पीड़ित परिजनों को सहायता राशि भी प्रदान की गई। प्रतिनिधिमंडल में विधान परिषद के मुख्य सचिव एन. रविकुमार, पूर्व मंत्री हरताला हलप्पा, शिवमोग्गा विधायक चेन्नाबसप्पा, विधान परिषद सदस्य डॉ. धनंजय सरजी, भाजपा जिला अध्यक्ष मेघराज और अन्य उपस्थित थे।*

# मंत्री संतोष लाड ने किया वायनाड का दौरा

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के निर्देश पर मंत्री संतोष लाड बाढ़ प्रभावित वायनाड के दौरे पर हैं। मुख्यमंत्री ने फोन पर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों के जीवन और स्वास्थ्य की रक्षा के लिए राहत कार्यों और पीड़ितों की सुरक्षा सहित सभी आवश्यक सहायता के लिए केरल सरकार से हाथ मिलाने का निर्देश दिया। मंत्री

संतोष लाड फिलहाल केरल राज्य के मुख्यमंत्री कार्यालय से लगातार संपर्क में हैं। मुख्यमंत्री ने आपदा में फंसे कन्नड़वासियों के बचाव के लिए तत्काल और त्वरित कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। मंत्री लाड ने कहा कि सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा है कि वह भूस्खलन से जूझ रहे केरल को जरूरी सहायता मुहैया कराएंगे। पिनराई विजयन से फोन पर बात करते हुए सिद्धरामैया ने इस त्रासदी पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा हमारी सरकार राहत कार्य में आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेगी। आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए भी हम तैयार है। सिद्धरामैया ने कहा कि बचाव दल और आपूर्ति भेजी जा रही है।

# घुसपैठियों और आतंकियों की तलाश में चल रही व्यापक तलाशी

**जम्मू, 31 जुलाई (ब्यूरो)।** एलओसी पार से हाल ही में घुसपैठ की कई कोशिशों के जवाब में सेना ने उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तलाशी अभियान तेज कर दिया है। ये तलाशी अभियान रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण केरन, टंगधार, मच्छेल, उड़ी और नौगाम सेक्टरों में चलाए जा रहे हैं। यह कदम सुरक्षा उपायों को बढ़ाने और घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम करने के लिए चौबीसों घंटे गश्त के बीच उठाया गया है।

पिछले महीने में ही कई बार ऐसी घटनाएं हुई हैं, जब हथियारबंद आतंकवादियों ने एलओसी पार करने की कोशिश की। सेना ने हाल ही में उत्तरी कश्मीर में घुसपैठ की कुछ कोशिशों को नाकाम किया है। 18 जुलाई को कुपवाड़ा जिले में एलओसी पर सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया था। सेना अधिकारियों का कहना था कि पिछले शनिवार को कुपवाड़ा जिले के मच्छेल सेक्टर के कमाकारी इलाके में सेना ने पाकिस्तान की बार्डर एक्शन टीम (बीएटी) के हमले को नाकाम कर दिया था, जिसमें एक सैनिक शहीद हो गया था और दूसरा घायल हो गया था। गोलीबारी में एक पाकिस्तानी घुसपैठिया, जो पाक सेना का कमांडो माना जा रहा था, भी मारा गया। रक्षा सूत्रों ने संकेत दिया कि हमला करने वाली बैट टीम में संभवतः पाकिस्तानी सेना के नियमित जवान और आतंकवादी संगठनों के साथ सहयोग करने वाले एसएसजी कमांडो शामिल थे।

उत्तरी कश्मीर में तैनात एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने कहा, घुसपैठ की लगातार कोशिशों को देखते हुए हमने एलओसी पर सतर्कता बढ़ा दी है। उन क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया जा रहा है जो पारंपरिक रूप से घुसपैठ के लिए असुरक्षित रहे हैं। सेना ने एलओसी पर चौबीसों घंटे निगरानी करने के लिए उन्नत निगरानी उपकरणों से लैस अतिरिक्त गश्ती दलों को तैनात किया है।

उनका कहना था कि हम घुसपैठ की किसी भी कोशिश का मुकाबला करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमने कुछ कोशिशों को नाकाम किया है। सैनिक चौबीसों घंटे अलर्ट पर हैं। हमने अपनी गश्त और निगरानी उपायों को तेज कर दिया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी आतंकवादी एलओसी को पार करने में सफल न हो। वे कहते हैं कि एलओसी पर बीहड़ इलाके और घने जंगलों के बावजूद उन्होंने घुसपैठ की चुनौतियों पर काबू पा लिया है और इसकी अनुमति नहीं देंगे। रक्षा अधिकारियों ने कहा कि घुसपैठिए अक्सर पता लगाने से बचने के लिए इन भौगोलिक विशेषताओं का फायदा उठाते हैं। इसके अलावा, आतंकवादियों द्वारा अत्याधुनिक संचार उपकरणों और रणनीतियों के उपयोग ने घुसपैठ को रोकने के कार्य को थोड़ा जटिल बना दिया है।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए सेना ने अपने अभियानों में उन्नत तकनीक को शामिल किया है। एक अन्य वरिष्ठ सेना अधिकारी ने कहा, किसी भी संदिग्ध गतिविधि का पता लगाने और निगरानी करने के लिए थर्मल इमेजिंग डिवाइस, नाइट-विज़न गॉगल्स और यूएवी (मानव रहित हवाई वाहन) का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा है। उनका दावा था कि किसी भी खतरे का समन्वित जवाब सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ खुफिया जानकारी साझा करने के तंत्र को मजबूत किया गया है। हम संभावित खतरों से अवगत हैं और उनका मुकाबला करने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रहे हैं। हमारे सैनिक किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित और सुसज्जित हैं। हम शांति और सुरक्षा में किसी भी तरह की बाधा नहीं आने देंगे।

# सोने पर शुल्क की कटौती से कश्मीर में सोने की खरीद बढ़ी

**जम्मू, 31 जुलाई (ब्यूरो)।** सोने पर शुल्क में कटौती से कश्मीर के ज्वेलर के चेहरों पर मुस्कान आ गई है क्योंकि पिछले कुछ दिनों में यहां के बाजारों में बिक्री बढ़ गई है, जिससे ज्वेलर को काफी राहत मिली है और अधिक किफायती कीमतों से ग्राहक प्रसन्न हैं।

कश्मीर में सोने और चांदी के व्यापार से जुड़े ज्वेलर ने कहा कि वे अपनी बिक्री में उछाल देख रहे हैं।

गोल्ड ज्वेलर एसोसिएशन कश्मीर के अध्यक्ष बशीर अहमद ने कहा कि सोने पर सीमा शुल्क में कटौती से पहले बिक्री बेहद कम थी, लगभग 90 प्रतिशत की गिरावट आई थी। अब हमारे चेहरों पर कुछ खुशी है, पहले यह उदास हुआ करता था क्योंकि हमारी बिक्री लगभग 90 परसेंट कम हो गई थी।

वे कहते थे कि सोने पर सीमा शुल्क में कटौती के बाद से, वे दैनिक सोने की बिक्री में 10-15 प्रतिशत की वृद्धि देख रहे हैं हालांकि, उन्होंने कहा कि लोगों को कीमतों के संबंध में कुछ भ्रम है, उनका कहना है कि सोने की वस्तुओं की खरीद के दौरान श्रम शुल्क को शामिल किया जाना है। विशेष रूप से, भारत सरकार ने पिछले सप्ताह सोने पर आयात शुल्क 15 परसेंट से घटाकर 6 परसेंट कर दिया, एक ऐसा कदम जिससे हितधारकों ने कहा कि खुदरा मांग बढ़ सकती है।

शुल्क कटौती के बाद से, कश्मीर में ग्राहक कम दरों पर सोना खरीदने के लिए आभूषण की दुकानों की ओर रुख कर रहे हैं, कई लोग भारी आभूषणों का विकल्प चुन रहे हैं, जो पहले उस समय पहुंच से बाहर थे जब सोने की कीमतें इस महीने की शुरुआत में 74,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई थीं। सोने की कीमत मंगलवार को 950 रुपए की और गिरावट के साथ 71,050 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई, जबकि पहले यह 72,000 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में 1,650 रुपए की अधिक गिरावट देखी गई, जो शनिवार को 72,350 रुपए प्रति 10 ग्राम से 70,700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई।

# प्रीति सूदन यूपीएससी की अध्यक्ष नियुक्त

**नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव प्रीति सूदन को संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। श्रीमती सूदन 1983 बैच की आईएएस अधिकारी रही हैं। प्रीति सूदन एक अगस्त को अपना कार्यभार संभालेंगी। वे संघ लोकसेवा आयोग में सदस्य रही हैं।

प्रीति सूदन ने खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग और महिला एवं बाल विकास तथा रक्षा मंत्रालय में सचिव के रूप में भी कार्य किया। वे एलएसई से अर्थशास्त्र में एमफिल और सामाजिक नीति और योजना में एमएससी हैं। उन्होंने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग, संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवर आयोग और ई-सिगरेट पर प्रतिबंध पर कानून के अलावा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और आयुष्मान भारत सहित भारत के दो प्रमुख प्रमुख कार्यक्रम शुरू किए हैं। प्रीति विश्व बैंक की सलाहकार भी थीं। उन्होंने तंबाकू नियंत्रण पर फ्रेमवर्क कन्वेंशन के सीओपी-8 के अध्यक्ष, मातृ, नवजात और बाल स्वास्थ्य के लिए साझेदारी के उपाध्यक्ष, वैश्विक डिजिटल स्वास्थ्य साझेदारी के अध्यक्ष के रूप में और महामारी की तैयारी और प्रतिक्रिया के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के स्वतंत्र पैनल के सदस्य के रूप में कार्य किया।

# उत्तराखंड में नहीं बढ़ेगा पंचायतों का कार्यकाल

**देहरादून, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** प्रदेशभर के पंचायत प्रतिनिधि त्रिस्तरीय पंचायतों का दो साल का कार्यकाल बढ़ाने की मांग को लेकर जहां 15 जुलाई से आंदोलनरत हैं। लेकिन शासन का स्पष्ट कहना है कि पंचायतों का कार्यकाल नहीं बढ़ेगा। पंचायत एक्ट में इस तरह की कोई व्यवस्था नहीं है।

नवंबर में पंचायतों का पांच साल का कार्यकाल खत्म हो रहा है। इसके बाद दिसंबर में 7,795 ग्राम पंचायतों और 400 जिला पंचायत सदस्यों समेत क्षेत्र पंचायत और वार्ड सदस्यों के पदों पर चुनाव कराए जाएंगे। उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन से जुड़े पंचायत प्रतिनिधियों ने पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाने की मांग को लेकर मंगलवार को प्रदेश के 89 ब्लॉक कार्यालयों में तालाबंदी कर प्रदर्शन किया।

संगठन का कहना है कि मांग पर अमल न होने पर तीन अगस्त को पंचायत प्रतिनिधि मुख्यमंत्री आवास कूच करेंगे।

संगठन के प्रदेश संयोजक जगत सिंह मार्तोलिया बताते हैं कि राज्य में 2020-21 में कोविड के दौरान त्रिस्तरीय पंचायतों की बैठकें नहीं हो सकी, जिससे ग्राम, क्षेत्र और जिला पंचायत क्षेत्रों में विकास कार्य प्रभावित हुआ है। उनका कहना है कि पहले भी पंचायतों का कार्यकाल बढ़ा है।

राज्य गठन के बाद 2001 में पंचायतों के चुनाव होने थे, लेकिन उस दौरान एक साल तीन महीने 28 दिन का कार्यकाल बढ़ाया गया।

झारखंड सरकार ने भी पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाया है। पंचायती राज विभाग के सचिव चंद्रेश कुमार यादव बताते हैं कि पंचायतों के चुनाव का कार्यकाल बढ़ाने की पंचायतराज एक्ट में कोई व्यवस्था नहीं है। पंचायतों के चुनाव तय समय पर होंगे। पंचायतों के परिसीमन के बाद उनके आरक्षण की कार्रवाई की जाएगी। जिसके बाद त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराए जाएंगे।

पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज ने पिछले दिनों मुख्य सचिव को पंचायतों का दो साल का कार्यकाल बढ़ाने के लिए जरूरी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। निर्देश में कहा गया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2024-25 में न कराकर हरिद्वार जिले के साथ वर्ष 2027 में कराने चाहिए। विभागीय मंत्री ने यह भी कहा, झारखंड ने पंचायतों का कार्यकाल छह महीने के लिए बढ़ाया था। वहीं, राजस्थान ने भी एक राज्य एक चुनाव की घोषणा की है। इन राज्यों से जानकारी लेकर किस तरह की व्यवस्था हो सकती है, इस पर कार्य किया जाए। प्रदेश में ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधान के 7,795, पंचायत प्रमुख के 95, जिला पंचायत अध्यक्ष के 13, ग्राम पंचायत सदस्य के 58,970, क्षेत्र पंचायत सदस्य के 3,202 और जिला पंचायत सदस्य के 400 पदों के लिए चुनाव होने हैं। हरिद्वार जिले को छोड़कर अन्य सभी 12 जिलों में विभाग की इसी साल चुनाव कराने की तैयारी है।

# वायनाड भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 184 हुई, 225 लापता

**वायनाड, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन में मरने वालों की संख्या ुधवार को बढ़कर 184 हो गई हैं। 225 लोग अ भी लापता हैं।अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राजस्व विभाग के सूत्रों के अनुसार, कुल 191 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।केरल के वायनाड जिले में मेप्पाडी पंचायत के वेल्लारीमाला गांव के मुंडक्कई और चूरलमाला में मंगलवार को भीषण भूस्खलन हुआ था। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने ताया कि अ तक कुल 89 शवों की पहचान हो चुकी है और 143 शवों का पोस्टमार्टम पूरा हो चुका है। मलप्पुरम जिले के पोथुक्कल से मुंडेरी इलाकों के बीच चलियार नदी से 72 शव बरामद किए गए, जिनमें से 13 शव बुधवार को बरामद किए गए। यह स्थान मुंडक्कई में दुर्घटना स्थल से लगभग 38 किलोमीटर दूर है। मुंडक्कई में घरों के मलबे से 14 शव बरामद किए गए।इस बीच, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने एक सर्वदलीय बैठक में भाग लिया। मुंडक्कई में 500 से अधिक घरों के लगभग 1,000 पीड़ितों के रहने के लिए आठ राहत शिविर स्थापित किये गये हैं। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि मुंडक्कई में केवल 30 घर बचे हैं। सेना, नौसेना, तटरक्षक बल, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, केरल पुलिस विशेष बल, श्वान दस्ता और स्थानीय स्वयंसेवकों के लगभग 600 बचाव कर्मी मुंडक्कई और चूरलमाला क्षेत्रों में खोज और बचाव अभियान चला रहे हैं। उन्होंने लगभग 250 फंसे हुए लोगों को बचाया है।गौरतलब है कि 30 जुलाई को भूस्खलन में पुल ह जाने के बाद सेना के जवानों ने चूरलमाला को मुंडक्कई से जोड़ने के लिए बेली ्रिज का निर्माण शुरू कर दिया है। राजस्व मंत्री के. राजन और पांच सदस्यीय मंत्री दल अब भी चाव और खोज अभियान में सहायता के लिए मुंडक्कई में डेरा डाले हुए है। देर रात तक 1 हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया, 3 हजार लोगों को रिहै सेंटर में भेजा गया है। लगातार शवों को निकालने का काम जारी है। लेकिन इस आपदा ने सैकड़ों परिवारों की उम्मीदें, सपने और खुशियां छीन ली हैं। लोग अपनों की तलाश में अस्पताल पहुंच रहे हैं। हालात यह हैं कि जब लोग अपनों का शव देखते तो सारी उम्मीदें टूट जाती हैं...बस रहा जाता है तो दर्द। दर्द अपने खास को खोने का, प्रकृति की बेरूखी और सिस्टम की अनदेखी का। बुधवार को मेप्पाडी के फैमिली हेल्थ सेंटर और नीलांबुर के सरकारी अस्पताल में कुछ ऐसा ही नजारा था। लोग अपनों के शव की पहचान करते नजर आए। इस दौरान पूरे अस्पताल में बस चीत्कारें गूंजती रहीं। लोगों ने शवों का नम आंखों से अंतिम संस्कार किया। वायनाड में कुछ शवों का अंतिम संस्कार किया गया तो कुछ शवों को दफनाया गया। वायनाड के अंतिम संस्कार स्थल पर तो एक साथ जलती चिताओं के बीच गूंजती चीत्कार सुन हर आंख कुदरत की बेरूखी पर शोक मनाती नजर आई। वहीं मेप्पाडी जामा मस्जिद समिति ने शवों को दफनाने का इंतजाम किया है। इतने बड़े हादसे के बाद वायनाड के लोग मदद के लिए आगे आ रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि भूस्खलन के बाद अभी भी 180 लोग लापता हैं और 300 घर उजड़ गए हैं। प्रशासन का कहना है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। मौसम विभाग ने वायनाड के अलावा मलप्पुरम, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड जिले में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इससे रेस्क्यू ऑपरेशन में परेशानी हो सकती है। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को संसद में बताया कि 23-24 जुलाई को ही केरल सरकार को अलर्ट किया गया था, सरकार समय रहते लोगों को हटाती तो इतना नुकसान नहीं होता।सेना ने मुंडक्कई गांव के बाहर स्थित इला रिसॉर्ट और वाना रानी रिसॉर्ट में फंसे 19 टूरिस्ट को बुधवार को निकाला। ये घटना के बाद से यहीं फंसे हुए थे। सेना के पीआरओ के मुताबिक, 122 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) मद्रास के जवानों ने रस्सियों के सहारे सभी नागरिकों को चूरलमाला तक सुरक्षित निकालने के लिए एक मानव पुल बनाया। हादसे के बाद राज्य में दो दिन के राजकीय शोक की घोषणा की गई है। 12 जिलों में 30 जुलाई को स्कूल-कॉलेज में छुट्टी घोषित कर दी गई। केरल यूनिवर्सिटी ने 30 और 31 जुलाई को होने वाली सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। नई तारीखों का ऐलान बाद में किया जाएगा।भूस्खलन की घटना का जायजा लेने वायनाड जा रहीं केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ुधवार (31 जुलाई) को सुबह करी साढ़े 7 जे एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गईं। उन्हें मलप्पुरम स्थित मंजेरी के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। घटना एक स्कूटर सवार को बचाने के चलते हुई। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने खरा मौसम और सुरक्षा कारणों से वायनाड दौरा रद्द कर दिया है। राहुल ने आज कांग्रेस सांसदों के साथ संसद के सेंट्रल हॉल में वायनाड में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति दो मिनट का मौन रखा।

## निर्धारित शिड्यूल के आधार पर सभी क्षेत्रों को होगी विद्युत अपूर्ति

**लखनऊ, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** भीषण गर्मी और उमस के बीच प्रदेश की जनता को समस्या न हो, इसके लिए योगी सरकार ने निर्धारित शिड्यूल के अनुरूप सभी क्षेत्रों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति देने के निर्देश दिए हैं। सभी डिस्कॉम के प्रबंध निदेशकों को निर्देशित किया गया है कि शिड्यूल के अनुरूप विद्युत आपूर्ति के बीच होने वाली विद्युत् समस्या की भरपाई रोस्टर के दौरान अतिरिक्त अपूर्ति देकर पूरी की जाए।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में 18 घंटे, तहसील मुख्यालय स्तर पर 21 घंटे और जनपद मुख्यालय स्तर पर 24 घंटे विद्युत आपूर्ति का शिड्यूल प्रदेश सरकार ने निर्धारित किया है, जिसे हर हाल में बनाए रखना है। किसी भी क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति के दौरान यदि कोई स्थानीय फाल्ट के कारण कुछ समय के लिए विद्युत आपूर्ति बाधित होती है, तो उसकी भरपाई रोस्टर कटौती के दौरान अतिरिक्त आपूर्ति देकर की जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी गांव में सुबह 06 से 09 बजे के बीच व अपरान्ह 12 से 03 बजे के बीच रोस्टिंग तय की गई है और इसी दौरान सुबह 09 से 12 बजे के बीच स्थानीय फाल्ट के कारण 02 घंटे विद्युत आपूर्ति बाधित होती है तो दोपहर 12 से 03 बजे के बीच में 02 घंटे की अतिरिक्त विद्युत् आपूर्ति की व्यवस्था कर ली जाए, जिससे उस क्षेत्र में कुल 18 घंटे की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

### कांग्रेस संसदीय दल की बैठक

# माहौल कांग्रेस के पक्ष में : सोनिया गांधी

**नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** लोकसभा चुनाव में 99 सीटें पाकर उत्साहित कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा, मैं यह कह सकती हूं कि अगर हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो लोकसभा चुनाव में जैसा माहौल दिखा उस आधार पर राष्ट्रीय राजनीति अब बदलने जा रही है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बुधवार को पार्टी को आगामी विधानसभा चुनावों के लिए जीत का मंत्र दिया। सोनिया ने कहा कि इस वक्त माहौल कांग्रेस के पक्ष में है, लेकिन इस गति को बनाए रखना और लोकसभा चुनाव में पार्टी ने जो साख बनाई है, उसे बरकरार रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, हमें लगता था कि मोदी सरकार लोकसभा चुनाव में लगे बड़े झटके से सही सबक लेगी। इसके बजाय, वह समुदायों को विभाजित करने और भय और शत्रुता फैलाने की अपनी नीति पर कायम है।

सोनिया ने कहा कि हमें बिल्कुल भी लापरवाह नहीं होना है। न ही हमें अति-आत्मविश्वास से भरना है। मैं यह कह सकती हूं कि अगर हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो लोकसभा चुनाव में जैसा माहौल दिखा उस आधार पर राष्ट्रीय राजनीति अब बदलने जा रही है। सोनिया गांधी ने उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा के मार्ग में दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने के शासनादेश से जुड़े विवाद का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए कहा कि सौभाग्य से उच्चतम न्यायालय ने सही समय पर हस्तक्षेप किया, लेकिन यह केवल एक अस्थायी राहत हो सकती है। उन्होंने दावा किया, नौकरशाही को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति देने के लिए नियमों को अचानक बदल दिया गया। यह संगठन खुद को एक सांस्कृतिक संगठन कहता है, लेकिन पूरी दुनिया जानती है कि यह भाजपा का राजनीतिक और वैचारिक आधार है।

सोनिया गांधी ने महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव तथा जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव की संभावना के मद्देनजर पार्टी नेताओं में जोश भरने का प्रयास किया। उन्होंने कहा, कुछ ही महीनों में चार राज्यों में चुनाव होने हैं। हमें लोकसभा चुनाव में बनी स्थिति को बरकरार रखना चाहिए। हमें आत्मसंतुष्ट और अति आत्मविश्वासी नहीं बनना चाहिए। माहौल हमारे पक्ष में है, लेकिन हमें लक्ष्य को ध्यान में रखने की भावना के साथ एकजुट होकर काम करना होगा।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि यदि कांग्रेस आगामी चुनावों में भी बेहतर प्रदर्शन करती है तो राष्ट्रीय राजनीति में बदलाव आएगा। उन्होंने वायनाड में भूस्खलन में 100 से अधिक लोगों की मौत पर दुख जताया और प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना जाहिर की। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय बजट में किसानों और युवाओं को नजरअंदाज किया गया है।

आज कांग्रेस की संसदीय दल की बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता सोनिया गांधी ने की। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी समेत अन्य लोग संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में कांग्रेस संसदीय दल की आम बैठक में शामिल हुए। बैठक में वायनाड भूस्खलन और दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन रखा गया।

### कांवड़ मार्ग पर फलों–सब्जियों पर थूकने की हरकतें जारी हैं

# हिंदू नाम पर धड़ल्ले से चल रहा मुस्लिमों का धंधा

**मुजफ्फरनगर, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** पश्चिम उत्तर प्रदेश में हर साल निकलने वाली कांवड़ यात्रा इस पर बार उन दुकानदारों की वजह से खासी चर्चा में है जिन पर नाम बदल कर कारोबार करने का आरोप है। मुजफ्फरनगर के संत स्वामी यशवीर महराज ने कांवड़ यात्रा के शुरू होने से पहले ही आरोप लगाया था कि मार्ग में कई मुस्लिम दुकानदार हिंदू नाम से कारोबार कर रहे हैं। उन्होंने इन दुकानदारों पर फलों और सब्जियों पर थूकने और पेशाब करने का आरोप भी लगाया। पश्चिम उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से इन आरोपों की जमीनी पड़ताल में भी कई शिकायतों की भौतिक पुष्टि हुई है।

इस संवाददाता ने अपनी यात्रा की शुरुआत गाजियाबाद जिले से की। यहां कांवड़ मार्ग पर मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र में नई दिल्ली जूस एन्ड शेकनाम की एक दुकान नजर आई। दुकान जमीन से लेकर पहले फ्लोर तक बड़े–बड़े कई बोर्डों से ढंकी हुई थी। बाहर किनारे की तरफ सफेद रंग से गेट पर शुभ–लाभ लिखा हुआ था। इसी गेट में नीचे ॐ और स्वस्तिक चिन्ह भी बना हुआ था। पास जाकर देखा तो एक व्यक्ति बर्तन धो रहा था। पहले उसने हमें ग्राहक समझा लेकिन बाद में पत्रकार जान कर बात करने से बचने लगा।

कुछ ही देर में बर्तन धो रहे व्यक्ति ने न सिर्फ दुकान का शटर अंदर से गिरा लिया बल्कि साथ में लगा गेट भी बंद कर लिया। जब हमने दुकान का जायजा लिया तो प्रशासन के निर्देश पर लगा ए–4 साइज का एक छोटा सा कागज कोने में नजर आया। इस कागज में दुकान मालिक के तौर पर मोहम्मद फजल लिखा हुआ था। नीचे 30 से ले कर 60 रुपए तक जूस के रेट छपे हुए थे। खास बात यह है कि बिना स्पेलिंग मिस्टेक के मुख्य बोर्ड पर अंग्रेजी में बड़ा–बड़ा नई दिल्ली जूस एन्ड शेक लिखवाने वाले फजल ने हिंदी वाले कागज में अपनी दुकान का नाम लिखने में कई मात्रा और शब्दों की गलतियां कर रखी थीं।

गाजियाबाद जिले में ही नए बस अड्डे से मुरादनगर मार्ग पर मांसाहार की दुकानें हैं। यह व्यस्ततम कांवड़ मार्ग है। देशी ठाठ नाम से शाकाहारी भोजनालय चलाने वाले हिंदू दुकानदार ने बताया कि इसी मार्ग पर कार्तिक नाम से नॉनवेज की शॉप है। उन्होंने दावा किया कि इस दुकान का मालिक मुस्लिम है। हालांकि बताया गया कि सावन माह में प्रशासन की सख्ती से मांसाहारी दुकानें बंद हो जाया करती हैं। बावजूद इसके हिंदू दुकानदारों ने मांग की है कि ऐसे नाम बदल कर धंधा करने वालों पर कार्रवाई की जाए।

हरिद्वार और दिल्ली के बीच सफर करने वाले अधिकतर दुकानदार यूपी और उत्तराखंड के बॉर्डर पर मौजूद चिड़ियापुर में खाना खाते हैं। उत्तराखंड के समाजसेवी और हिंदूवादी नेता स्वामी दर्शन भारती ने बताया कि चिड़ियापुर में 70 प्रतिशत होटल और ढाबे ऐसे हैं जिनके नाम हिंदुओं के देवी–देवताओं से जुड़े हैं लेकिन मालिक असल में मुस्लिम समुदाय के लोग हैं। उन्होंने इन ढाबों के न सिर्फ बोर्ड बल्कि काउंटरों पर भी हिंदू देवताओं के चित्र लगा रखे हैं। स्वामी ने इस पर रोक लगाने की मांग उठाई।

मुज़फ्फरनगर का शिवचौक कांवड़ यात्रा के हिसाब से सबसे व्यस्त स्थान है। यहां यात्रा के दौरान हर समय हजारों कांवड़ यात्रियों की मौजूदगी होती है। कई श्रद्धालु यहां हरिद्वार से लाया हुआ जल चढ़ा कर अपनी कांवड़ यात्रा का समापन भी करते हैं। इसी चौराहे पर कंचनतारा नाम से कपड़े की दुकान है। यह दुकान मुस्लिम समुदाय के एक व्यक्ति की है। इसमें काम करने वाले अधिकतर कारीगर भी मुस्लिम समुदाय के ही हैं।

सहारनपुर जिले के अम्बाला–देहरादून हाईवे पर सरसावा बाईपास के पास एक लाइन से कई होटल मौजूद हैं। इसमें से एक होटल बिना बोर्ड का नजर आया। आसपास से पता करने पर बताया गया कि इस ढाबे का लम्बे समय तक नाम साईं वैष्णो भोजनालय था। होटल का मालिक सहारनपुर निवासी एक मुस्लिम का है। बीच में चले असली नाम लिखने के अभियान के दौरान होटल मालिक ने अपने बोर्ड को उतार लिया था। फिलहाल दुकान मालिक को नया या पुराना बोर्ड लगाने से पहले सुप्रीम कोर्ट में अंतिम निर्णय आने की प्रतीक्षा है।

सहारनपुर जिले में ही अम्बाला बाईपास पर मानव पंजाब ढाबा नाम से दो दुकानें हैं।

पहली दुकान हरियाणा की सीमा के पास है जिसका असल मालिक सिख समुदाय के किसी व्यक्ति को बताया गया। यह ढाबा काफी पुराना है जहां अक्सर भीड़ लगी रहती है। इसी मानव पंजाब नाम से देहरादून रोड पर एक नया ढाबा लगभग एक साल पहले खुला। इस ढाबे का असल मालिक खुर्शीद है। बीच में प्रशासनिक सख्ती के चलते खुर्शीद ने ढाबे के बोर्ड पर अपना असली नाम लिख दिया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्टे लगाने के बाद खुर्शीद ने अपने नाम को फिर से ढंक दिया है। फिलहाल खुर्शीद का ढाबा मानव पंजाब नाम से चल रहा है।

# परम डेयरी के मिल्क पाउडर में मिला डिटर्जेंट

**फर्म के मालिक पर एक लाख का जुर्माना**

**बुलंदशहर, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** बुलंदशहर के खुर्जा रोड स्थित परम डेयरी के स्किम्ड मिल्क पाउडर में डिटर्जेंट मिलने पर कोर्ट ने फर्म संचालक पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने करीब चार साल पहले सैंपल लिया था। दो प्रयो–गशालाओं की जांच में मिल्क पाउडर में डिटर्जेंट मिलने की पुष्टि हुई थी। अब 70 लाख रुपए के मिल्क पाउडर को नष्ट कराने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी कोर्ट के आदेश का इंतजार कर रहे हैं।

नवंबर 2020 में तत्कालीन मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी कुंवर मनोज कुमार को सूचना मिली थी कि खुर्जा रोड स्थित परम डेयरी में मिलावटी 400 कट्टा स्किम्ड मिल्क पाउडर तैयार किया गया है। सूचना पर मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी की टीम ने मौके पर पहुंचकर मिल्क पाउडर का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा था। साथ ही करीब 70 लाख रुपए की कीमत के 400 कट्टा स्किम्ड मिल्क पाउडर को सीज कर दिया था। खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई के बाद डेयरी संचालक ने विभिन्न स्थानों पर शिकायत भी की लेकिन कार्रवाई नियमानुसार पाई गई।

दिसंबर 2020 में लखनऊ स्थित प्रयोगशाला से मिल्क पाउडर की रिपोर्ट असुरक्षित आई थी। जांच के दौरान पता चला था कि पाउडर में डिटर्जेंट मिलाया गया था।

परम डेयरी के संचालक द्वारा रिपोर्ट को गलत बताते हुए उच्च प्रयोगशाला में जांच की मांग की गई थी। जिस पर कोलकाता स्थित प्रयोगशाला में मिल्क पाउडर का सैंपल जांच के लिए भेजा गया था। कोलकाता की लैब से भी जांच में पाउडर में डिटर्जेंट मिला होने की पुष्टि हुई और लैब से सैंपल को असुरक्षित घोषित किया गया था।

दोनों प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट आने के बाद सितंबर 2021 में खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने एसीजेएम खुर्जा की कोर्ट में वाद दायर किया था। करीब तीन साल तक वाद चलने के बाद अब दो सप्ताह पहले आयोजित लोक अदालत में वाद का निस्तारण किया गया। इस दौरान परम डेयरी के संचालक अजय निवासी यमुनापुरम ने कोर्ट में जुर्म स्वीकार किया कि उनके खिलाफ मुकदमा सही चलाया गया। अपर जज मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुमित चौधरी की कोर्ट ने अजय सिंह को न्यायालय के उठने तक के कारावास से दंडित करते हुए परम डेयरी फर्म और अजय पर 50–50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया।

खाद्य सुरक्षा के सहायक आयुक्त विनीत कुमार ने कहा कि डेयरी संचालक ने जुर्म स्वीकार करते हुए कम से कम सजा की मांग की थी। एसीजेएम कोर्ट से फर्म व उसके नॉमिनी पर 50–50 हजार का जुर्माना लगाया है। माल नष्ट कराने के लिए आदेश के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। वर्ष 2020 में तत्कालीन मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा परम डेयरी परिसर में ही सीज किए गए करीब 400 कट्टा स्किम्ड मिल्क पाउडर को कोर्ट के आदेश पर नष्ट कराया जाएगा। बताया जा रहा है कि इसके लिए कोर्ट की ओर से विभाग को फाइल भेजी जाएगी, जिसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी इसे अपनी निगरानी में इसे नष्ट कराएंगे। साथ ही यदि डेयरी संचालक द्वारा सीज माल में से कुछ माल निकाला गया होगा तो ऐसी स्थिति में कम पाए जाने वाले माल की कीमत भी डेयरी संचालक को जमा करनी होगी।

# तीन माह से लापता युवती गुफा में नागिन जैसी हरकतें करती मिली

**कोन (सोनभद्र), 31 जुलाई (एजेंसियां)।** क्षेत्र के रानीडीह स्थित गुप्ता धाम गुफा में एक युवती नागिन जैसी हरकत करती मिली। इसकी जानकारी होते ही लोगों की मौके पर भीड़ जुट गई। युवती सीमावर्ती झारखंड के करिवाडीह गांव की रहने वाली है जो तीन माह से लापता थी।

युवती की हरकतों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कोई इसे अंधविश्वास बता रहा है तो कोई इसे मानसिक रूप से अस्वस्थता का परिणाम। ग्रामीणों ने बताया कि करीब तीन माह पहले युवती गुप्ता धाम पहुंची थी।

प्रधान प्रतिनिधि से मिलकर उसने महाशिवरात्रि पर वहां लगने वाले मेले में ही अखंड कीर्तन कराने की मंशा जताई थी।

जंगल और सुनसान क्षेत्र होने के कारण ग्रामीणों ने आयोजन के लिए मना कर दिया था। इसके बाद से ही युवती लापता थी। महाशिवरात्रि के बाद लोग गुफा की ओर नहीं जाते इसलिए उसका पता भी नहीं चला। परिजन लगातार उसकी खोजबीन कर रहे थे। परिजनों के मुताबिक रविवार को वह गुफा तक आए थे लेकिन युवती नजर नहीं आई।

सोमवार को गुफा की ओर दोबारा गए तो अंदर वह नागिन की तरह हरकत करती दिखी। घटना का वीडियो वायरल होते ही आसपास के लोग गुफा की ओर पहुंचने लगे, जिससे भीड़ जमा हो गई। देर शाम परिजन युवती को अपने साथ घर ले गए।

### दिल्ली की घटना से अलर्ट लखनऊ में एक्शन

# बेसमेंट में चल रहे 20 कोचिंग सेंटर सील

**लखनऊ, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** दिल्ली की कोचिंग संस्थान में हुए हादसे से सबक लेते हुए यूपी की राजधानी लखनऊ में बेसमेंट में चल रहे अवैध बीस कोचिंग सेंटरों को सील कर दिया गया है।

आज और कल भी इससे जुड़ी कार्रवाई होगी। एलडीए ने विभिन्न क्षेत्रों में अवैध बेसमेंट में चल रहे कोचिंग सेंटरों के खिलाफ बड़े स्तर पर अभियान चलाया। 107 प्रतिष्ठानों की जांच कर इनमें से अवैध बेसमेंट में चल रहे 20 कोचिंग सेंटरों और लाइब्रेरी को सील किया गया। एलडीए का अभियान जारी रहेगा।

एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि जोनल अधिकारियों के नेतृत्व में प्रवर्तन टीम ने शहरभर में अभियान चलाया। इस दौरान बेसमेंट में चल रहे प्रतिष्ठानों के मालिकों/संचालकों से मानचित्र व निर्माण आदेश से संबंधित दस्तावेज पेश करने के लिए कहा गया। फिर इसके आधार पर कार्रवाई की गई। मानक के विपरीत बेसमेंट के निर्माण व इनमें कोचिंग संचालन की जांच का जिम्मा जोन–1 में सचिव विवेक श्रीवास्तव को, अपर सचिव ज्ञा–नेन्द्र वर्मा को जोन–2 व 3 में, संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह को जोन–4 व जोन–5 व मुख्य नगर नियोजक केके गौतम को जोन–6 व जोन–7 में सौंपा गया है।

प्रवर्तन जोन–4 की टीम ने अलीगंज में सात प्रतिष्ठानों को सील किया। इनमें स्कालर हब लाइब्रेरी, साइलेंस जोन लाइब्रेरी, प्रयास लाइब्रेरी, लक्ष्य लाइब्रेरी, स्टार लाइब्रेरी, द स्टडी प्वाइंट लाइब्रेरी एवं विजन आईएएस लाइब्रेरी शामिल थी।

ये सभी प्रतिष्ठान मानक के विपरीत बने बेसमेंट में चल रहे थे। प्रवर्तन जोन–1 की टीम ने गोमतीनगर के विराज खंड स्थित एलेन कोचिंग सेंटर व विभव खंड में एजुकेयर इंस्टीट्यूट को सील किया।

जिन कोचिंग सेंटरों और लाइब्रेरी पर कार्रवाई की गई है उनमें कपूरथला चौराहे के भाटिया कॉम्प्लेक्स के बेसमेंट में महिंद्रा कोचिंग की लाइब्रेरी। एकेटीयू चौराहे के पास कॉम्प्लेक्स के बेसमेंट में खुले फ्रॉम आई टू ब्रेन कोचिंग सेंटर। ठाकुरगंज की बसंत विहार कॉलोनी में कॉम्प्लेक्स के बेसमेंट में संचालित एकलव्य लाइब्रेरी। कानपुर रोड पर आदित्य क्लासेस, फन्डामेकर्स, आशीष क्लासेस, नीट स्कोर हाई, तुषार लाइब्रेरी और माई विजन कोचिंग सेंटर। हजरतगंज के सप्रू मार्ग पर यूएनएसएटी संस्थान व राणा प्रताप मार्ग पर विद्या पीठ कोचिंग सेंटर शामिल हैं।

एलडीए की कोचिंग सेंटरों पर कार्रवाई का खामियाजा यहां पढ़ने वाले विद्यार्थी भुगतने वाले हैं।

इनका कहना है कि प्राधिकरण ने आनन–फानन हमारी समस्या देखे बिना यह फैसला ले लिया।

अलीगंज की कोचिंग से इंजीनियरिंग की तैयारी करने वाले मऊ के वैभव जायसवाल के मुताबिक ये संस्थान काफी समय से चल रहे हैं। एलडीए ने अभी तक इनके मानक नहीं परखे। अब अचानक इन्हें सील कर दिया गया है।

यह भी नहीं सोचा कि अब हम कहां जाकर तैयारी करेंगे तथा हमारी फीस का क्या होगा? गोरखपुर निवासी श्रेया रघुवंशी के मुताबिक सेलेक्शन के आधार पर लखनऊ की कोचिंग का चयन किया था। हम पढ़ाई संबंधी गुणवत्ता को देखते हैं। भवन संबंधी मानक देखना जिनकी जिम्मेदारी है, वे इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

एलडीए बेसमेंट में सुरक्षा मानकों के खिलाफ चल रहे कोचिंग संस्थान तो बंद करा रहा है, लेकिन शहर में ऐसे प्रतिष्ठानों की भरमार है। मकान से लेकर दुकान तक सभी कुछ बेसमेंट में है। अमीनाबाद और अलीगंज में अवैध बेसमेंट की अच्छी संख्या है।

# सात नए मेडिकल कॉलेजों को मिली मंजूरी, इसी सत्र से शुरू होगी पढ़ाई

**लखनऊ, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** प्रदेश में मेडिकल एडुकेशन को सुदृढ़ करने के प्रयास में जुटी योगी सरकार को बड़ी सफलता हाथ लगी है। योगी सरकार के प्रयासों का ही नतीजा है कि नेशनल मेडिकल कमीशन, नई दिल्ली की ओर से प्रदेश के 7 नये मेडिकल कॉलेजों में इसी सत्र (वर्ष 2024–25) से एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू करने को लेकर हरी झंडी मिल गई है। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 13 नये मेडिकल कॉलेजों को मान्यता देने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से बात की थी, जिसके बाद के सात सरकारी मेडिकल कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र 2024–25 के लिए लेटर ऑफ परमीशन जारी कर दिया है। वहीं बचे हुए 6 मेडिकल कॉलेज की ओर से एनएमसी में दोबार अपील की जाएगी, विभाग की मानें तो है इन्हें भी जल्द लेटर ऑफ परमीशन प्राप्त हो जाएगा। इसके साथ ही

प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेजों में सीटों को बढ़ाने की अनुमति भी प्राप्त हुई है। इनमें सरकारी, प्राइवेट और पीपीपी मॉडल पर संचालित मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। इसके बाद प्रदेश का मेडिकल शिक्षा विभाग इस शैक्षणिक सत्र में 10 हजार 500 एमबीबीएस सीटों पर काउंसिलिंग कराने की तैयारी में जुट गया है।

मेडिकल शिक्षा विभाग की महानिदेशक किंजल सिंह ने बताया कि बिजनौर, बुलंदशहर, कुशीनगर, पीलीभीत, सुल्तानपुर, कानपुर देहात और ललितपुर के स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2024–25 के लिए लेटर ऑफ परमीशन जारी किया गया है। इन सातों मेडिकल कॉलेज में 600 एमबीबीएस सीटों पर काउंसिलिंग कराई जाएगी।

इसके अलावा आगरा और मेरठ के राजकीय मेडिकल कॉलेजों को क्रमशः 72 और 50 एमबीबीएस सीटों की वृद्धि की गई है। इसके बाद आगरा मेडिकल कॉलेज में 200 और मेरठ मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 150 सीटें हो गई हैं।

डीजीएमई किंजल सिंह के अनुसार पीपीपी मोड में संचालित शामली, महाराजगंज और संभल के मेडिकल कॉलेजों में भी क्रमशः 150, 150 और 50 एमबीबीएस सीटों के लिए शैक्षणिक सत्र 2024–25 के लिए लेटर ऑफ परमीशन प्राप्त हुआ है। वहीं निजी क्षेत्र के अंतर्गत स्थापित गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर को नेशनल मेडिकल कमीशन द्वारा इस शैक्षणिक सत्र के लिए 50 एमबीबीएस सीटों के लिए एलओपी जारी की गई है। इसी तरह हापुड़ के जीएस मेडिकल कॉलेज में इस शैक्षणिक सत्र में 100 एमबीबीएस सीटों की वृद्धि के लिए अनुमति प्राप्त हुई है। अब यहां 250 सीटें हो गई हैं।

विगत शैक्षणिक सत्र में सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कुल 3828 एमबीबीएस सीटें काउंसिलिंग के लिए उपलब्ध थीं। वहीं शैक्षणिक सत्र 2024–25 में कुल 722 सीटों की वृद्धि हुई है। अब प्रदेश में सरकार मेडिकल कॉलेजों में कुल 4550 एमबीबीएस सीटें हो गई हैं। इसके अलावा निजी क्षेत्र में अबतक 5450 सीटें थीं। इसमें 150 सीटों की वृद्धि हुई है। अब निजी मेडिकल कॉलेजों में 5600 एमबीबीएस सीटें हो गई हैं। वहीं पीपीपी मोड पर संचालित 3 नये मेडिकल कॉलेजों में 350 सीटें काउंसिलिंग के लिए उपलब्ध है। वर्तमान में प्रदेश में सरकारी, निजी और पीपीपी मोड में संचालित मेडिकल कॉलेजों में 10,500 सीटों पर काउंसिलिंग कराई जाएगी। महानिदेशक ने बताया कि बचे हुए कुछ राजकीय मेडिकल कॉलेज में शैक्षणिक सत्र संचालित करने के लिए नेशनल मेडिकल कमीशन में फिर से अपील दाखिल की जाएगी।

# यूपी की तीन लाख निराश्रित महिला पेंशनर का डाटा गायब

**कानपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** आधार प्रमाणीकरण एजेंसी के सर्वर से पेंशनर निराश्रित महिलाओं का डाटा गायब हो गया।

प्रदेश की तीन लाख निराश्रित महिला पेंशनर का डाटा रीस्टोर नहीं हो सका। इसमें जिले की 2097 निराश्रित महिला पेंशनर का डाटा शामिल है। इसकी वजह से जुलाई में शासन से भेजी गई पेंशन का लाभार्थियों को भुगतान नहीं हो सकी है।

महिला कल्याण विभाग से पति की मृत्यु के बाद निराश्रित महिलाओं को पेंशन दी जाती है। प्रति तीन माह में धनराशि लाभार्थी को जारी होती है। आधार प्रमाणीकरण एकाउंट माध्यम से यह धनराशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भुगतान की व्यवस्था है। आधार प्रमाणीकरण एकाउंट माध्यम वर्ष 2023–24 से लागू हुआ है। निदेशालय स्तर पर आधार प्रमाणीकरण कार्य श्रीट्रॉन इंडिया लिमिटेड करा रहा है। पिछले दिनों आधार प्रमाणीकरण एजेंसी के सर्वर पर साइबर अटैक से प्रदेश के तीन लाख निराश्रित महिला पेंशनर का डाटा उड़ गया। तकनीकी टीम व आईटी इंजीनियरों के प्रयास के बाद भी यह डाटा रिकवर नहीं किया जा सका है।

इसमें कानपुर देहात के 2097 लाभार्थियों का डाटा शामिल हैं। इसको लेकर अब इन लाभार्थियों को खुद का आधार प्रमाणीकरण जनसेवा केंद्र से कराना होगा। जुलाई में भेजी गई तीन माह की पेंशन की किस्त भी इन लाभार्थियों को भुगतान नहीं हुआ है। इससे लाभार्थी परेशान हैं। अब आधार प्रमाणीकरण दोबारा कराने की भागदौड़ भी करनी होगी। जिला प्रोबेशन अधिकारी रेणू यादव ने बताया कि निदेशालय स्तर पर आधार प्रमाणीकरण करा रही एजेंसी के सर्वर पर साइबर अटैक से निराश्रित महिला पेंशनर का डाटा विलुप्त होने की स्थिति की जानकारी मिली है।

प्रदेश में करीब तीन लाख निराश्रित महिला पेंशनर का डाटा प्रभावित हुआ है। इसमें जिले की 2097 लाभार्थी निराश्रित महिलाएं शामिल हैं।

दोबारा आधार प्रमाणीकरण के लिए सूची समेत संबंधित बीडीओ व एसडीएम को पत्र भेजा गया है। दूसरी तरफ कानपुर देहात के जिलाधिकारी आलोक सिंह ने कहा, आधार प्रमाणीकरण एकाउंट माध्यम से निराश्रित महिलाओं को पेंशन भुगतान होता है। साइबर अटैक से जिले की 2097 लाभार्थी का डाटा विलुप्त हुआ है। दोबारा आधार प्रमाणीकरण के लिए सभी बीडीओ व एसडीएम को निर्देश दिए गए हैं।

संपादकीय

# 'विकसित' अभी सपना है

वर्ष 2047 तक भारत को 'विकसित देश' के रूप में देखना फिलहाल एक सुखद सपना है। किसी वर्ग के लिए यह संकल्प और महत्वाकांक्षा भी है। कोई स्वतंत्र देश 100 साल में ही 'विकसित' श्रेणी में आ जाए, यह बेहद दुर्लभ लक्ष्य है। लक्ष्य दुर्लभ ही हुआ करते हैं। यह अभियान प्रधानमंत्री मोदी ने ही शुरू किया था और उसे निरंतर भी बनाए रखा। अब तो नीति आयोग के स्तर पर 'दृष्टिकोण पत्र' भी बना लिया गया है। उसमें दो लक्ष्य फिलहाल असाध्य लगते हैं। एक, देश की प्रति व्यक्ति आय 15 लाख रुपए सालाना तक पहुंचाना। दूसरा, 'गरीबी मुक्त गांव' बनाना। यानी जिस गांव में कोई गरीब न हो और गरीबी के हालात भी न हों। फिलहाल देश की प्रति व्यक्ति आय औसतन 2 लाख रुपए सालाना है। कुछ 1.75 लाख रुपए के करीब मानते हैं। यानी 7-8 गुना आमदनी बढ़ानी होगी। आकलन है कि 2047 तक देश की जीडीपी 30 ट्रिलियन डॉलर होनी चाहिए। फिलहाल भारत की जीडीपी करीब 3.75 ट्रिलियन डॉलर है। यानी 8-9 गुना जीडीपी बढ़ानी होगी। यह उस देश के संदर्भ में असंभव-सा लगता है, जिसके 80 करोड़ से अधिक लोगों को 'मुफ्त अन्न' बांटा जा रहा है। जहां अब भी 20-22 करोड़ लोग गरीबी-रेखा के तले जीने को अभिशप्त हैं। यह संभव हो सकता है कि अंबानी, अडानी सरीखे उद्योगपतियों की आय के आधार पर जीडीपी का आकलन किया जाए। अधिकांश भारतीय गरीब हैं अथवा निम्न मध्यवर्गीय हैं। उनकी आमदनी 'कुबेरपतियों' की आय के किसी विशेष मद के मद्देनजर मान ली जाए। भारत की आर्थिक असमानता बेनकाब न हो और 5 ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य भी हासिल कर लिया जाए। दरअसल भारत का गांव आज भी जर्जर और बेहाल है। कुछ गांवों को चमका दिया जाता है, लेकिन उस 'चमकदार परत' के नीचे का यथार्थ क्या है, शायद नीति आयोग भी नहीं जानता। 'दृष्टिकोण पत्र' में उल्लेख किया गया है कि गरीबी मिटाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें मिल कर 24 घंटे 7 दिन शुद्ध पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और बिजली की उपलब्धता पर काम करें। युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और उद्यमी बनाने के लिए उन्हें कौशल विकास के प्रशिक्षण देने सहित अन्य कदम उठाए जाएं। हमारी सलाह है कि प्रधानमंत्री, उनकी सरकार, सत्तारूढ़ी मुख्यमंत्री और नीति आयोग की अलग-अलग गंभीर समितियां बनाई जाएं। वे आम आदमी की तरह राजधानी दिल्ली के ही ग्रामीण और गरीब इलाकों के सर्वेक्षण कर लें। देश का यथार्थ सामने आ जाएगा कि 'विकसित' वाला दर्जा हासिल करना कितनी दूर है? बेशक पंजाब के 97 फीसदी से ज्यादा घरों तक पेयजल उपलब्ध है और इस संदर्भ में वह प्रथम स्थान पर है, लेकिन 33.5 फीसदी पेयजल की स्थिति के साथ बिहार सबसे नीचे है। 2022 में भारत में 61.5 फीसदी ग्रामीण आबादी को पाइप जल आपूर्ति के जरिए अपेक्षाकृत सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल मिल रहा था। आज कुछ स्थिति सुधरी होगी! नीति आयोग ने भी इसी गर्मियों में, राजधानी दिल्ली के विभिन्न इलाकों में, पानी के लिए तरसती, लड़ती और आक्रोशित आबादी को देखा होगा! देश के पिछड़े, अनधिकृत और गरीब इलाकों में सामान्य पानी की उपलब्धता की कल्पना की जा सकती है। देश के जीडीपी का कितना फीसदी हिस्सा भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च किया जा रहा है, नीति आयोग केवल बजट के आवंटनों को ही देख ले। 'दृष्टिकोण पत्र' में 'विकसित भारत' के सामाजिक संकेतकों का भी आकलन किया गया है। मसलन-2047 में भारतीयों की औसत आयु 84 साल होगी। अभी यह उम्र 71 साल है। कुल प्रजनन दर तब गिर कर 1.8 रहनी चाहिए, जो अभी 2.03 है। इसके मायने ये नहीं हैं कि देश की आबादी कम होगी। हमारी आबादी तब 165 करोड़ के करीब होगी। उसमें 112 करोड़ लोग कामकाजी आयु वर्ग के होंगे। इतनी आबादी को रोजगार और नौकरी मुहैया कराने के संसाधन कितने होंगे, क्या इस पक्ष पर विचार किया जा रहा है? जिस तरह कुछ मुख्यमंत्रियों ने नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार किया, उससे सवाल उठते हैं कि केंद्र और राज्यों में सामंजस्य कैसे होगा, नीति क्रियान्वयन कैसे होगा व निवेश कैसे बढ़ेगा।

> स्वतंत्र देश 100 साल में ही 'विकसित' श्रेणी में आ जाए, यह बेहद दुर्लभ लक्ष्य है। लक्ष्य दुर्लभ ही हुआ करते हैं। यह अभियान प्रधानमंत्री मोदी ने ही शुरू किया था और उसे निरंतर भी बनाए रखा। अब तो नीति आयोग के स्तर पर 'दृष्टिकोण पत्र' भी बना लिया गया है। उसमें दो लक्ष्य फिलहाल असाध्य लगते हैं। एक, देश की प्रति व्यक्ति आय 15 लाख रुपए सालाना तक पहुंचाना। दूसरा, 'गरीबी मुक्त गांव' बनाना। यानी जिस गांव में कोई गरीब न हो और गरीबी के हालात भी न हों। फिलहाल देश की प्रति व्यक्ति आय औसतन 2 लाख रुपए सालाना है। कुछ 1.75 लाख रुपए के करीब मानते हैं। यानी 7-8 गुना आमदनी बढ़ानी होगी। आकलन है कि 2047 तक देश की जीडीपी 30 ट्रिलियन डॉलर होनी चाहिए। फिलहाल भारत की जीडीपी करीब 3.75 ट्रिलियन डॉलर है। यानी 8-9 गुना जीडीपी बढ़ानी होगी। यह उस देश के संदर्भ में असंभव-सा लगता है, जिसके 80 करोड़ से अधिक लोगों को 'मुफ्त अन्न' बांटा जा रहा है।

### नई मांग का निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं, डिजिटल शिक्षा, ग्रीन एनर्जी पर खर्च बढ़ाने के बेहतर प्रावधानों से सजाया है

# विवेक और साहस से परिपूर्ण नया बजट

डा. जयंती लाल भंडारी

> अमृतकाल के इस ऐतिहासिक बजट में 7 प्रतिशत विकास दर का लक्ष्य रखते हुए विकसित भारत के लिए नौ प्राथमिकताओं को रेखांकित किया गया है। बजट के इन नवरंगों में कृषि उत्पादकता, रोजगार व कौशल, समावेशी मानव संसाधन विकास व सामाजिक न्याय, विनिर्माण विकास एवं सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचा तथा अनुसंधान व नवाचार एवं अगली पीढ़ी के सुधार शामिल हैं।

यकीनन वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा 23 जुलाई को पेश किए गए वर्ष 2024-25 के बजट की तस्वीर में दिखाई दे रहा है कि यह बजट विवेक और साहस से परिपूर्ण बजट है। यह बजट विकसित भारत के सपने को मजबूती देने वाला बजट है। अमृतकाल के इस ऐतिहासिक बजट में 7 प्रतिशत विकास दर का लक्ष्य रखते हुए विकसित भारत के लिए नौ प्राथमिकताओं को रेखांकित किया गया है। बजट के इन नवरंगों में कृषि उत्पादकता, रोजगार व कौशल, समावेशी मानव संसाधन विकास व सामाजिक न्याय, विनिर्माण विकास एवं सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचा तथा अनुसंधान व नवाचार एवं अगली पीढ़ी के सुधार शामिल हैं। जहां वित्तमंत्री सीतारमण ने उद्योग-कारोबार, श्रम, कृषि, एमएसएमई, टैक्सेशन, शिक्षा, स्वास्थ्य, उपभोक्ता, आधारभूत ढांचा, वित्त क्षेत्र सहित बजट से संबंधित विभिन्न पक्षों के लिए अभूतपूर्व आवंटन किए हैं तथा महंगाई नियंत्रण के उपाय सुनिश्चित किए हैं, वहीं राजस्व घाटा 1.8 फीसदी तथा राजकोषीय घाटा भी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.9 फीसदी तक सीमित रखने में सुझबूझ व चतुराई दिखाई है। खास बात यह भी है कि नए बजट में बुनियादी ढांचे के लिए 11 लाख करोड़ रुपए से अधिक रखे गए हैं, जो कि जीडीपी का 3.4 फीसदी है। इस पूंजीगत व्यय से रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे। वस्तुतः यह बजट नई गठबंधन सरकार की नीतियों और भविष्य के दृष्टिकोण के लिहाज से बहुत ही प्रभावी दस्तावेज है। वर्ष 2024-25 का बजट प्रस्तुत करते हुए जहां वित्तमंत्री की एक मुट्ठी आम आदमी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सौगातों की झड़ी लगाते हुए दिखाई दी, वहीं उनकी दूसरी मुट्ठी आर्थिक सुधारों और नए दौर की वैश्विक जरूरतों से संबंधी प्रावधानों के लिए खुलते हुए दिखाई दी। इसमें कोई दोमत नहीं है कि वित्तमंत्री ने नए बजट को बहुआयामी गरीबी में कमी, महिलाओं और युवाओं के विकास, रोजगार वृद्धि, कृषि और किसान हितों, बुनियादी ढांचे की मजबूती, उद्योग-कारोबार की गतिशीलता, रोजगार के नए अवसर, महंगाई पर नियंत्रण, नई मांग का निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं, डिजिटल शिक्षा, ग्रीन एनर्जी पर खर्च बढ़ाने के बेहतर प्रावधानों से सजाया है। निश्चित रूप से वित्तमंत्री ने आर्थिक तथा सामाजिक मोर्चे पर बड़े ऐलान किए हैं। नए बजट में 22 जुलाई को पेश आर्थिक समीक्षा के तहत बताई गई हर साल 80 लाख नौकरियों की दरकार के मद्देनजर निजी क्षेत्र

और गैर कृषि क्षेत्र के तहत नई नौकरियों और कौशल विकास की व्यवस्था सुनिश्चित की है। ऐसी नौकरियों के लिए उत्पादन प्रोत्साहन संबद्ध (पीएलआई), मित्र टैक्सटाइल योजना, मुद्रा योजना, केयर इकोनॉमी क्षेत्रों की पहचान की गई है। वित्तमंत्री ने 5 सालों में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल व अन्य अवसरों की सुविधा के लिए पांच योजनाओं के प्रधानमंत्री रोजगार पैकेज की व्यवस्था सुनिश्चित की है। एक करोड़ युवाओं को 500 बड़ी कंपनियों में इंटर्नशिप सुनिश्चित की जाएगी तथा प्रत्येक छात्र को 5000 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जाएगा। मुद्रा योजना के तहत रोजगार के लिए ऋण की सीमा दोगुनी कर 20 लाख रुपए तक बढ़ाई गई है। एक लाख ऐसे छात्रों को उनके अध्ययन के लिए 10 लाख रुपए तक का ऋण दिया जा सकेगा, जो अन्य कोई शासकीय सहायता का लाभ नहीं ले रहे हैं। निश्चित रूप से वित्तमंत्री सीतारमण ने वर्ष 2024-25 के बजट के तहत किसानों के कल्याण और कृषि को विकास का इंजन बनाने की रणनीति के तहत किसानों के हित में कृषि व ग्रामीण क्षेत्र की क्षमता के दोहन के लिए अभूतपूर्व कदम आगे बढ़ाए हैं। वित्तमंत्री ने इस बजट के माध्यम से कृषि सेक्टर के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपए और ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपए सुनिश्चित किए हैं। नए बजट के तहत सरकार कृषि और ग्रामीण विकास पर प्रभावी खर्च बढ़ाते हुए दिखाई दी है। कृषि की विकास दर बढ़ाने, कृषि क्षेत्र की योजनाओं को तर्कसंगत बनाने और कृषि सुधारों को व्यापक प्रोत्साहन सुनिश्चित किए गए हैं। कृषि के बुनियादी ढांचे और कृषि के मशीनीकरण की दिशा में संरचनात्मक सुधार लाने के प्रभावी कदम भी नए बजट में हैं।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत देश के 80 करोड़ से अधिक गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को दिए जाने वाले निशुल्क अनाज के मद्देनजर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को पांच साल के लिए बढ़ाया गया है। नए बजट में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए राज्यों को जिला और राज्य कृषि योजनाओं के विकास हेतु आवंटन बढ़ा है। पांच राज्यों में जनसमर्थन आधारित क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे। कृषि शोध पर आवंटन बढ़ाया गया है। नए बजट के तहत प्राकृतिक खेती पर भारी प्रोत्साहन सुनिश्चित किए गए हैं और आगामी दो वर्षों में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। मौसम की मार के कारण खराब होने वाली फसलों के लिए समर्थन राशि बढ़ाई जाने से कृषि को नया प्रोत्साहन मिलेगा। जिन ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं, सरकार ने उनकी भी सहायता बढ़ाई है। निःसंदेह नए बजट के तहत एक लाख करोड़ रुपए के शोध कोष से निजी क्षेत्र में अनुसंधान व नवाचार को व्यापक बढ़ावा मिलेगा। वर्ष 2024-25 के बजट से निर्यात और विदेशी निवेश में वृद्धि, बाजारों में उपभोक्ता मांग में तेजी, विनिर्माण और सर्विस क्षेत्र में बड़ा सुधार दिखाई देगा। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को प्रोत्साहनमूलक राहत दी गई है। एमएसएमई इकाइयों को क्रेडिट गारंटी योजना के तहत टर्म लोन देने के लिए 100 करोड़ रुपए तक का प्रावधान सुनिश्चित किया गया है।

वित्तमंत्री सीतारमण ने जहां आयकर की पुरानी रिजीम में कोई बदलाव नहीं किया है, वहीं नई रिजीम के तहत करदाताओं को राहतों से लाभान्वित किया है। नई कर व्यवस्था में 3 लाख रुपए तक की कमाई कर मुक्त है। 3 से 7 लाख पर 5 फीसदी, 7 से 10 लाख पर 10 फीसदी, 10 से 12 लाख पर 15 फीसदी, 12 से 15 लाख पर 20 फीसदी, 15 लाख से अधिक पर 30 फीसदी टैक्स का प्रावधान सुनिश्चित किया गया है। खासतौर से वेतनभोगी वर्ग के लिए मानक कटौती (स्टैंडर्ड डिडक्शन) सीमा को 50000 रुपए से बढ़ाकर 75 हजार रुपए किया गया है। इससे करीब 4 करोड़ वेतनभोगियों व पेंशनभोगियों को लाभ होगा। निश्चित रूप से वित्तमंत्री सीतारमण ने 7 फीसदी से अधिक विकास दर का लक्ष्य रखते हुए तथा राजकोषीय घाटे को जीडीपी के करीब 4.9 फीसदी तक सीमित रखते हुए अर्थव्यवस्था को गतिशील करने, रोजगार अवसरों को बढ़ाने तथा विभिन्न वर्गों को राहत देने के लिए आर्थिक प्रोत्साहनों से सजा-धजा वर्ष 2024-25 का अभूतपूर्व बजट प्रस्तुत किया है।

दृष्टिकोण

# माइक बंद करने का आरोप लगाने वाले विपक्षी नेता दूसरों के बोलने का अवसर क्यों छीनना चाहते हैं?

नीति आयोग की बैठक का विपक्ष शासित राज्यों के तमाम मुख्यमंत्रियों ने बहिष्कार किया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बैठक का बहिष्कार तो नहीं किया लेकिन इसमें शामिल होने से पहले ही उन्होंने यह ऐलान कर दिया था कि वह विरोध जताकर आयेंगी। ऐसा उन्होंने किया भी। उन्होंने आरोप लगाया कि बैठक के दौरान उनका माइक बंद कर दिया गया। देखा जाये तो विपक्ष के नेता आजकल माइक बंद करने का आरोप धड़ल्ले से लगा रहे हैं। लेकिन उन्हें समझना होगा कि संसद की कार्यवाही हो या अन्य कोई सरकारी बैठक, उसमें भाग लेने वालों के लिए कुछ नियम हैं। सबके लिए समय आवंटित करने और कौन कितना समय बोलेगा इसका निर्धारण करने के लिए भी पहले से नियम बने हुए हैं। यदि कोई निर्धारित अवधि से ज्यादा समय बोलेगा तो जाहिर है कि यह दूसरों के अधिकारों का हनन होगा। देखा जाये तो नीति आयोग की बैठक को लेकर ममता बनर्जी भले कुछ भी आरोप लगायें, मगर सच यह है कि उनके आग्रह पर उन्हें उनके निर्धारित समय से पहले ही बोलने का अवसर दिया गया। उनके भाषण का समय खत्म होने का इशारा घड़ी ने किया और भाषण खत्म करने का संकेत देने वाली बेल भी उनके लिए नहीं बजायी गयी। इसके अलावा, जो मुख्यमंत्री अपने राज्य के साथ भेदभाव करने का केंद्र पर आरोप लगा रहे हैं यदि वह यूपीए और एनडीए शासन के दौरान अपने राज्य को मिली केंद्रीय मदद पर एक श्वेतपत्र ले आयें तो हकीकत उन्हें भी पता चल जायेगी और सारी स्थिति जनता के समक्ष भी आ जायेगी। केंद्र पर अपने राज्य से भेदभाव का आरोप लगाने वाले मुख्यमंत्रियों को यह भी बताना चाहिए कि उनकी किन मांगों को अनसुना कर दिया गया? इन मुख्यमंत्रियों को यह भी बताना चाहिए कि अपने राज्य की

आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए उन्होंने क्या-क्या कदम उठाये और उनका क्या परिणाम रहा? वैसे, ममता बनर्जी ने बैठक से बीच में ही बाहर आकर जो आरोप लगाये हैं उससे यह भी प्रदर्शित होता है कि यह सब इंडिया गठबंधन के नेताओं की सोची समझी रणनीति के तहत उठाया गया कदम था। दरअसल विपक्ष शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने जब नीति आयोग की बैठक के बहिष्कार का निर्णय किया था तब उन राज्यों में विपक्ष और जनता ने सवाल उठाया था कि जब प्रधानमंत्री के समक्ष अपने राज्य की मांगों को सीधा रखने का अवसर मिला है तो उसका लाभ क्यों नहीं उठाया जा रहा? ऐसे में इंडिया गठबंधन में शामिल मुख्यमंत्रियों ने अपने प्रदेश की जनता की नजरों में नीति आयोग की बैठक के बहिष्कार के निर्णय को सही ठहराने के लिए ममता बनर्जी को भेजा। ममता बनर्जी से गलती सिर्फ इतनी हो गयी कि उन्होंने पहले ही कह दिया था कि वह बैठक में विरोध जताएंगी। इसलिए जब वह बाहर आकर केंद्र सरकार पर आरोपों की बौछार कर रहीं हैं तो किसी को यकीन नहीं हो रहा। वैसे रणनीति के मुताबिक, विपक्ष ने पहले ही तैयारी कर रखी थी कि ममता बनर्जी के अपमान का आरोप लगाकर हंगामा खड़ा किया जायेगा। इसलिए संसद के वर्तमान सत्र के दौरान विपक्ष का और उग्र रूप देखने को मिल सकता है। बहरहाल, यह साफ प्रदर्शित हो रहा है कि इस बार के लोकसभा चुनावों में जनता ने विपक्ष को जो ताकत दी है उसका वह सदुपयोग नहीं कर पा रहा है। सिर्फ हंगामे की राजनीति और सरकार को अपनी ताकत दिखाने का खेल चल रहा है।

कुछ अलग

# भारत की ओलंपिक उम्मीदें

फ्रांस की राजधानी पेरिस में 53वें ओलंपिक खेलों का आगाज हो गया। 'प्रेम की नगरी' में ये खेल 11 अगस्त तक खेले जाएंगे और समन्वय, सौहार्द और स्नेह के असंख्य उदाहरण पेश किए जा सकते हैं। दुनिया के 206 देशों के 10,714 खिलाड़ी ओलंपिक में शिरकत करेंगे। उनमें से भारत के 117 खिलाड़ी 16 खेलों और 69 इवेंट्स में पदक और राष्ट्र के सम्मान के लिए जूझेंगे। करीब 100 साल पहले 1924 में भी पेरिस में ओलंपिक खेलों का आयोजन किया गया था, जिसमें पहली बार भारतीय दल ने अधिकृत तौर पर भाग लिया था। भारत की पहली महिला खिलाड़ी ने भी उसी ओलंपिक में हिस्सा लिया था। इतिहास उसी को दोहरा रहा है, लेकिन आज भारत एक स्वतंत्र और संप्रभु देश है। विश्व की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। खिलाडियों के हुनर को तराशने और विश्वस्तरीय बनाने के मद्देनजर भारत ने खिलाडियों पर 470 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। सबसे ज्यादा 96 करोड़ रुपए एथलेटिक्स पर खर्च किए गए हैं, लिहाजा पदकों की उम्मीदें भी देश कर रहा है। बैडमिंटन में दो बार ओलंपिक पदकवीर पीवी सिंधु और 5वीं बार ओलंपिक खेल रहे, 42 वर्षीय, टेबल टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी शरथ कमल भारतीय खिलाड़ी दल के ध्वजवाहक बने। यह भी राष्ट्रीय सम्मान है। इस बार सबसे अधिक खिलाडियों ने ओलंपिक की पात्रता हासिल की है, लिहाजा सबसे अधिक खिलाड़ी भेजे गए हैं। भारतीय दल में कई विश्व चैम्पियन खिलाड़ी हैं-नीरज चोपड़ा (भाला फेंक), निकहत जरीन (मुक्केबाजी), अंतिम पंघाल (कुश्ती) और मनु भाकर (निशानेबाजी) आदि। कुछ ऐसे खिलाड़ी भी हैं, जिन्होंने विश्व स्तर पर कीर्तिमान स्थापित किए हैं-सात्विक चिराग की जोड़ी, लक्ष्य सेन, सिंधु (सभी बैडमिंटन खिलाड़ी), विनेश फोगाट (कुश्ती), मीराबाई चानू (भारोत्तोलन) और पुरुष हॉकी टीम। काश! शतरंज और क्रिकेट भी ओलंपिक खेलों में शामिल होते, तो उनके खिलाड़ी भी विश्वस्तरीय श्रेणी में गिने जाते! भारत में खेल मंत्रालय का बजट 3442 करोड़ रुपए तय किया गया है। यह देश के जीडीपी का मात्र 0.01 फीसदी से भी कम है। पश्चिम में कई विकसित देश खेलों पर 0.2 फीसदी से 0.6 फीसदी तक खर्च करते हैं। भारत में प्रति नागरिक औसतन 25 रुपए खेल पर खर्च किए जा रहे हैं। इसके बावजूद भारत की उम्मीद है कि इस बार उसके खिलाड़ी पदकों की दहाई पार करेंगे। 2004 में ब्राजील ने 10 पदक जीत कर अपना लक्ष्य हासिल किया था। भारत ने टोक्यो ओलंपिक में एक स्वर्ण पदक समेत 6 पदक जीते थे। देश के लिए वह महान उपलब्धि थी, क्योंकि अधिकतर खेल मुकाबलों में भारत पदकहीन ही रहता आया है। इस बार एथलेटिक्स, हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, निशानेबाजी आदि खेलों में पदकीय जीत की उम्मीदें कर सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन खेलों के खिलाड़ियों ने विश्व चैम्पियन टीमों और खिलाड़ियों को भी मात दी है। दुर्भाग्य और विडंबना है कि टोक्यो ओलंपिक में हॉकी की जिस महिला टीम ने चौथा स्थान हासिल किया था, वह पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई भी नहीं कर पाई। यह खेल और प्रशिक्षण के हरेक स्तर की अयोग्यता है। भारोत्तोलन में कोई भी पुरुष खिलाड़ी ओलंपिक का पात्र नहीं समझा गया। महिला वर्ग में भी मीराबाई चानू अकेली ही दायित्व उठा रही है। उनके बाद कोई भी दूसरी महिला खिलाड़ी ओलंपिक के स्तर की नहीं है। जिम्नास्टिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व शून्य है। तलवारबाजी में भवानी देवी का कोई भी उत्तराधिकारी नहीं है और पुरुष पहलवान भी एक रह गया है।

देश दुनिया से

# बेहतर पोषण से कारगर होती टीबी खात्मे की मुहिम

> हमारे देश में कुपोषण की जड़ों पर प्रहार कर टीबी को मात देने के सराहनीय प्रयास हो रहे हैं, जिनके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। यह कोई छुपी हुई बात नहीं है कि टीबी फैलने के कारणों में एक बड़ा कारण गरीबी है और टीबी से मौत की वजह रोगी का कुपोषित होना है। यानी लोग पर्याप्त पोषण के अभाव में रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण टीबी की चपेट में आ रहे हैं। कई लोग टीबी ग्रस्त होने के बाद पोषण न मिलने से मर जाते हैं। गरीब लोग सुचारू रूप से इलाज भी नहीं करवा पाते, वे अच्छा पोषण कहां से ले सकते हैं।

टीबी की बीमारी को खत्म करने के लिए दुनिया भर में व्यापक प्रयास हो रहे हैं। भारत में टीबी एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या है जिसके खात्मे के लिए 2025 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एक सामाजिक बीमारी के रूप में टीबी के फैलने के लिए गंदी बस्तियों, अस्वच्छ घुटन भरे अंधेरे मकानों में निवास, भीड़भाड़ में रहने, असुरक्षित कार्यस्थलों में काम करने, इलाज में लापरवाही, अंधविश्वास आदि को जिम्मेदार माना जाता है, लेकिन इसके साथ-साथ गरीबी एवं कुपोषण भी ऐसे कारक हैं, जो टीबी के प्रसार में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। हमारे देश में कुपोषण की जड़ों पर प्रहार कर टीबी को मात देने के सराहनीय प्रयास हो रहे हैं, जिनके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। यह कोई छुपी हुई बात नहीं है कि टीबी फैलने के कारणों में एक बड़ा कारण गरीबी है और टीबी से मौत की वजह रोगी का कुपोषित होना है। यानी लोग पर्याप्त पोषण के अभाव में रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण टीबी की चपेट में आ रहे हैं। कई लोग टीबी ग्रस्त होने के बाद पोषण न मिलने से मर जाते हैं। गरीब लोग सुचारू रूप से इलाज भी नहीं करवा पाते, वे अच्छा पोषण कहां से ले सकते हैं। अभी भी कुपोषण टीबी की बड़ी वजह बना हुआ है, लेकिन पिछले छह सालों में, जब से टीबी रोगियों में कुपोषण की समस्या से निपटने के प्रयास शुरू हुए हैं, टीबी के खात्मे की मुहिम और भी कारगर हो चली है। इसका श्रेय निश्चय ही सरकार और सरकार की पहल कर टीबी रोगियों के लिए अच्छे पोषण की व्यवस्था करने के लिए आगे आ रहे देशवासियों को है। सरकार ने कुपोषण की समस्या के समाधान के लिए अप्रैल 2018 में निक्षय पोषण योजना का आगाज किया, जो प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में एक उत्कृष्ट पहल साबित हुई है। इसके तहत प्रत्येक टीबी रोगी को उपचार की पूरी अवधि के लिए 500 रुपए प्रति माह पोषण के लिए दिए जा रहे हैं। यह राशि बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन बीमारी को झेल रहे एक गरीब व्यक्ति के लिए यकीनन संबल बन रही है। इसी तरह का एक और सकारात्मक कदम सरकार की पहल पर 19 सितंबर 2022 को शुरू की गई निक्षय मित्र योजना है। निक्षय मित्र योजना एक तरह से टीबी रोग से पीड़ित लोगों को गोद लेने की योजना है। इसके तहत कोई भी नागरिक, जन प्रतिनिधि, राजनीतिक दल, गैर सरकारी संस्थान, कॉर्पोरेट संस्थान टीबी के मरीज को गोद ले सकता है। इस अभियान के तहत व्यवस्था की गई है कि निक्षय मित्र बनने वाला व्यक्ति अथवा संस्था कम से कम एक साल और अधिक से अधिक तीन साल के लिए किसी गांव, वार्ड, पंचायत, ब्लॉक या जिले के किसी टीबी रोगी या रोगियों को गोद लेकर उन्हें भोजन, पोषण, आजीविका के स्तर पर जरूरी मदद उपलब्ध करा सकते हैं। आम तौर पर सरकार की पहल पर शुरू की जाने वाली योजनाओं को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाती है, लेकिन खुशी का विषय है कि समूचे देश के लोग सामाजिक दायित्व के तहत निक्षय मित्र योजना से जुडक़र देश को टीबी मुक्त करने में योगदान दे रहे हैं। निक्षय मित्र योजना को शुरू हुए पौने दो साल हो चुके हैं। ताजा आंकड़ों के अनुसार देश में 13 लाख 55 हजार 600 रोगियों का उपचार चल रहा है, इनमें से दस लाख 10 हजार 66 रोगियों ने समुदाय से सहायता पाने की सहमति दी है और उन्हें पोषण उपलब्ध कराने के लिए दस लाख 4 हजार 679 लोग संकल्प ले चुके हैं। संकल्प ले चुके लोगों में से एक लाख साठ हजार 997 लोग निक्षय पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराकर रोगियों को बेहतर पोषण उपलब्ध करवा रहे हैं। राजस्थान में लोग निक्षय मित्र के रूप में मदद के लिए तेजी से आगे आ रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार राज्य में इस समय 80 हजार 611 रोगियों का उपचार चल रहा है, इनमें से 61 हजार 729 रोगियों ने समुदाय से सहायता पाने की सहमति दी है और उन्हें पोषण उपलब्ध कराने के लिए इतने ही लोग संकल्प ले चुके हैं। संकल्प ले चुके लोगों में से सात हजार 946 लोग निक्षय पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराकर रोगियों को बेहतर पोषण उपलब्ध करवा रहे हैं। राज्य में विभिन्न गैर सरकारी संगठनों, व्यक्तिगत परोपकारी लोगों और निर्वाचित प्रतिनिधियों ने भी मासिक भोजन किट प्रदान करने के लिए रोगियों को गोद लिया है। हनुमानगढ़ जिले की स्थिति पर नजर डाली जाए तो आंकड़ों के अनुसार जिले में इस समय 2382 रोगियों का उपचार चल रहा है। इनमें से 1807 रोगियों ने समुदाय से सहायता पाने की सहमति दी है और उन्हें पोषण उपलब्ध कराने के लिए इतने ही लोग संकल्प ले चुके हैं। संकल्प ले चुके लोगों में से 557 लोग निक्षय पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराकर रोगियों को बेहतर पोषण उपलब्ध करवाने में जुटे हैं। संगरिया के निकट ढाबां गांव की सरपंच सिमरजीत कौर व उनके एनआरआई बेटे डॉ. प्रीतपाल सिंह संगरिया तहसील के सभी टीबी रोगियों को बेहतर पोषण पहुंचा रहे हैं। रोड़ावाली के पूर्व सरपंच नूर नबी भाटी भी यह पुण्य कार्य कर रहे हैं।

आप का नजरिया

# विजन की खिड़कियां

दो कदम अगर केंद्र आगे बढ़े, तो हिमाचल चार कदम चल सकता है। इन्हीं कदमों से कई पहाड़ लांघते हुए कभी इंदिरा गांधी ने पूर्ण राज्यत्व का दर्जा दिया, कभी नरसिंहा राव ने बिजली की मुफ्त रॉयल्टी, तो अटल बिहारी वाजपेयी ने औद्योगिक पैकेज दिया। मोदी सरकार ने बल्क ड्रग पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क देकर एक संदेश दिया, लेकिन योजनाओं-परियोजनाओं की निरंतरता में बजट का मानसून भी इस बार मौसम की तरह सूखा व रुखा है। हिमाचल में दो सरकारों का राजनीतिक बंटवारा जिस मुस्तैदी, समझ व नागरिक जागरूकता से हुआ है, वहां भाजपा के केंद्र को यह नहीं भूलना चाहिए कि लोकसभा व राज्यसभा के चुनावों में पर्वतीय प्रदेश ने अपना सर्वस्व सौंप कर जो अर्जियां भेजीं थीं, उनके मजमून में इल्तिजा थी। बेशक अब स्पष्टीकरण के चुंबक रेलवे के आश्वासनों से चस्पां हैं, लेकिन केंद्र सरकार का बजट हमारे लिए बोला कब और हमारे जनप्रतिनिधियों ने कहा किससे। देखना यह होगा कि जिन्हें जनता उम्मीदों के साथ दिल्ली भेजती है, उनसे यह अपेक्षा तो करती ही है कि वे पहाड़ की अस्मिता के लिए संसद में सशक्त पक्ष रखें। बहरहाल कांगड़ा के नवनिर्वाचित लोकसभा सांसद डा. राजीव भारद्वाज का वक्तव्य सामने आया है। सांसद भारद्वाज कांगड़ा-चंबा के लिए दो ट्रॉमा सेंटर, पौंग बांध बैकवाटर टूरिज्म, धार्मिक कोरिडोर, पठानकोट-जोगिंद्रनगर ब्रॉडगेज रेल लाइन तथा धर्मशाला में रोप-वे सिस्टम की मांग कर रहे हैं। कहने में इन परियोजनाओं में कुछ और इजाफा हो सकता है, लेकिन इस क्षेत्र में राज्य व केंद्र के संबंधों की हरियाली तो कांगड़ा एयरपोर्ट परियोजना में योगदान से ही बढ़ेगी। राज्य सरकार ने 3500 करोड़ की अनुमानित लागत का पचास फीसदी हिस्सा केंद्र से मांगा है और अगर यह कहने मात्र से मिल जाएगा, जो सांसद की भाषा में यह सामुदायिक जिम्मेदारी भी इंगित होनी चाहिए। हिमाचल में या तो विजन की महत्त्वाकांक्षा है ही नहीं और अगर कोई कहता भी है तो विजन की अनेक खिड़कियां आपस में उलझ जाती हैं। वैसे यहीं से सांसद एवं केंद्रीय मंत्री रहे शांता कुमार के नजरिए पर देश को गर्व है, लेकिन कांगड़ा-चंबा संसदीय क्षेत्र के लिए उनके ड्रीम प्रोजेक्ट केवल सियासी अनुबंध करते ही रह गए। वह चंबा सीमेंट प्लांट, पठानकोट-जोगिंद्रनगर रेलवे लाइन का चौड़ाकरण व केंद्रीय विश्वविद्यालय की धर्मशाला में स्थापना को अधिमान देते हुए पर्यटन परियोजनाओं में केंद्र का दखल चाहते थे, लेकिन आज तक इनमें से एक भी ख्वाब पूरा नहीं हुआ। बहरहाल नए सांसद ने पैरवी का रुख बदलते हुए टोपी बदली है, तो अब देखना होगा कि वह कितना रंग जमाते हैं। हालांकि केंद्र सरकार में जगत प्रकाश नड्डा का रुतबा ऐसी पायदान पर टिका है, जहां से हिमाचल के घाव भरे जा सकते हैं। बेशक एम्स की नींव के पत्थर उन्हें सदियों याद रखेंगे या बिलासपुर की तरफ बढ़ती रेल में उनकी भूमिका की रेलमपेल है, लेकिन इस चारदीवारी के बाहर हिमाचल छोटा पड़ गया है। यह दीगर है कि महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारियों में युवा ऊर्जा के सारे स्रोत लिए अनुराग ठाकुर ने वंदेभारत ट्रेन को अंब-अंदौरा से जोड़ दिया, लेकिन हमीरपुर को रेल से छूने के उनके प्रयास दर्ज नहीं हुए। इसी तरह खेल मंत्रालय के सुखद संदेश हिमाचल तक नहीं पहुंच पाए।

# बागमती नदी उफान पर, काठमांडू के कई इलाके जलमग्न

**काठमांडु, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** नेपाल की राजधानी काठमांडू में बीती रात से हो रही मूसलाधार बारिश से बागमती नदी उफान पर है। इस वजह से त्रिपुरेश्वर, कालीमाटी, टेकु इलाके के अलावा बागमती कॉरिडोर के किनारे की बस्तियां जलमग्न हो गई हैं।

जल एवं मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार बागमती और उसकी सहायक नदियां हनुमंते, मनोहरा, धोबीखोला, बिष्णुमती, नख्खू, बल्खु का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। विभाग ने अनुरोध किया है कि बागमती कॉरिडोर के अलावा अन्य नदियों के आसपास न जाएं। उधर, धोबीखोला, बल्खु खोला, कागेश्वरी मनोहरा इलाके की गलियारे वाली सड़कों पर अब भी काफी पानी जमा है। नदी किनारे बने कॉरिडोर के जलमग्न होने के कारण यातायात प्रभावित है। इन सड़कों पर यातायात को फिलहाल पूरी तरह से रोक दिया गया है।

काठमांडू में बाढ़ के कारण सत्तारूढ दल यूएमएल का केंद्रीय कार्यालय सहित शंखमूल पार्क, कालीमाटी सब्जी बाजार क्षेत्र सहित अन्य स्थान भी जलमग्न हो गए हैं। भक्तपुर में मनोहरा नदी ने भी रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। महादेव नदी की बाढ़ से सैकड़ों घर जलमग्न हो गए हैं।

भक्तपुर के पुलिस इंस्पेक्टर टेकेंद्र पौडेल ने कहा कि सूर्यबिनायक और मध्यपुर थिमी नगरपालिका में नदी में फंसे 33 लोगों को बचाया लिया गया है।

## न्यूज ब्रीफ

### नेपाल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पद से शंकर दास वैरागी ने दिया इस्तीफा

**काठमांडू।** नेपाल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शंकर दास वैरागी ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। प्रधानमंत्री के मातहत रहे राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के तौर पर 6 महीने पहले ही वैरागी की नियुक्ति हुई थी। नेपाल में सत्ता गठबन्धन और सरकार के नेतृत्व परिवर्तन के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शंकर दास वैरागी के इस्तीफा देने की जानकारी आई है। प्रधानमंत्री कार्यालय में सचिव रहे कृष्णहरि पुष्कर ने वैरागी के इस्तीफे की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि वैरागी का इस्तीफा 24 जुलाई को ही आ गया था लेकिन आज हुई कैबिनेट की बैठक में उसको मंजूर कर लिया गया है। शंकर दास वैरागी का नाम कुछ दिन पहले तक भारत में नेपाल के राजदूत के रूप में भेजे जाने की व्यापक चर्चा थी लेकिन सरकार ने वर्तमान राजदूत डा शंकर शर्मा को ही निरन्तरता देने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि प्रचण्ड सरकार द्वारा उनकी नियुक्ति होने के कारण इस्तीफा लिया गया है। उन्हें प्रचण्ड ने अपने कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का पद सृजित कर नियुक्ति दी थी। कभी नेपाल के विदेश सचिव रहे वैरागी देश के मुख्य सचिव भी रह चुके हैं। अपने कार्यकाल के 6 महीने पहले ही मुख्य सचिव के पद से इस्तीफा देने के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री प्रचण्ड ने उन्हें सुरक्षा सलाहकार का विशेष पद सृजित कर नियुक्ति दी थी।

### पाकिस्तान में शिया-सुन्नी जंग में अब तक 43 लोगों की मौत

**खैबर पख्तूनख्वा।** पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी कुर्रम आदिवासी जिले में एक भूमि विवाद में सुन्नी और शिया जनजातियों के बीच जारी खूनी संघर्ष में अबतक 43 लोग मारे जा चुके हैं और 200 से अधिक लोग घायल हुए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार स्थानीय जनजातीय जिरगा की सहायता और समर्थन से युद्धरत जनजातियों ने सोमवार को अस्थायी युद्ध विराम की घोषणा की। अस्थिर पहाड़ी कुर्रम क्षेत्र में पिछले कई दशकों में जनजातियों और धार्मिक समूहों के बीच सांप्रदायिक झड़पें और आतंकवादी हमले हुए हैं। सरकार के गृह और आदिवासी मामलों के विभाग के अनुसार, वर्तमान में कुर्रम में आठ बड़े संघर्ष देखने को मिले। पिछले सप्ताह शिया और सुन्नी के दो परिवारों के बीच एक संपत्ति के स्वामित्व को लेकर खूनी लड़ाई शुरू हुई थी। यह दुश्मनी तेजी से कई गांवों और बस्तियों में फैल गई जिसके बाद पूरे जिले में हिंसा होने लगी। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में 34 शिया जनजाति के और आठ सुन्नी जनजाति से थे। कुर्रम के मकबल और टेरी मंगल इलाकों में, रविवार रात और सोमवार सुबह तक शिया और सुन्नी जनजातियों के बीच गोलीबारी जारी रही। स्थानीय लोगों के अनुसार, क्षेत्र में सुन्नी जनजातियों को सीमा पार से समर्थन मिल रहा है क्योंकि ये परिवार पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच विवादित सीमा डूरंड रेखा के दोनों ओर रहते हैं। क्षेत्र के अधिकांश गांवों में संघर्ष और अशांति को रोकने के लिए सड़कें बंद कर दी गई है। हालांकि, इसके कारण खाने और दवाओं की कमी का लोगों को सामना करना पड़ रहा है।

### ब्राजील की नदी में नाव पलटने से तीन लोगों की मौत, नौ लापता

**साओ पाउलो।** उत्तरी ब्राजील की अमेजन नदी में नाव पलटने से एक साल के बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई और 16 घायल हो गए जिनमें से नौ लापता बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नाव पर दो सौ से ज्यादा यात्री सवार थे। ब्राजील के एमेज़ोनस स्टेट के उआरिनी म्युनिसिपैलिटी के पास विस्फोट के बाद उसमें आग लग गई। रिपोर्ट में पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि नाव में सवार दो सौ लोगों में से कम से कम 183 लोग सुरक्षित बचने में सफल रहे। यह तीन दिनों में एमेज़ोनस में यात्री नाव पर लगी दूसरी घटना थी। शनिवार को भी एक नाव में आग लगने के बाद पलट गई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और पांच लापता हो गए।

# पीटीआई नेता रऊफ हसन 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

**इस्लामाबाद, 31 जुलाई (एजेंसियां)।**

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता रऊफ हसन समेत 10 लोगों को को सोशल मीडिया पर सरकार विरोधी प्रचार के मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।पाकिस्तानी समाचारपत्र डॉन की रिपोर्ट के अनुसार इस्लामाबाद के जिला और एवं न्यायालय ने सरकार विरोधी डिजिटल अभियान के मामले में हसन और नौ अन्य को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 13 अगस्त मुकर्रर की है। इस्लामाबाद पुलिस और संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम अधिनियम 2016 (पीईसीए) के तहत एक कथित मामले में पिछले सप्ताह पार्टी के केंद्रीय कार्यालय पर छापा मारा था। छापे के दौरान हसन को गिरफ्तार किया गया था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हसन की गिरफ्तारी उस समय हुई जब गृह मंत्रालय ने दावा किया कि पीटीआई सरकार विरोधी प्रचार में शामिल है। सरकार ने पहले उन लोगों के खिलाफ जांच के लिए संयुक्त जांच समिति का गठन किया था जो कथित तौर पर दुर्भावनापूर्ण सोशल मीडिया पर अभियान चलाकर अराजकता पैदा कर रहे थे।

हसन ने आरोपों का हालांकि, खंडन करते हुए कहा कि वह एक थिंक टैंक चलाता है और ब्रिटेन निवासी राहुल ने उसे बहरीन में एक कार्यक्रम के लिए अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया था।

# गाजा से 85 मरीजों को चिकित्सा देखभाल के लिए भेजा गया यूएई

**जिनेवा, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** फलस्तीन के गाजा पट्टी से 85 बीमार और गंभीर रूप से घायल मरीजों को बड़े पैमाने पर संयुक्त अभियान में विशेष चिकित्सा देखभाल के लिए अबू धाबी ले जाया गया है।संयुक्त अरब अमीरात(यूएई) सरकार और अन्य भागीदारों के साथ साझेदारी में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा संचालित यह चिकित्सा निकासी अक्टूबर 2023 के बाद से इस तरह का सबसे बड़ा ऑपरेशन है। रोगियों में 35 बच्चे और 50 वयस्क शामिल थे। सभी पीड़ितों को गाजा से केरेम शालोम क्रॉसिंग के माध्यम से इजरायल के रेमन हवाई अड्डे तक ले जाया गया। पूर्वी भूमध्य सागर के लिए डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय निदेशक हनान बाल्की ने कहा, मैं गाजा से बीमार और गंभीर रूप से घायल मरीजों को निकालने और उन्हें चिकित्सिकीय देखभाल प्रदान करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात का बेहद आभारी हूं। उल्लेखनीय है कि यह ऑपरेशन गाजा में चल रहे स्वास्थ्य सेवा संकट का उल्लेख करता है जहां उन्नत चिकित्सा देखभाल तक पहुंच सीमित है। डब्ल्यूएचओ और संयुक्त अरब अमीरात का सहयोग क्षेत्र में तत्काल चिकित्सा आवश्यकताओं को रेखांकित करता है।

# पाकिस्तानी उप प्रधानमंत्री डार ईरान के दौरे पर

**इस्लामाबाद, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** पाकिस्तान के उप प्रधान मंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार मंगलवार को ईरान की यात्रा पर गये। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तानी उप प्रधानमंत्री, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए ईरान गये हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान के लोगों और सरकार की ओर से उपप्रधान मंत्री ने ईरानी राष्ट्रपति को उनके पद संभालने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। श्री डार ने नए राजनीतिक प्रशासन को सत्ता के सफल और सुचारु हस्तांतरण पर बधाई दी। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के अनुसार, उप प्रधान मंत्री ने नए ईरानी प्रशासन और ईरान के साथ संबंधों को और मजबूत करने की पाकिस्तान की प्रतिबद्धता के प्रति समर्थन और एकजुटता भी व्यक्त की।

# इजराइल ने हिजबुल्ला को निशाना बनाकर बेरूत पर किया हवाई हमला, एक की मौत

**बेरूत, 31 जुलाई (एजेंसियां)।**

इजराइल ने हिजबुल्ला को निशाना बनाते हुए बेरूत पर हवाई हमला किया जिसमें कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसी के साथ इजराइल का लेबनान में सक्रिय चरमपंथी समूह हिजबुल्ला के साथ तनाव बढ़ गया है।

इजराइल की सेना ने कहा कि यह हमला उसके नियंत्रण वाले गोलान हाइट्स क्षेत्र में गत सप्ताहांत रॉकेट से हमला करने और 12 बच्चों एवं किशोरों की मौत के साथ-साथ अन्य हमलों में कई इजराइली नागरिकों की मौत के लिए जिम्मेदार आतंकी कमांडर के ठिकाने को निशाना बनाकर किया गया।

इजराइल ने बीते शनिवार को मजदल शम्स शहर में हुए रॉकेट हमले के लिए हिजबुल्ला को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि, चरमपंथी संगठन ने हमले में अपनी भूमिका से इनकार किया है। इजराइली रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने मंगलवार के हमले के तुरंत बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने पोस्ट में लिखा, ''हिजबुल्ला ने अपनी हदें पार कर दी है।''

लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि ड्रोन से किए गए इस हमले में तीन रॉकेट दागे गए, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। सूत्रों के मुताबिक, घायलों को पास के अस्पतालों में ले जाया गया। विस्फोट स्थल के पास स्थित बहमन अस्पताल ने लोगों से रक्तदान करने का आह्वान किया। यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि जिस पर हमला किया गया है उसकी हमले में मौत हुई या घायल हुआ है।

हिजबुल्ला के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार शाम को बेरूत के दक्षिण में हिजबुल्ला के गढ़ पर इजराइली हवाई हमला हुआ, जिससे नुकसान हुआ है।

# कमला हैरिस से सीधे बहस करने से बचते नजर आ रहे डोनाल्ड ट्रंप

**न्यूयॉर्क, 31 जुलाई (एजेंसियां)।**

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के राष्ट्रपति चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की आधिकारिक उम्मीदवार होने के बाद रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति उम्मीदवार व पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी प्रतिद्वंदी हैरिस के साथ बहस करने की अपनी पूर्व प्रतिबद्धता से पीछे हटते नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने इस संभावित बहस के महत्व पर सवाल उठाया है और कहा है कि वह ''संभवत:'' बहस करेंगे, लेकिन वह ''ऐसा न करने का भी तर्क दे सकते हैं''। ट्रंप के इस बयान पर हैरिस की टीम ने पलटवार करते हुए कहा कि वह 'डरे हुए हैं'। फॉक्स न्यूज चैनल पर सोमवार रात को प्रसारित साक्षात्कार में ट्रंप से हैरिस के साथ बहस करने के बारे में कई बार सवाल पूछे जाने के बाद पहले की तुलना में अधिक नरमी से जवाब दे रहे थे।

रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप तत्कालीन डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडन के साथ बहस करने के लिए तैयार थे। लेकिन बाइडन के दौड़ से बाहर होने और हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार बनाए जाने के बाद ट्रंप ने बाइडन के साथ मूल बहस की शर्तों पर सवाल उठाए हैं, जिस पर उन्होंने सहमति जताई थी।

ट्रंप ने एबीसी न्यूज़ पर 10 सितंबर को प्रस्तावित बहस को किसी दूसरे नेटवर्क पर कराने का सुझाव दिया है। उन्होंने एबीसी को ''फर्जी खबर'' बताया है। पिछले हफ्ते पत्रकारों के साथ फोन पर बातचीत में ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह कम से कम एक बार हैरिस के साथ बहस करेंगे। उन्होंने जवाब दिया, ''हाँ, बिल्कुल। मैं ऐसा करना चाहूँगा,''। ट्रंप ने कहा कि बहस करना एक बाध्यता है। ट्रंप से सोमवार के साक्षात्कार में बार-बार प्रोस्ताता लॉरा इंग्राहम द्वारा बहस को लेकर पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''मैं बहस करना चाहता हूं। लेकिन मैं यह भी कह सकता हूं। हर कोई जानता है कि मैं कौन हूं। और अब लोग जानते हैं कि वह कौन है।''

पूर्व राष्ट्रपति ने अंतत: कहा, इसका उत्तर हां है, मैं संभवत: बहस करूंगा। उन्होंने एक मिनट तक कहा कि राज्यों में प्रारंभिक मतदान शुरू होने से पहले किसी भी बहस को आयोजित किया जाना चाहिए और फिर उन्होंने कहा, इसका उत्तर हां है, लेकिन मैं ऐसा न करने का भी तर्क दे सकता हूं।

# ब्रिटेन में बच्चों के बीच हुई चाकूबाजी, एक मासूम की मौत, पीएम ने जताया दुख

**लंदन, 31 जुलाई।**

उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड के साउथपोर्ट में बच्चों की डांस क्लास में हुई चाकूबाजी की घटना में नौ साल की एक बच्ची की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। इससे पहले, छह और सात साल की दो बच्चियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। पांच अन्य जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। उधर, मर्सीसाइड पुलिस के जासूसों ने मामले में 17 वर्षीय संदिग्ध आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की। मर्सीसाइड पुलिस ने बताया कि आज तड़के चाकू से किये गए हमले में जख्मी हुई एक और बच्ची की मौत हो गई।

इस घटना पर ब्रिटने के प्रधानमंत्री स्टॉर्मर चिंता जाहिर की है। स्टॉर्मर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'साउथपोर्ट से भयावह और बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। मेरी संवेदनाएं सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं। मैं पुलिस और आपातकालीन सेवाओं को उनकी त्वरित कार्रवाई के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा।' पुलिस ने कहा कि चाकूबाजी का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है और हमले को आतंकवाद से संबंधित नहीं माना जा रहा है। पुलिस ने पुष्टि की कि अधिकारी किसी और संदिग्ध की तलाश नहीं कर रहे हैं। मर्सीसाइड पुलिस की प्रमुख कांस्टेबल सेरेना केनेडी ने कहा, कार्डिफ (वेल्स) में जन्मे लैंकशर के 17 वर्षीय व्यक्ति को हत्या और हत्या के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार करके थाने ले जाया गया, जहां अधिकारी उससे पूछताछ करेंगे। इस बीच, गायिका टेलर स्विफ्ट ने कहा कि वह घटना के बारे में जानकर पूरी तरह स्तब्ध हैं और इस भयावह घटना के बारे में अब जानकारी ले रही हैं। उन्होंने 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, डांस क्लास में ये छोटे-छोटे बच्चे थे। मैं पूरी तरह असमंजस में हूं कि इनके परिवारों तक अपनी संवेदनाएं कैसे पहुंचाऊं।

## पड़ोसी देश में बद से बदतर हो रहे हालात

# तो क्या फिर होगा पाकिस्तान का बंटबारा ?

**इस्लामाबाद, 31 जुलाई (एजेंसियां)।**

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन देखा जा रहा है। बलोच कार्यकर्ता महरंग बलोच ने ग्वादर में प्रदर्शन पर बैठ गई हैं। पाकिस्तानी अधिकारी उन्हें हटाने की कोशिश में लगे हैं, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। बलूचों का कहना है कि पाकिस्तान सरकार बंदूकों के जरिए उन्हें डराना चाहती है, लेकिन वह ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। बलूचों का आरोप है कि पाकिस्तान और चीन मिलकर बलोचिस्तान के संसाधनों पर कब्जा कर रहे हैं। वहीं कई एक्सपर्ट्स का मानना हैं कि ये प्रदर्शन उसी तरह हैं, जिसने पूर्वी पाकिस्तान को तोड़कर बांग्लादेश बना दिया था।

जानकार ने कहा कि यहा प्रदर्शन हमेशा होते रहे हैं, जो लीडरशिप को बदलते रहे हैं। आज के समय कई प्रदर्शन महिलाएं लीड कर रही हैं और ऐसा ही कुछ हमें बलोचिस्तान में देखने को मिलता है। उन्होंने कहा, बलोचिस्तान की पॉलिटिस में बहुत कुछ बदल रहा है। महिलाओं और युवाओं को आगे किया जा रहा है, जो कि सॉफ्ट बेस हैं। बलोचिस्तान की कई छात्राएं मारी गई, अरेस्ट हुईं और प्रदर्शन में हिस्सा लिया, जो कुछ नया नहीं है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में कोई भी प्रदर्शनकारी सरकार की बातचीत पर भरोसा नहीं करता। उन्हें पता हैं कि पाकिस्तान सरकार की ओर से लिखित में भी शर्तें मान ली जाती हैं। लेकिन बाद में वे पलट जाते हैं। उन्होंने कहा, बलोचिस्तान के प्रदर्शन में अगर उनकी मांगें देखी जाएं तब वह कुछ भी ऐसा नहीं है, जिसे न माना जाए। वे अपने हक की बात कर रहे हैं। लेकिन पाकिस्तान में लोग खुद मान रहे हैं, जैसे बलूचों ने खुद को अलग करने की मांग कर ली है।

जानकार कहते हैं कि हमारे लोकतंत्र में बलोचिस्तान है। लेकिन उन्हें यह हक नहीं दिया गया कि वह खुद का फैसला कर सके। हर किसी को पता है कि यह कठपुतली सरकार है। जो लोग प्रदर्शन कर रहे हैं उनमें से कई लोगों के परिवार वालों ने सरकार के खिलाफ बंदूक उठा रखी है।

बांग्लादेश जैसा होगा हाल?

उन्होंने कहा, बलूचिस्तान को इतनी आजादी दी जाए कि वह खुद का फैसला ले सके तब कोई दिक्कत नहीं होगी। इसमें समस्या ये है कि सरकार को लगता है कि पाकिस्तान विरोधी लोग सदन में आएंगे और वे फैसले जो उन्हें पसंद नहीं आएंगे। यह बांग्लादेश वाली बात है। वह भी अपने हक और सरकार मान रहे थे। आपने पहले ही सोच कर रखा होता है कि आपको नहीं मानना, जिसके नुकसान बाद में देखने पड़ते हैं।

### इस्लाम के नाम पर आतंकवाद की पैरवी करने वाले अंजेम चौधरी को आजीवन कारावास

**लंदन।** इस्लाम के नाम पर बड़े बड़े उपदेश देकर युवाओं को बहकाने वाले ब्रिटिश-पाकिस्तानी उपदेशक अंजेम चौधरी को आतंकवादी संगठन चलाने का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।चौधरी को पिछले सप्ताह अल-मुहाजिरून(एएलएम) चलाने का दोषी पाया गया था। इस संगठन को एक दशक से भी अधिक समय पहले आतंकवादी संगठन मानते हुए प्रतिबंधित कर दिया गया था। जस्टिस मार्क वॉल ने ब्रिटिश-पाकिस्तानी उपदेशक के लिए आजीवन कारावास की सजा की घोषणा की है। उसे कम से कम 28 साल की सजा होगी। वॉल ने लंदन के वूलविच क्राउन कोर्ट में चौधरी से कहा कि एएलएम जैसे संगठन ऑनलाइन कार्यक्रमों के माध्यम से हिंसा की बात करते हैं। जज ने कहा, उनका अस्तित्व उन व्यक्तियों को साहस देता है जो उनके सदस्य हैं। वे उन लोगों के बीच दरार पैदा करते हैं जो शांतिपूर्ण तरीके से एक साथ रह सकते हैं। चौधरी के वकील पॉल हाइन्स ने तर्क दिया कि यह समूह एक संगठन से ज्यादा कुछ नहीं है और इससे जुड़े लगभग सभी हमले पहले ही हो चुके हैं। ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा की पुलिस ने संयुक्त जांच के बाद सबूत इकट्ठा किए कि अंजेम चौधरी न्यूयॉर्क में स्थित अनुयायियों के साथ ऑनलाइन व्याख्यानों के माध्यम से एएलएम चला रहा था। अभियोजकों ने कहा कि इस समूह ने कई नामों से काम किया है। न्यूयॉर्क स्थित इस्लामिक थिंकर्स सोसाइटी भी इसी का हिस्सा है। न्यूयॉर्क की डिप्टी पुलिस कमिश्नर रेबेका वेनर ने मामले को ऐतिहासिक करार दिया और कहा कि इस्लामिक थिंकर्स सोसाइटी एएलएम की अमेरिकी शाखा थी। चौधरी को उसके एक अनुयायी खालिद हुसैन के साथ दोषी ठहराया गया है। अभियोजकों के अनुसार, वह समूह का एक समर्पित समर्थक भी था।

# सूर्यकुमार के साहसिक निर्णय से मिली जीत : वॉशिंगटन

**पल्लेकल, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने श्रीलंका के साथ हुए तीसरे टी-20 मैच को लेकर कहा कप्तान सूर्यकुमार यादव के साहसिक निर्णय से टीम को जीत मिली।

मंगलवार की रात हुए इस मुकाबले में जीत के बाद वॉशिंगटन ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो उनकी कप्तानी की क्षमता अद्भुत है। एक समय पर 12 गेंद में 12 रनों फिर 12 गेंद में नौ रन चाहिए थे, ऐसे समय में कुशल परेरा जैसे बल्लेबाज के खिलाफ रिंकू सिंह को गेंदबाजी के लिए लाना और स्वयं अंतिम ओवर में गेंदबाजी करना एक साहसी निर्णय था। वहीं हम लोग लगभग वह मैच जीत ही गए थे। हम सभी जानते हैं कि जब सूर्या बल्लेबाजी करने जाते हैं तो बहुत साहसी तरीके से खेलते हैं। साथ ही कप्तानी में भी वह इसी तरह का साहस दिखा रहे हैं। इस जीत का काफी हद तक श्रेय उन्हें ही जाता है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैंने जो भी काम किया है, वह सब भगवान का आशीर्वाद था। मैं बस स्वयं को शांत रखने का प्रयास करना चाह रहा था। मैं बस इस बात पर ध्यान केंद्रित करना चाहता था कि मुझे क्या करना है। मैं विशेष रूप से सूर्या का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे उस (सुपर ओवर) स्थिति में गेंद थमाई। हमने उनके बल्लेबाजों पर थोड़ा होमवर्क किया था। जाहिर है कि विकेट में थोड़ी सी मदद भी थी, इसलिए मुझे बहुत कुछ करने की आवश्यकता नहीं थी। मुझे बस सही लेंथ पर गेंदबाजी करनी थी।

कप्तान सूर्याकुमार यादव ने कहा, मैच के अंतिम दो ओवरों से भी अधिक महत्वपूर्ण यह है था कि 30 के स्कोर पर चार और 48 के स्कोर पर पांच विकेट गंवाने के बाद हमारे खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल दिखाया और खेल को विपक्षी टीम की पहुंच से दूर ले गए। मुझे ऐसा लगा था कि इस पिच पर 140 के आस-पास का स्कोर एक सम्मानजनक स्कोर होगा। जब हम क्षेत्ररक्षण करने जा रहे थे तो मैंने अपने साथियों को यही कहा कि मैंने ऐसे कई मैच देखे हैं। अगर अगले एक से 1.5 घंटे जान लगा कर खेलेंगे तो हम आसानी से यह मैच जीत सकते हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### पीवी सिंधु एस्टोनिया की क्रिस्टिन कुबा को हराकर अंतिम-16 में पहुंचीं

**पेरिस।** भारतीय शटलर पीवी सिंधु ने बुधवार को पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन महिला एकल स्पर्धा के अंतिम ग्रुप एम मैच में एस्टोनिया की क्रिस्टिन कुबा को हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया। सिंधु ने कुबा पर दबदबा बनाया और ला चैपल एरिना में 34 मिनट तक चले मुकाबले में 21-5, 21-10 से मैच जीत लिया। पहले गेम में सिंधु ने गति को नियंत्रित किया और सिर्फ 14 मिनट में 21-5 से जीत हासिल की। ??भारतीय शटलर ने अपना फॉर्म जारी रखा और दूसरा गेम 19 मिनट में 21-10 से जीत लिया। पीवी सिंधु अपने आगामी राउंड ऑफ 16 मैच में संभावित रूप से पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की ही बिंगजियाओ का सामना कर सकती हैं। इससे पहले सिंधु के पिछले ग्रुप एम मैच में, मालदीव की फतिमाथ नबाहा अब्दुल रज्जाक के खिलाफ सीधी जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। सिंधु ने धैर्य और आत्मविश्वास का परिचय दिया और दोनों मैचों में अपने प्रतिद्वंद्वी को एकल अंकों तक सीमित रखा। उन्होंने 29 मिनट तक चले खेल में 21-9, 21-6 की जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। यह दूसरी बार था जब सिंधु और रज्जाक एक दूसरे से भिड़े थे। भारतीय शटलर ने अपने पहले मुकाबले में मालदीव के शटलर को आसानी से हराया था और एक बार फिर पेरिस में इतिहास ने खुद को दोहराया।

### पेरिस ओलंपिक : अल्कराज-नडाल की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

**पेरिस।** राफेल नडाल और कार्लोस अल्काराज की स्पेनिश जोड़ी ने नीदरलैंड के टालोन ग्रीक्सपूर और वेस्ले कूलहोफ को 6-4, 6-7(2), 10-2 से हराकर चल रहे पेरिस ओलंपिक में टेनिस पुरुष युगल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। स्पेनिश जोड़ी ने पहले ही पल से खेल पर अपना दबदबा बनाया और बिना किसी परेशानी के पहला सेट 6-4 से जीत लिया। हालांकि, दूसरे सेट में डच खिलाड़ियों ने वापसी की और अच्छी टक्कर दी। टैलोन ग्रीक्सपूर और वेस्ले कूलहॉफ ने दूसरा सेट टाईब्रेकर में 6-7(2) से जीता। इस बीच, नडाल-अलकाराज की स्पेनिश जोड़ी ने तीसरा सेट 10-2 से अपने नाम किया और क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। इससे पहले, पिछले दौर में, नडाल और अलकाराज ने अर्जेंटीना के मैक्सिमो गोंजालेज और एंड्रेस मोल्टेनी को 7-6 (7.4), 6-4 से हराया था।

### ओलंपिक करियर से संन्यास लेने के बाद अश्विनी पोनप्पा ने कहा-मैं यह सब दोबारा नहीं झेल सकती

**पेरिस।** स्टार भारतीय शटलर अश्विनी पोनप्पा ने बहु-खेल प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया की सेतियाना मापासा और एंजेला यू के खिलाफ ग्रुप सी बैडमिंटन महिला टीम मैच में निराशाजनक हार के बाद ओलंपिक से संन्यास की घोषणा कर दी है। मैच के बाद पोनप्पा ने कहा कि इससे उबरने के लिए काफी भावनात्मक और मानसिक शक्ति की जरूरत होती है। भारतीय शटलर ने कहा कि वह अब और नहीं सह सकती। ओलंपिक डॉट कॉम ने पोनप्पा के हवाले से कहा, यह भावनात्मक और मानसिक रूप से बहुत भारी पड़ता है, मैं इससे दोबारा नहीं गुजर सकती। यह आसान नहीं है, अगर आप थोड़े छोटे हैं तो आप यह सब झेल सकते हैं। इतने लंबे समय तक खेलने के बाद, मैं अब और नहीं सह सकती। महिला टीम स्पर्धा में, अश्विनी पोनप्पा और तनिषा क्रैस्टो की भारतीय महिला जोड़ी ग्रुप सी में लगातार तीसरी हार के कारण चौथे स्थान पर रही और ग्रुप चरण से बाहर हो गई। उन्हें मंगलवार को ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी सेतियाना मापासा और एंजेला यू के खिलाफ सीधे गेम में 15-21, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ पूरे मैच में संघर्ष करती रही।

## पेरिस ओलंपिक-2024

# लवलीना बोरगोहेन ने सुन्नीवा हॉफस्टैड को हराया, पदक पक्का करने से एक जीत दूर

**पेरिस, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में बुधवार को महिलाओं के 75 किलोग्राम वर्ग के राउंड ऑफ 16 मैच में नॉर्वे की सुन्नीवा हॉफस्टैड को शिकस्त दी।

पहले दो राउंड में लवलीना ने अपनी लंबाई का फ़ायदा उठाते हुए हॉफस्टैड पर जबर्दस्त वार किए। 2022 की विश्व युवा चैंपियन हॉफस्टैड ने पहले राउंड में कई तेज मुक्कों से लवलीना को परेशान करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने कुछ जैब और राइट हुक से जरूरी अंक हासिल किये।

दूसरे राउंड में लवलीना बोरगोहेन ने आक्रामक रुख अपनाया और हॉफस्टैड के चेहरे पर जोरदार वार किए। हालांकि हॉफस्टैड ने तीसरे राउंड में वापसी करने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। जजों ने भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में सर्वसम्मति से 5-0 का फ़ैसला सुनाया।

लवलीना बोरगोहेन की एक और जीत भारत के लिए एक पदक पक्का कर देगी, जो संभवतः उनका दूसरा ओलंपिक पदक हो सकता है, इससे पहले उन्होंने टोक्यो 2020 में कांस्य पदक जीता था।

### जोनाथन क्रिस्टी पर जीत के साथ प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन

भारत के शीर्ष शटलर लक्ष्य सेन ने बुधवार को पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन पुरुष एकल ग्रुप एल मैच में इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को 21-18, 21-12 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। लक्ष्य ने बुधवार को ला चैपल एरिना में क्रिस्टी पर 50 मिनट में जीत हासिल की। भारतीय शटलर ने इंडोनेशियाई पर दबदबा बनाया और पहला गेम 21-18 से जीत लिया। लक्ष्य ने दूसरा गेम 21-12 से अपने नाम कर मैच जीत लिया। सेन पुरुष एकल ग्रुप एल में भी शीर्ष पर रहे और आगामी राउंड ऑफ 16 मैच में एचएस प्रणय का सामना कर सकते हैं। प्री-क्वार्टर फाइनल गुरुवार से शुरू होंगे। इससे पहले सोमवार को लक्ष्य सेन ने पेरिस ओलंपिक में ग्रुप एल पुरुष एकल बैडमिंटन मैच में बेल्जियम के जूलियन कैराग्गी को हराया। भारतीय खिलाड़ी ने बेल्जियम के अपने प्रतिद्वंद्वी को सीधे सेटों में 21-19, 21-14 से हराया। ला चैपल एरिना में यह मैच 43 मिनट तक चला। रविवार को बैडमिंटन पुरुष एकल ग्रुप एल मैच में ग्वाटेमाला के केविन कॉर्डन पर लक्ष्य की शानदार जीत को हटा दिया गया क्योंकि ग्वाटेमाला के खिलाड़ी ने बाएं कोहनी की चोट के कारण इस बहु-खेल प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया। कॉर्डन ने चल रहे पेरिस ओलंपिक से खुद को अलग कर लिया है, जिसके लिए इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी और बेल्जियम के जूलियन कैरेगी के खिलाफ उनके आगामी ग्रुप एल मैच नहीं खेले जाएंगे।

### दीपिका कुमारी ने महिला व्यक्तिगत तीरंदाजी के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

पेरिस ओलंपिक में भारतीय तीरंदाजी दल की खराब शुरुआत के बाद दीपिका कुमारी ने आखिरकार बुधवार को महिला व्यक्तिगत तीरंदाजी के राउंड ऑफ 16 में अपनी जगह पक्की करके पदक की उम्मीदें दिखाईं। दीपिका ने अपने दिन की शुरुआत एस्टोनिया की रीना परनाट के खिलाफ 6-5 से रोमांचक जीत के साथ की और फिर राउंड ऑफ 16 में नीदरलैंड की क्विंटी रोफेन को 6-2 से आसानी से हराया। नीदरलैंड की क्विंटी रोफेन के खिलाफ मुकाबले में दीपिका ने धमाकेदार शुरुआत की और पहले सेट में दो 10 सहित 29 अंक बनाए, जबकि रोफेन ने दो 9 और एक 10 सहित 28 अंक बनाए। पहले सेट में दीपिका ने 2-0 की बढ़त हासिल की, हालांकि रोफेन ने भी शानदार वापसी की और दूसरे सेट में दो 10 अंकों सहित 29 अंक हासिल किये हासिल किए, जबकि दीपिका केवल 27 अंक ही हासिल कर सकीं और स्कोर 2-2 से बराबर हो गया। हालांकि भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में फिर से रुख बदल गया और रोफेन लक्ष्य से पूरी तरह चूक गईं, जिससे दीपिका ने 28-17 से आसान सेट जीत लिया और 4-2 से बढ़त हासिल कर ली। स्पष्ट रूप से हताश रोफेन को अगले सेट में भी अपनी गति हासिल करने में कठिनाई हुई, क्योंकि दीपिका ने 29-23 के एक और आसान सेट जीत कर मैच 6-2 से अपने नाम कर लिया।

## सिंगापुर की जियान जेंग को हराकर श्रीजा अकुला अंतिम 16 में पहुंचीं

**पेरिस, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** भारतीय पैडलर श्रीजा अकुला ने बुधवार को पेरिस ओलंपिक में महिला एकल राउंड टेबल टेनिस मैच में अपनी सिंगापुर की प्रतिद्वंद्वी जियान जेंग को हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया। भारतीय पैडलर ने राउंड ऑफ 32 का मैच 4-2 (9-11, 12-10, 11-4, 11-5, 10-12, 12-10) से जीता। यह मैच बुधवार को साउथ पेरिस एरिना में 51 मिनट तक चला।

पहले दो गेम में जेंग ने चुनौती स्वीकार की और अपनी प्रतिद्वंद्वी पर हावी रहीं। तीसरे और चौथे गेम में श्रीजा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की, जहां जेंग ने वापसी करते हुए पांचवां गेम जीत लिया, वहीं अकुला ने अगला गेम जीतकर मैच अपने नाम किया। अकुला ओलंपिक में राउंड ऑफ 16 में जगह बनाने वाली केवल दूसरी भारतीय टेबल टेनिस एकल खिलाड़ी बनीं।

इससे पहले रविवार को श्रीजा अकुला ने महिला एकल स्पर्धा के राउंड ऑफ 64 में स्वीडन की क्रिस्टीना कल्बर्ग पर शानदार जीत के बाद अगले दौर में प्रवेश किया। भारतीय पैडलर ने 11-4, 11-9, 11-7 और 11-8 से जीत हासिल की।

वहीं, भारत की एक अन्य पैडलर मनिका बत्रा ने चल रहे पेरिस ओलंपिक के टेबल टेनिस महिला एकल के राउंड ऑफ 32 मैच में फ्रांस की पृथिका पावड़े को हराया। टेबल टेनिस महिला एकल के राउंड ऑफ 32 मैच में बत्रा ने अपनी फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वी को 4-0 (11-9, 11-6, 11-9, 11-7) से हराया।

### भारत, बेल्जियम हॉकी टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

पेरिस ओलंपिक में पूल बी में अर्जेंटीना की न्यूजीलैंड पर जीत और बेल्जियम की ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद भारत और बेल्जियम ने नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई कर लिया है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने आयरलैंड पर 2-0 की व्यापक जीत दर्ज करके देश की तालिका में एक पदक जोड़ने की ओर एक बड़ा कदम बढ़ाया। मंगलवार देर रात को अर्जेंटीना द्वारा न्यूजीलैंड पर 2-0 की जीत दर्ज करने के बाद भारत का क्वार्टर फाइनल में स्थान सुनिश्चित हो गया। अर्जेंटीना की जीत के बाद, भारत कुछ समय के लिए पूल बी में शीर्ष पर पहुंच गया। बेल्जियम ने अंततः ऑस्ट्रेलिया को 6-2 हराकर भारत को शीर्ष से अपदस्थ कर दिया। शानदार जीत के साथ, बेल्जियम ने क्वार्टर फाइनल के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। बेल्जियम के परिणाम के बाद, भारत तीन मैचों में सात अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

## टीएसएच ने जारी की ईडब्लूएस खिलाड़ियों की सूची, आज से शुरू हो रहा है नया बैच

**कानपुर, 30 जुलाई।** द स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) में ईडब्ल्यूएस के बच्चों के लिए एक अगस्त से शुरू होने वाले नये प्रशिक्षण सत्र के लिये 21 जुलाई को हुए ट्रायल का परिणाम आ गया है। ट्रायल देने वाले 306 बच्चों में से कुल 252 बच्चों का चयन अंतिम सूची में हुआ है। चयनित खिलाड़ियों की सूची नगर निगम को भेजने के साथ ही टीएसएच के नोटिस बोर्ड पर भी चस्पा कर दी गई है।

कानपुर नगर निगम के सहयोग से आर्य नगर में संचालित द स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) में नये सत्र के लिये चयनित ईडब्ल्यूएस के बच्चों को अपने अपने खेलों के कोच से संपर्क करना है। उनसे प्रवेश लेने को लेकर आगे की कागजी कार्यवाही के बारे में समझना है। खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया के लिये पूरी कमेटी गठित की गई थी। कमेटी में कानपुर नगर निगम के एडिशनल म्युनिसिपल कमिश्नर जगदीश यादव, कानपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सुचित अग्रवाल और आशुतोष विक्रम सिंह, यूपी टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव पाठक, यूपी एथलेटिक्स एसोसिएशन के डॉक्टर देवेश दुबे, ऑडी स्टेडिया कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव गर्ग और ट्रांसस्टेडिया के रिप्रेजेंटेटिव पीके श्रीवास्तव शामिल रहे। उल्लेखनीय है कि ट्रायल प्रक्रिया 21 जुलाई को हुई। टीएसएच में प्रवेश के लिये कुल 604 बच्चों ने आवेदन किया था जिनमें से 365 आवेदनों को ट्रायल के लिये चयनित किया गया।ट्रायल के लिये बुलाये गये 365 में से 306 बच्चे ट्रायल देने के लिये पहुंचे। जिनका चार स्तरीय ट्रायल लिया गया जिसमें फिजिकल पैरामीटर, एप्टीट्यूड, स्पोर्ट्स स्किल की जांच की गई। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ईडब्ल्यूएस बच्चों के प्रशिक्षण का नया बैच एक अगस्त से शुरु होने जा रहा है।

## स्वप्निल कुसाले ने 50 मीटर 3पी शूटिंग स्पर्धा के फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

**पेरिस, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने बुधवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर 3पी के क्वालीफिकेशन राउंड में सातवें स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया।

भारतीय निशानेबाज ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर और स्वप्निल कुसाले दोनों पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर 3पी क्वालीफिकेशन राउंड में शामिल हुए। अपने ओलंपिक पदार्पण पर, कुसाले 590-38× के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रहे। जबकि, तोमर 589-33× के कुल स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रहे। केवल शीर्ष आठ निशानेबाज ही फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई कर पाए हैं और तोमर फाइनल राउंड में अपनी जगह बनाने में असफल रहे। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के लियू युकुन ने कुल 594-38× के साथ ओलंपिक क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड दर्ज किया। फाइनल इवेंट गुरुवार को दोपहर 1 बजे होगा।

इससे पहले ग्रीष्मकालीन खेलों में भाकर ने महिलाओं की व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। मनु-सरबजोत ने कांस्य पदक के प्ले-ऑफ मैच में दक्षिण कोरिया की ली वोनहो और ओह ये जिन को 16-10 से हराया। इस पदक के साथ ही पेरिस ओलंपिक में भारत के पदकों की संख्या दो हो गई है।

भाकर और सरबजोत दोनों ने कोरियाई खिलाड़ियों के खिलाफ सीरीज में लगातार 10 अंक बनाए। मनु-सरबजोत ने कुल 580-20× अंक हासिल कर तीसरा स्थान हासिल किया। मनु की अपने तीसरे ओलंपिक पदक की तलाश 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भाग लेने से शुरू होगी।

इससे पहले रविवार को 22 वर्षीय भाकर ओलंपिक में निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। भाकर ने 10 मीटर महिला एयर पिस्टल स्पर्धा में 221.7 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीतकर मौजूदा मेगा इवेंट में भारत को पहला पदक दिलाया। टोक्यो ओलंपिक में अपनी पिस्तौल की खराबी के बाद मनु के लिए यह एक तरह से मुक्ति का मौका था।

2004 में सुमा शिरुर के बाद ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में शूटिंग के फाइनल में पहुंचने वाली 20 साल में पहली भारतीय महिला बनकर उन्होंने इतिहास रच दिया। दक्षिण कोरिया की ये जिन ने 243.2 अंकों के ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। उनकी हमवतन किम येजी ने 241.3 अंकों के साथ रजत पदक जीता।

## भारतीय खिलाड़ी जो पेरिस ओलंपिक में नहीं दिखा पाए दमखम

# तीरंदाज धीरज व्यक्तिगत स्पर्धा के शूट-ऑफ में हारे

**पेरिस, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** पेरिस ओलंपिक में तीरंदाजों में भारत के लिए उलटफेर का सिलसिला जारी रहा, जब युवा तीरंदाज धीरज बोम्मादेवरा को पुरुषों की व्यक्तिगत 1/16 स्पर्धा में हार का सामना करना पड़ा। कनाडा के एरिक पीटर्स और धीरज ने रोमांचक ड्रॉ खेला, जिसने प्रशंसकों को अपनी सीटों पर बांधे रखा। दोनों तीरंदाजों के धनुष से 10 की बारिश हो रही थी, जिसके कारण दोनों तीरंदाजों के बीच बेहद रोमांचक मुकाबला हुआ।

धीरज करीब पहुंचे, लेकिन अंत में बहुत दूर गिर गए, जिससे उनका इवेंट से बाहर होना तय हो गया। पहले सेट की शुरुआत धीरज के 10 अंकों से हुई जो दोनों तीरंदाजों के बीच का अंतर साबित हुआ। धीरज ने बढ़त बनाई लेकिन पीटर्स ने अपनी सटीकता पर भरोसा करते हुए वापसी की और मैच को बराबरी पर ला दिया। तीसरे सेट की शुरुआत पीटर्स ने तीन 9 अंक लगाए जबकि धीरज ने दो 10 अंक लगाए और तीसरा सेट अपने नाम कर लिया। चौथे सेट में दोनों तीरंदाजों ने प्रत्येक शॉट पर 10 अंक बनाए और एक-एक अंक अपने नाम किया। धीरज अगले दौर में अपनी जगह पक्की करने से एक कदम दूर थे लेकिन अपने अंतिम शॉट में 9 अंक हासिल करने के कारण पीटर्स ने गेम को शूट-ऑफ में धकेल दिया। दोनों तीरंदाजों ने 10-10 अंक बनाए, लेकिन पीटर्स का तीर केंद्र के करीब था, जिससे वह अगले दौर में पहुंच गए और एकल स्पर्धा में धीरज का सफर खत्म हो गया। इस बीच, महिलाओं की स्पर्धा में भारत की शीर्ष तीरंदाज भजन कौर ने पोलैंड की अनुभवी वायलेटा मिजसोर को महिला व्यक्तिगत रिकर्व तीरंदाजी में हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया। भजन के लिए यह क्लीन स्वीप था, क्योंकि उन्होंने राउंड ऑफ 32 में 6-0 की जीत के साथ मिजसोर को बाहर कर दिया। शुरुआती सेट में उन्होंने 10, 9, 9 अंक बनाकर 29 अंक बनाए। जवाब में पोलिश तीरंदाज अपने पहले शॉट में लड़खड़ा गईं और 8 अंक बनाए। उन्होंने लगातार दो नौ अंक बनाए और पहले सेट में केवल 26 अंक ही बना सकीं। दूसरे सेट में भजन ने अपने पहले दो शॉट में लगातार 10 अंक बनाए और मिजसोर की पकड़ से दूसरा सेट छीनकर 4-0 की बढ़त बना ली। तीसरे सेट में, माइज़ोर ने अपने अंतिम शॉट में पांच शॉट लगाए, जिससे वह प्रतियोगिता से बाहर हो गईं।

### भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार राउंड ऑफ 16 में हारीं

भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार की देश के लिए ओलंपिक पदक लाने की उम्मीदें उस समय खत्म हो गईं जब कोलंबिया की मुक्केबाज येनी मार्सेला एरियस कास्टानेडा ने महिलाओं की 54 किलोग्राम भारवर्ग के राउंड ऑफ 16 में उन्हें हरा दिया। एक बार फिर, एक भारतीय एथलीट पदक के करीब तो आया, लेकिन अगले दौर में जगह बनाने से चूक गया। प्रीति की पदक जीतने की असफल कोशिश कास्टेनेडा के खिलाफ पहले दौर में उनके प्रदर्शन के कारण हुई। कोलंबिया की मुक्केबाज ने प्रीति पर दबदबा बनाया, जिसके परिणामस्वरूप पांच में से चार जजों ने कास्टेनेडा को दस अंक दिए। प्रीति ने दूसरे दौर में कास्टेनेडा पर बढ़त बना ली, जबकि दूसरे दौर के बाद जजों के तीन दस अंक उसके पक्ष में गए। तीसरे और अंतिम दौर में, यह एक करीबी मुकाबला साबित हुआ, लेकिन भारतीय मुक्केबाज को हार का सामना करना पड़ा। वह एक कड़ी टक्कर में विभाजित निर्णय से 2.3 से हार गईं। मंगलवार को भारत को पुरुष और महिला दोनों ही वर्ग में मुक्केबाजी में हार का सामना करना पड़ा। फिलीपींस की नेस्टी पेटेसियो ने महिलाओं के 57 किलोग्राम भार वर्ग के राउंड ऑफ 32 के मैच में भारतीय मुक्केबाज जैस्मीन लैम्बोरिया को हराया। प्रीति की तरह जैस्मीन के लिए भी मुकाबला सही तरीके से शुरू नहीं हुआ, क्योंकि वह पहले राउंड के अंत में पिछड़ रही थीं। पांच में से चार जजों ने फिलीपींस की मुक्केबाज को दस अंक दिए। दूसरे राउंड में पेटेसियो ने भारतीय मुक्केबाज पर अपना दबदबा बनाए रखा। वह दूसरे राउंड में सहज दिखीं और अंत में सभी पांच जजों ने उन्हें दस अंक दिए।

# ग्लोबल मार्केट : एशियाई बाजारों में तेजी का रुख

**नई दिल्ली,31 जुलाई (एजेंसियां)।** ग्लोबल मार्केट से बुधवार को मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार करके बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ ही बंद हुए। एशियाई बाजारों में आमतौर पर मजबूती नजर आ रही है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को लेकर अपनी घोषणा करने के पहले अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान संभल कर कारोबार करता नजर आया, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 203.40 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ 40,743.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,436.44 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 222.78 अंक यानी 1.28 प्रतिशत टूट कर 17,147.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 40,656.71 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार करने के बाद बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,274.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,474.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.49 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,411.18 अंक के स्तर पर बंद हुआ। अमेरिकी और यूरोपीय बाजार के विपरीत एशियाई बाजारों में मजबूती का माहौल बना हुआ है। एशिया के सभी 9 बाजारों के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,943.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 38,545.12 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 323.67 अंक यानी 1.90 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,326.58 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,449.37 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में भी बुधवार को जोरदार मजबूती आई है। फिलहाल ये सूचकांक 1.76 प्रतिशत उछल कर 2,930.80 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,317.80 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स से 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,250.94 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,755.66 अंक के स्तर पर और ताईवान वेटेड इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,256.46 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### हर मोर्चे पर...

उसमें फिर जो एक गलत कदम तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने उठाया, वह आज भारत के लिए एक बड़ा संकट बन गया है। इसकी गहराई में जाने के पूर्व हमें संविधान के आर्टिकल 11 को देखना होगा।

संविधान का अनुच्छेद 11 कहता है कि यह सरकार की ड्यूटी है कि वह नागरिकता देने और उसे किन्हीं विशेष परस्थितियों में वापस लेने के लिए कानून बनाए। सन् 1955 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इस संबंध में कानून बनाया भी। राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री रहते हुए जो कार्य किया, उसने देश को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा दिया, इस एक निर्णय से भारत में लाखों की संख्या में अवैध घुसपैठ वैध हो गई। इसकी आड़ में अब तक घुसपैठ चल रही है। हर देशभक्त फिर वह किसी भी दल का क्यों न हो, वह इस बात को हृदय से स्वीकारता है कि भारत के सिटीजनशिप कानून में राजीव गांधी ने जो सेंध लगाई वह आज देश के लिए नासूर बन गई है। हो सकता है देश की जनता 1984 में राजीव गांधी की पार्टी कांग्रेस को 404 लोकसभा सीट जिताकर भारी बहुमत से विजयी नहीं बनाती तो वह 1985 में कभी ऐसा कानून संसद से पास ही नहीं करवा पाते, जिसके कारण से आज देश में अवैध घुसपैठ एक महान भयंकर समस्या बनकर उभरी है।

भारत में बांग्लादेशी घुसपैठियों को राजीव गांधी ने दोहरी नागरिकता देने का काम किया। आप देखें कि कैसे राजीव गांधी बड़ी चालाकी के साथ 1985 में देश के सिटिजनशिप एक्ट में बदलाव कर देते हैं। इसके लिए वे इस एक्ट में एक नई धारा 6ए का इजाफा करते हैं। जो यह कहती है कि 1971 तक जो लोग बांग्लादेश से असम में आ चुके हैं, वह सभी असम के निवासी और भारत के नागरिक हो जाएंगे। तत्कालीन समय में यह विशेष सुविधा असम के लिए लागू की गई, अब ध्यान रखिए बाकी और राज्यों के लिए 1947 तक का नियम है। यानी कि जो उस वक्त आए उन्हें भारत की नागरिकता रहेगी।

देखा जाए तो इस नई 6-ए धारा का परिणाम यह हुआ कि राजीव गांधी के वक्त जो 60 लाख बांग्लादेशी घुसपैठिए भारत के असम क्षेत्र में आए वह तो भारत के नागरिक बने ही बने, साथ में उन्होंने जो देश में जनसंख्या बढ़ाने का काम भी किया, आज की तारीख में वे सब भारत के नागरिक हो गए। हालांकि कांग्रेस की सरकार में लागू की गई धारा 6ए के विरोध में मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है, इस पर फैसला आना अभी शेष है, किंतु इस 6ए धारा का वर्तमान संकट यह है कि अब भी जो बांग्लादेशी घुसपैठिए बड़ी तादात में भारत में घुसते हैं, उनमें से कई पहले अपने को असम में पंजीकृत करवाते हैं, जो रजिस्टर्ड नहीं हो पाते, तब भी वे यही बताने का प्रयास करते हैं कि वह और उनके पूर्वज 1971 के पहले ही भारत में आकर बस गए थे।

असम में हालात किस तरह से दिनों दिन खराब हुए हैं, यह स्वयं मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा सरमा के मुख से आज सुना जा सकता है, जिसमें वे बता रहे हैं कि बांग्लादेशी घुसपैठ मुस्लिम आबादी के कारण असम की डेमोग्राफी बदल गई है और कई जिलों में हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं। जो 1951 में 12 फीसदी मुस्लिम थे, अब 40 फीसदी तक पहुंच गए हैं। यह जनसंख्या अवैध घुसपैठ के कारण से असम में देखने को मिल रही है। पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने भी असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के बयान का समर्थन किया है, मजूमदार का कहना है कि असम में बायोलॉजिकल तरीके से डेमोग्राफी बदलाव नहीं हुआ है। यह बदलाव घुसपैठ का नतीजा है। उन्होंने बंगाल को भी इस समस्या से पीड़ित बताया और कहा, बंगाल में भी इसी तरह अवैध घुसपैठ कराकर डेमोग्राफी को बदला गया है।

उनके अनुसार ऐसा सिर्फ असम और बंगाल में ही नहीं, बल्कि पूरे पूर्वी भारत हुआ है, खासकर सीमा से सटे राज्यों में स्वतंत्रता के 70 से 75 सालों में बड़ा डेमोग्राफिक परिवर्तन देखने को मिला है। ये बायोलॉजिकल तरीके से आबादी नहीं बढ़ाई गई है, योजनाबद्ध तरीके से डेमोग्राफी चेंज हुई है। वे कहते हैं, कि इसकी योजना देश के बाहर कहीं से हो रही है। पश्चिम बंगाल में स्वतंत्रता के पूर्व और स्वाधीनता बाद भी तीन जिले मुस्लिम बहुल थे। लेकिन आज यह संख्या नौ जिलों की है। ये कहां से हो रहा है? कैसे हो रहा है? इतनी जनसंख्या कैसे बढ़ रही है? प्राकृतिक तरीके से इतनी जनसंख्या नहीं बढ़ सकती है।

सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर जोगिंदर सिंह 2014 में इस बात को तथ्यों के साथ कहा था कि देश में लगभग पांच करोड़ बांग्लादेशी घुसपैठ कर बैठे हुए हैं। यदि आंकड़ों के आधार पर अनुमान लगाए तो लगभग पांच हजार लोग हर दिन बांग्लादेश से भारत आते हैं। महीने में करीब डेढ़ लाख लोग। अब पिछले 70-75 वर्षों में कितनों ने घुसपैठ कर ली होगी, इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। इसलिए ही स्थानीय असमिया लोगों के लिए घुसपैठ एक बड़ा मुद्दा है। उनका कहना भी है कि बांग्लादेश मूल के मुसलमान और अब तो रोहिंग्या भी आ रहे हैं, ये सभी स्थानीय लोगों के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक अधिकार छीन रहे हैं। हमारे रोजगारों पर कब्जा जमा रहे हैं। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा बिल्कुल सही कह रहे हैं। सरकार तो इन्हें अपने स्तर पर रोकने की कोशिश करती है, लेकिन जो पूर्व से बांग्लादेश से आकर असम में बसे हैं, वे घुसपैठियों को चुपके से अपने यहां रख लेते हैं और अपना पूरा संरक्षण देते हैं। मदरसों का रोल इसमें सबसे अहम है। पूरा तंत्र देश भर में मदरसों और मस्जिदों का काम करता है, जो न सिर्फ घुसपैठियों के कागजात तैयार करवाते हैं बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों में भेजने तक की व्यवस्था करते हैं, इसलिए इनकी पहचान कर इन्हें पकड़ना आसान नहीं होता।

आंकड़ों में देखें तो असम के कुल 33 जिलों में से 9 जिलों में इस वक्त मुस्लिम आबादी 50 से 80 फीसदी तक हो गई है। ये जिले-बारपेटा, करीमगंज, दारंग, मोरीगांव, नौगांव, बोंगाईगांव, धुबरी, लाकांडी और गोलपाराबतौर हैं। इन नौ जिलों के अलावा कामरूप, कछार और नलबाड़ी में भी मुसलमानों की आबादी करीब 40 फीसदी आंकी गई है। कुल मिलाकर देश के इस एक अकेले असम राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण से 45 विधानसभा सीटों पर फैसला मुस्लिम वोटरों के हाथों में चला गया। 2021 के विधानसभा चुनाव में 31 मुसलमान विधायक चुने गए, जिनमें 16 कांग्रेस और 15 ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट जिसे एआईयूडीएफ और सर्व भारतीय संयुक्त गणतांत्रिक मोर्चा के नाम से भी जाना जाता है के हैं। इस दल को लेकर कहना चाहिए कि इसकी पूरी राजनीति बांग्लादेशी घुसपैठियों और अन्य मुसलमानों की बदौलत चल रही है। इसका निशान भी हरा है और इसके संस्थापक भी मौलाना बदरुद्दीन अजमल हैं। भाजपा इन मुस्लिम बहुत क्षेत्रों से जीतती नहीं, क्योंकि वह घुसपैठियों के खिलाफ मुखर है।यही हाल पश्चिम बंगाल का है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की जीत में सबसे बड़ी भूमिका बांग्लादेशी घुसपैठिए निभाते हैं, जिसके कई साक्ष्य मीडिया में मौजूद हैं। भाषा से कोई उन्हें नहीं पकड़ सकता। वह बांग्ला बोलते हैं। दिखने में भी पश्चिम बंगाल के रहवासी की तरह ही हैं। वे भारत आकर यहां की सभी सोशल वेलफेयर स्कीमों और भारत के आम टैक्सपेयर के पैसे से मिलने वाली सहूलियतों पर कब्जा कर रहे हैं। इसके अलावा ये बहुत बड़े पैमाने पर स्लीपर सैल के तौर पर काम कर रहे हैं। अब तक कई आतंकी संगठनों के कनेक्शन राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को पश्चिम बंगाल से मिले हैं, जो सीधे बांग्लादेश से जाकर जुड़ते हैं। देश विरोधी हर काम में ये घुसपैठिए लिप्त पाए जा रहे हैं।

इस संबंध में यह तथ्य भी बताना उचित होगा कि जब भारत के दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में पुलिस ने अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ़ कार्रवाई शुरू की तो कई चौकानेवाली जानकारियां सामने आईं। पता चला कि ये घुसपैठिए देश के कोने-कोने में फैले हैं। इनके पास अपने को भारत का नागरिक प्रमाणित करने के लिए सभी दस्तावेज हैं। कई राज्यों से इन बांग्लदेशियों की गिरफ्तारियां भी हो चुकी हैं। असम, पश्चिम बंगाल की तरह ही झारखण्ड में बांग्लादेशी घुसपैठ से संथाल परगना की डेमोग्राफी बदल गई है। यहां स्थिति इतनी भयानक हो गई कि न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा है। झारखंड हाईकोर्ट ने संथाल प्रमंडल के सभी उपायुक्तों को आपसी सामंजस्य से बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठियों को चिह्नित कर वापस भेजने की कार्ययोजना तैयार करने के लिए कहा है। अदालत ने कहा है कि यह अति गंभीर मामला है, इसे सिर्फ राज्य सरकार नहीं संभाल सकती। इसलिए केंद्र सरकार को भी राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य के संथाल परगना इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठ के मामले पर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि बांग्लादेशी घुसपैठ सिर्फ क्षेत्रीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है। बांग्लादेशी घुसपैठिए इस राज्य के आदिवासी भाई-बहनों की जमीन और संसाधनों पर कब्जा जमा कर झारखंड को जिहाद खंड बनाना चाहते हैं। राज्य सरकार न सिर्फ इस संवेदनशील मामले पर चुप्पी साधे है, बल्कि अवैध घुसपैठियों को बसाने में भी मदद कर रही है। जेएमएम और कांग्रेस की गठबंधन सरकार इस मामले में हाईकोर्ट के आदेश की लगातार धज्जियां उड़ा रही है। बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड के गरीब आदिवासियों का हक़ छीनने का प्रयास कर रहे हैं। जेएमएम-कांग्रेस सरकार के संरक्षण में घुसपैठियों का नाम मतदाता सूची और राशन कार्ड में भी जोड़ा जा रहा है। घुसपैठ के चलते झारखंड की माटी और बेटी पर भी संकट मँडरा रहा है। आदिवासियों के हक़ अधिकार की रक्षा के लिए राज्य सरकार बांग्लादेश घुसपैठ की रोकथाम के लिए अतिशीघ्र ठोस कदम उठाए।

कुल मिलाकर देशभर में कई राज्यों में आज ये घुसपैठिए पहुंच चुके हैं। भारत के संसाधनों का भरपूर उपभोग कर रहे हैं। खूब रुपया बनाकर विदेश भेज रहे हैं। दूसरी ओर भारत का आम नागरिक है जिसके हक का रोजगार ये छीन ले रहे हैं। ऐसे में सोचना अब स्थानीय भारत के आम नागरिक, विशेषकर मुसलमानों को है कि इन विदेशियों को सहयोग देकर उन्हें भारत में बसाकर वह आखिर किसका भला कर रहे हैं। देखा जाए तो जो भारत उन्हें सब कुछ देता है वे आज उसी देश से गद्दारी कर रहे हैं, रोहिंग्या एवं बांग्लादेशी घुसपैठियों की मदद करनेवालों को यह समझना होगा कि वे इनकी मदद कर देश को हर मोर्चे पर कमजोर करने का काम कर रहे हैं।

### हमास का...

उसकी मौत के बाद कहा जा रहा है कि इज़राइल ने 7 अक्टूबर का बदला ले लिया है। इससे पहले उत्तरी गाजा में इज़राइल ने हमला करके हमास सरगना के तीन बेटों को मौत के घाट उतारा था। बाद में अलजजीरा को इंटरव्यू देते हुए हानिया ने इस बात की पुष्टि की थी ईद के दिन इज़राइल ने उसके तीन बच्चे हाजेम, आमिर और मोहम्मद के साथ उसके पोते-पोतियों को मारा था। हानिया ने बताया था कि उसके बच्चों को उस समय टारगेट किया गया जब वह लोग ईद के दिन शरणार्थी शिविर में लोगों से मिलने गए हुए थे। हमास के मुखिया इस्माइल हानिया की मौत पर अभी इज़राइल की तरफ से कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

### अपने दुश्मनों ...

चेतावनी भी जारी की थी। इज़राइली नागरिकों की हत्या का बदला लेने का इज़राइल का लंबा इतिहास रहा है। चाहे वह 1972 में म्यूनिख ओलंपिक में इज़राइली खिलाड़ियों की हत्या करने वाले आतंकियों को चुन-चुन कर मारना रहा हो या ड्रोन हमलों में दुश्मन देशों के बड़े राजनीतिक और सैन्य चेहरों को खत्म करने का, या विदेश की धरती पर अगवा विमान से इज़राइली नागरिकों को दुस्साहकि तरीके से छुड़ा कर लाने का। इज़राइल का दुश्मनों पर सीधी कार्रवाई करने का पुराना रिकॉर्ड रहा है और उसके इन अभियानों को अंजाम देने में सबसे आगे रही है उसकी खुफिया एजेंसी मोसाद।

1. 1972 का ऑपरेशन रैथ ऑफ गॉड : दुश्मन देशों की जमीन पर ही दुश्मनों को खत्म करने का इज़राइल का इतिहास उसकी आजादी के बाद से ही शुरू हो गया था। हालांकि, उसके ज्यादातर हमले गुप्त ही रहे। इज़राइल ने खुलेतौर पर अपने दुश्मनों को खत्म करने का ऐलान पहली बार 1970 के दशक में किया, जब म्यूनिख ओलंपिक के दौरान कुछ फलस्तीनी आतंकियों ने जर्मनी में ही 11 इज़राइली खिलाड़ियों को मौत के घाट उतार दिया था। इस घटना के बाद खुफिया एजेंसी मोसाद ने बदला लेने के लिए ऑपरेशन रैथ ऑफ गॉड शुरू किया था। इस अभियान के तहत इज़राइल ने म्यूनिख हमले के पीछे रहे ब्लैक सेप्टेम्बर संगठन के एक-एक सरगना को ढूंढ़ कर मारा। चौंकाने वाली बात यह है कि इज़राइल ने इस दौरान अपने से कहीं बड़े और खतरनाक सशस्त्र बल को निशाना बनाया था। दुनिया में आज भी मोसाद के इस अभियान की चर्चा की जाती है।

2. 1976 का ऑपरेशन थंडरबोल्ट : अरब के आतंकियों द्वारा हाइजैक फ्रांसीसी विमान को मोसाद अपने 94 नागरिकों के साथ युगांडा से मुक्त कराकर लाई थी। यह ऑपरेशन काफी चर्चित रहा था। इस ऑपरेशन में इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू के भाई योनातन नेतन्याहू की जान चली गई थी।

3. 1960 में रूसी मिग-21 को इज़राइल लाना : उस दौर में सोवियत संघ रूस का मिग-29 सबसे उन्नत लड़ाकू विमान माना जाता था। इसे पाने में जब अमेरिका की सीआईए भी विफल रही तो फिर मोसाद की महिला एजेंट ने 1964 में इसे कर दिखाया। हालांकि, 1962 में इसी मिशन पर एक मोसाद एजेंट पकड़ा गया था, जिसे फांसी दे दी गई थी।

4. 1960 अर्जेंटीना में सीक्रेट मिशन : मोसाद ने अर्जेंटीना में 1960 में एक सीक्रेट मिशन को अंजाम देते हुए नाजी युद्ध के अपराधी एडोल्फ एकमैन को गुपचुप तरीके से अपहरण करके इज़राइल ले आई। बाद में मुकदमा चलाकर उसे सजा दी गई। इस मिशन को पांच एजेंट्स ने पूरा किया था।

5. 2020 ईरानी परमाणु वैज्ञानिक का खात्मा : नवंबर 2020 में ईरान के सैन्य परमाणु कार्यक्रम शीर्ष वैज्ञानिक ब्रिगेडियर जनरल मोहसिन फखरीजादेह की हत्या कर दी गई है। हालांकि, मोसाद ने तब इसकी जिम्मेदारी खुले तौर पर नहीं ली, लेकिन जून 2021 में मोसाद के मुखिया ने इसे लेकर अहम खुलासे किए थे।

6. विदेश में ऐसे ही अन्य ऑपरेशन : मोसाद ने अमेरिका के लिए ईरान में घुस कर अलकायदा के नंबर दो आतंकी अल मसरी को मार गिराया। फिर ईरान में घुस कर आतंकी अबु मोहम्मद का भी खात्मा किया। फिलस्तीनी नेता यासिर अराफात के राइट हैंड खलील अल वजीर उर्फ अबू जिहाद को ट्यूनिशिया में टूरिस्ट बनकर गए मोसाद के एजेंट ने परिवार के सामने ही 70 गोलियां मारी थीं। अपने ही देश के परमाणु कार्यक्रम की जानकारी लीक करने वाले बागी वैज्ञानिक वनुनु को पकड़ने के लिए मोसाद ने अपनी कातिल जांबाज हसीनाओं का इस्तेमाल किया और उसे प्रेम जाल में फंसाकर वापस इज़राइल ले आई।

### इज़राइल-हमास...

इज़राइल पर बीते साल 7 अक्टूबर को हुए हमले के पीछे भी इस्माइल हानिया की अहम भूमिका थी और यही वजह थी कि इस्माइल हानिया इज़राइली सुरक्षा बलों के निशाने पर था। इस्माइल हानिया कतर में रह रहा था और बताया जाता है कि वहां वह ऐशो-आराम की जिंदगी जी रहा था। इज़राइल पर 7 अक्टूबर को हुए हमले को उसने अपने ऑफिस में टीवी पर देखा था और हमले का समर्थन किया था। इस्माइल हानिया का जन्म 29 जनवरी 1962 को गाजा पट्टी के शाती शरणार्थी शिविर में हुआ था। इज़राइल और फिलस्तीन के बीच गाजा पट्टी हमेशा से विवाद का कारण रहा है। ऐसे में गाजा पट्टी में रहने के दौरान इस्माइल हानिया के मन में फिलस्तीन को एक अलग देश बनाने की इच्छा पनपी। इस्माइल हानिया का बड़ा परिवार है और उसके 13 बच्चे हैं। हालांकि बीते दिनों एक इज़राइली हमले में उसके तीन बेटों समेत परिवार के कई सदस्य मारे गए थे।

इस्माइल हानिया ने गाजा की इस्लामिक यूनिवर्सिटी से अरब साहित्य में स्नातक किया था और यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान ही वह हमास के संपर्क में आया। इस्माइल हानिया, मुस्लिम ब्रदरहुड से भी जुड़ा और यूनिवर्सिटी में वह मुस्लिम ब्रदरहुड की छात्र परिषद का प्रमुख भी रहा था। इस्माइल हानिया 90 के दशक में हमास से जुड़ा और शुरुआत में वह हमास की चैरिटेबल गतिविधियों से जुड़ा और बाद में हमास की राजनीतिक शाखा से जुड़ गया। समय के साथ हमास में हानिया की अहमियत बढ़ती गई और दूसरे इंतेफादा के दौरान वह हमास के शीर्ष नेतृत्व की नजरों में आ गया। साल 2006 में गाजा में हुए चुनाव में हमास को जीत मिली और इस्माइल हानिया को फलस्तीनी अथॉरिटी की प्रधानमंत्री बनाया गया। हानिया के प्रधानमंत्री बनने के बाद गाजा में अपने प्रतिद्वंदी संगठन फतह के साथ हमास के मतभेद बढ़े और साल 2007 में हुए हिंसक संघर्ष के बाद फतह को गाजा पट्टी का इलाका छोड़ना पड़ा और फतह वेस्ट बैंक में ही सीमित हो गया। फतह के गाजा छोड़ने के बाद गाजा में हमास को कोई चुनौती देने वाला नहीं बचा। इसके बाद हमास और इज़राइल में संघर्ष बढ़े। इस्माइल हानिया बीते कुछ वर्षों से हमास और फतह के बीच सुलह कराने की कोशिश में जुटा था। अब इस्माइल हानिया की मौत से हमास को बड़ा झटका लगा है और यकीनन यह इज़राइल की बड़ी कामयाबी है।

### विपक्षी नेता की ...

उन्होंने आरोप लगाया कि भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने और विदेशी निवेशकों को यह संदेश देने की साजिश की जा रही है कि देश निवेश के लिए सुरक्षित नहीं है।

लोकसभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि किसी भी राज्य को धन देने से इनकार नहीं किया गया है। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व की यूपीए सरकार के बजट भाषण में भी सभी राज्यों के नामों का उल्लेख नहीं किया गया था। उन्होंने कहा, मैंने 2004 से 2008 तक के सभी बजट भाषण सुने। किसी में भी सभी राज्यों के नाम नहीं थे। 2004-05 में 17 राज्यों का नाम नहीं लिया गया था। मैं तत्कालीन यूपीए सरकार के सदस्यों से पूछती हूं कि क्या उन 17 राज्यों को पैसा नहीं दिया गया? क्या उन्होंने इसे रोक दिया? कई विपक्षी सदस्यों ने दावा किया था, सिर्फ बिहार व आंध्र प्रदेश के लिए फंड दिए गए, अन्य राज्यों को कुछ भी नहीं मिला। निर्मला इन्हीं टिप्पणियों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा, भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली वैश्विक अर्थव्यवस्था है। भारी पूंजीगत खर्च के कारण महामारी के बाद के प्रभावों पर काबू पा लिया गया है। सरकार राजकोषीय घाटे के लक्ष्य का अनुपालन कर रही है। यह चालू वित्त वर्ष के लिए लक्षित 4.9 प्रतिशत से 2025-26 तक घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे ले आएगा। 2023-24 में घाटा 5.6 फीसदी था।

निर्मला ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर हमला करते हुए पूछा, राजीव गांधी फाउंडेशन में कितने एससी हैं? कुल नौ लोग हैं, मगर एससी कोई नहीं है। राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी में 5 लोग हैं, वहां भी कोई एससी नहीं है। राहुल ने दावा किया था कि बजट बनाने वाले 20 अफसरों में से एससी एक भी नहीं है। वित्त मंत्री ने जवाहरलाल नेहरू का एक कोट पढ़ा, जिसमें उन्होंने आरक्षण का विरोध किया था। उन्होंने कहा, मंडल कमीशन की रिपोर्ट को इंदिरा सरकार ने किनारे कर दिया था। यह वही कांग्रेस है, जिसका नारा था, न जात पर न पात पर मुहर लगेगी हाथ पर। और आज फोटो दिखाकर ओबीसी, एससी, एसटी के बारे में पूछा जा रहा है। निर्मला ने कहा, पूर्व पीएम राजीव गांधी ने एक इंटरव्यू में कहा था, आरक्षण के नाम पर मूर्खों को प्रोन्नत नहीं किया जाएगा। (नो प्रमोशन ऑफ इडियट्स इन द नेम ऑफ रिजर्वेशन)।

वित्तमंत्री ने कहा, ग्रामीण विकास के लिए इस वर्ष 2.66 लाख करोड़ रखे गए हैं। यह पिछले साल से 11.7 प्रतिशत ज्यादा है। जबकि यूपीए के समय शहरी विकास के लिए 2013-14 में सिर्फ 12,000 करोड़ रुपए था। वित्तमंत्री ने कहा कि सामाजिक समावेशिता और भौगोलिक समावेशिता बजट के दो मुख्य फोकस हैं। व्यय में तेजी से वृद्धि हुई है। यह अब 48.23 लाख करोड़ रुपए है। स्वास्थ्य क्षेत्र का खर्च 72,000 करोड़ से बढ़कर 1.46 लाख करोड़ रुपए हो गया है। बजट में पिछले साल की तुलना में कहीं भी कम आवंटन नहीं किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा, 48.21 लाख करोड़ के बजट में से पूंजीगत व्यय के लिए 11.11 लाख करोड़ आवंटित किए हैं।

वित्तमंत्री ने कहा, जुलाई में जारी एसबीआई रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने 2014 से 2023 के बीच 12.5 करोड़ नौकरियां पैदा कीं। यूपीए सरकार के 10 साल के दौरान यह संख्या सिर्फ 2.9 करोड़ थी। कोरोना के बाद बेरोजगारी दर घटी है। यह 2017-18 में 6 प्रतिशत से 2022-23 में 3.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई है। 15-29 वर्ष के आयु वर्ग के लिए युवा बेरोजगारी 2017-18 में 17.8 प्रतिशत से 2022-23 में 10 फीसदी हो गई।

वित्तमंत्री ने कहा कि बिना विरोध के कोई भी बहस नहीं होती। पीएम बोलने के लिए खड़े हुए तो सबसे अधिक व्यवधान हुआ। अफसोस है कि सवाल करने वालों को जवाब नहीं सुनना। वित्त मंत्री ने कहा, यूपीए सरकार के पहले कार्यकाल में 2004-05 में वित्त मंत्री ने 17 राज्यों का नाम नहीं लिया। क्या उन राज्यों को पैसा नहीं मिला। 2005-2006 में 18, 2006-2007 में 13 राज्यों का नाम नहीं गिनाया। 2007-2008 में 16 राज्यों, 2008-2009 में 13 राज्यों का नाम नहीं था। 2009-2010 में 26, 2010-2011 में 19राज्यों के नाम शामिल नहीं थे। सीतारमण ने बताया कि विभिन्न सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं के लिए पिछले साल की तुलना में बजट आवंटन बढ़ा है। 2013-14 में कृषि और संबद्ध क्षेत्र का आवंटन 30,000 करोड़ रुपए था, जबकि अब यह 1.52 लाख करोड़ रुपए है। यह पिछले साल की तुलना में 8,000 करोड़ अधिक है।

शिक्षा, रोजगार और कौशल क्षेत्र में 2013-14 में 85,000 करोड़ आवंटित किए गए थे। अब यह 1.48 लाख करोड़ रुपए है। यह पिछले साल की तुलना में 23 फीसदी और 28,000 करोड़ अधिक है। महिलाओं और लड़कियों के लिए 3.27 लाख करोड़ रुपए रखे गए हैं। यह पिछले साल की तुलना में 96,000 करोड़ अधिक हैं। वित्तमंत्री ने कहा, सरकार का खर्च तेजी से बढ़कर 48.21 लाख करोड़ हो गया है। 2023-24 में इसमें 7.3 फीसदी और 2023-24 के पूर्व-वास्तविकों की तुलना में 8.5 फीसदी की वृद्धि का अनुमान है।

राहुल गांधी के बजट का हलवा वाले बयान पर उन्होंने कहा, यह वित्त मंत्रालय के कर्मचारियों के लिए भावनात्मक मामला है, जो बजट प्रस्तावों की गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए पांच रातें और चार दिन क्वारंटीन में बिताते हैं। आप इतने भावनात्मक मामले को हल्के में कैसे ले सकते। हलवा सेरेमनी की फोटो पर कहा कि यह परंपरा 2013-14 में यूपीए ने शुरू की थी। निर्मला ने पूछा, तब उस फोटो में कितने एससी, एसटी और ओबीसी थे? इसे तब क्यों नहीं खत्म कर दिया गया?

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बजट में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को 17,000 करोड़ रुपए की पर्याप्त वित्तीय सहायता दी गई है। इसमें जम्मू-कश्मीर पुलिस की लागत के वित्तपोषण के लिए 12,000 करोड़ शामिल हैं। यह वह बोझ है जिसे हम अपने कंधों पर लेना चाहते हैं। लोकसभा ने 2024-25 के लिए जम्मू-कश्मीर के बजट को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। वित्त मंत्री ने कहा, पश्चिम बंगाल की सीएम और वित्त मंत्री भी कलकत्ता विवि से पढ़े हैं (हार्वर्ड या ऑक्सफोर्ड से नहीं)। मैं पूछना चाहती हूं कि क्या वे भी विचारों से रहित हैं? बंगाल की धरती से, जिसने हमें वंदे मातरम दिया, आज हमारे पास प्रोफेसर सौगत रॉय (तृणमूल सांसद) हैं, जिन्होंने टिप्पणी की थी कि मैं नए विचारों से वंचित हूं, क्योंकि मैं जेएनयू से हूं, हार्वर्ड या ऑक्सफोर्ड से नहीं। निर्मला ने कहा, वह खुद एक भारतीय विवि में पढ़ाते हैं। उन्हें खुद पर शर्म आनी चाहिए। वित्तमंत्री ने महंगाई पर कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि हार्वर्ड और ऑक्सफोर्ड से पढ़ने वालों की सरकार में 2008 में ग्लोबल फाइनेंस क्राइसिस महंगाई चरम पर थी। अटल सरकार में महंगाई 3 प्रतिशत के आसपास थी, जो यूपीए सरकार में 8.1 फीसदी पर पहुंच गई। कांग्रेस आई और महंगाई लाई।वित्तमंत्री ने एससी-एसटी की अनदेखी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा, घपले खुद की सरकार में हो रहे और पाठ हमें पढ़ाया जा रहा। उन्होंने कर्नाटक में एससी-एसटी सबफंड से पैसे निकाले जाने का जिक्र किया और कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी से कहा कि आप अपने नेता से पूछो कर्नाटक में एससी की हालत कैसी है। वित्तमंत्री ने कहा, एसटी के लिए 2023-24 के बजट में 1,19,706 करोड़ के मुकाबले इस बार 1,24,909 करोड़ रुपए दिए गए। तृणमूल कांगेस पर निशाना साधते हुए वित्तमंत्री ने कहा, दावा किया जा रहा है कि पश्चिम बंगाल को कुछ नहीं दिया गया है। पीएम मोदी की दी गई कई योजनाएं बंगाल में लागू भी नहीं की गईं और अब सवाल पूछने की हिम्मत दिखा रहे।

### जिनकी जाति का...

कांग्रेस नेता के भाषण पर आज पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि कमल महालक्ष्मी का आसन है और राष्ट्रीय फूल भी है। कमल का एक नाम राजीव भी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने महाभारत ग्रंथ देखा भी नहीं है। अपने भाषण के दौरान अनुराग ठाकुर ने जातिगत जणगणना को लेकर बिना किसी का नाम लिए तंज कसा कि जिनकी जाति का पता नहीं वे गणना की बात करते हैं। इस पर सदन में कुछ देर हंगामा हुआ। विपक्ष के नेता सदन के बीचोबीच आ गए। राहुल गांधी ने दो बार इस पर अपनी बात रखी।

इस टिप्पणी पर सपा नेता अखिलेश यादव ने आपत्ति जताई। इस पर पीठासीन अधिकारी जगदंबिका पाल ने कहा कि जाति का विषय होगा तो उसे कार्रवाई से हटा दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कल राहुल गांधी ने सदन में कहा था कि बजट का हलवा कुछ उद्योगपतियों को मिला है। उन्होंने अभिमन्यु का उदाहरण दिया और कहा था कि सरकार ने जनता के लिए पद्मव्यूह रचा है। उनका इशारा कमल की फूल की ओर था जो कि भाजपा का चुनाव चिन्ह है। कांग्रेस नेता के भाषण पर आज पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि कमल महालक्ष्मी का आसन है और राष्ट्रीय फूल भी है। कमल का एक नाम राजीव भी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने महाभारत पुस्तक देखी भी नहीं है।

अनुराग ठाकुर ने विपक्ष के प्रपंच की हवा निकाल दी। जब अखिलेश यादव ने कहा कि वो मिलिट्री स्कूल में पढ़े हुए हैं तो अनुराग ठाकुर ने करारा जवाब देते हुए कहा कि वो आज भी टेरिटोरियल आर्मी की 124वीं रेजिमेंट में कैप्टन के रैंक पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने अखिलेश यादव को सलाह दी कि वो ज्ञान न बांटे, राहुल गांधी के साथ मिल कर अफवाह न फैलाएं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि एक नेता ने संसद में खड़े होकर कमल पर कटाक्ष किया, पता नहीं कमल से उनका क्या विरोध है। उन्होंने याद दिलाया कि राजीवनाम का अर्थ भी कमल होता है। बता दें कि राहुल गांधी के पिता का नाम राजीव गांधी था। अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी ने राजीवशब्द को हिंसा के साथ जोड़ा। उन्होंने इस दौरान याद दिलाया कि मां लक्ष्मी का आसन कमल है, हमारे राष्ट्रीय पुष्प कमल है, भगवान शिव पद्मासन में होते हैं और लोकमान्य गंगाधर तिलक ने पद्मासन में ही समाधि ली थी।

उन्होंने राहुल गांधी को सलाह दी कि केवल रील के नेता मत बनिए, रियल नेता बनने के लिए सच बोलना पड़ता है। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि कुछ लोग एक्सीडेंटल हिंदू हैं, और उनका महाभारत का ज्ञान भी एक्सीडेंटल ही है। उन्होंने कहा कि महाभारत में 7 महारथियों ने मिल कर अभिमन्यु का वध किया था, लेकिन राहुल गांधी ने कभी महाभारत शायद पढ़ी या देखी भी नहीं होगी, उन्हें अंकल सैम या अंकल सोरोस ने लिख कर दिया होगा, कहीं से पर्ची बन कर आई होगी और कूल ड्यूड बनने का प्रयास किया गया।

उन्होंने कहा कि गुजरात से लेकर दिल्ली तक जिस अभिमन्यु को घेरने की कोशिश कर रहे हैं पिछले 22 वर्षों से, आपकी सरकारें निपट गईं लेकिन आप उन्हें नहीं निपटा पाए क्योंकि वो जनता के दिलों में बसते हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि भले ही आपके पास नारायणी सेना हो, लेकिन हमारे साथ स्वयं श्रीकृष्ण हैं, धर्म हमारे साथ हैं। उन्होंने एनडीए सांसदों की संख्या गिनाते हुए कहा कि यहां 293 अभिमन्यु बैठे हैं। उन्होंने कहा हमारे साथ हैं श्री रघुनाथ तो किस बात की चिंता, शरण में रख दिया हाथ तो किस बात की चिंता।

अनुराग ठाकुर ने इस दौरान कांग्रेस के हलवावाले कमेंट पर घोटाले पर घोटाले गिनाते हुए कहा कि इन घोटालों का हलवा किसने खाया? उन्होंने कहा कि जैसे मदारी के कंधे पर बंदर होता है, वैसे ही राहुल गांधी के कंधे पर झूठ का बंडल होता है। उन्होंने कहा, जीप घोटाले का हलवा किसने खाया? इसी तरह उन्होंने कोयला, अंतरिक्ष, सबमरीन, अगस्ता-वेस्टलैंड, 2-जी स्कैम, कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला और चारा घोटाला जैसे स्कैम्स का नाम लेते हुए राहुल गांधी से पूछा कि हमवा फीका था या मीठा? अनुराग ठाकुर ने कहा, इनके लिए ओबीसी का मतलब है ऑनली फॉर ब्रदर-इन-लॉ कमीशन। जिस पार्टी ने अपने पार्टी के दलित अध्यक्ष को पार्टी से बाहर निकाल दिया, उसके शहजादे हमें ज्ञान बांट रहे हैं। इन्हें समझना होगा कि एलओपी का मतलब लीडर ऑफ अपोजिशन होता है, न कि लीडर ऑफ प्रोपेगंडा। जिसे अपनी जाति का पता नहीं, वो जाति जनगणना की बात करता है। मंडल आयोग की और काका कालेलकर की रिपोर्ट पर वर्षों तक कौन बैठा रहा, इस पर जवाब देना होगा।

### डिजिटल क्रांति...

2018 से दिसंबर, 2023 के बीच करीब 27 अरब डॉलर की फंडिंग मिली है। इसमें घरेलू और विदेशी फंडिंग दोनों शामिल है।

भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है, जिसकी आबादी सबसे ज्यादा डिजिटली कनेक्टेड है। यही आबादी भारत की डिजिटल क्रांति की मजबूत स्तंभ बनकर खड़ी है। देश में 42.4 करोड़ यूपीआई यूनिक यूजर्स हैं। 95.4 करोड़ इंटरनेट सब्सक्रिप्शन है। 46.7 करोड़ सोशल मीडिया यूजर्स हैं। 116.5 करोड़ वायरलेस सब्सक्रिप्शन है। 75.0 करोड़ स्मार्ट फोन यूजर्स हैं। 138 करोड़ आधार जारी हुए हैं।

आरबीआई का कहना है कि 84 फीसदी बैंक व 35 फीसदी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां डिजिटल बैंकिंग समाधान पेश करने के लिए फिनटेक से साझेदारी कर रही हैं। 92 फीसदी बैंकों और 60 फीसदी एनबीएफसी का मानना है कि फिनटेक का साथ डिजिटल बैंकिंग समाधान पेश करने में मददगार साबित हो रहा है। 2014 से अब तक 116 अरब से अधिक आधार आधारित और 20 अरब से ज्यादा ई-केवाईसी प्रमाणीकरण हुए हैं। इससे अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में मदद मिली है। जीएसटी नेटवर्क ने 1.4 करोड़ करदाताओं को जोड़ा है और 400 करोड़ से अधिक ई-वे बिल जारी किए जा चुके हैं। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के जरिये 2023-24 में 176 करोड़ लाभार्थियों को 6.9 लाख करोड़ रुपए सीधे हस्तांतरित किए गए हैं। इससे मार्च, 2023 तक करीब 3.4 लाख करोड़ रुपए की बचत हुई है।

### तेलंगाना हाईकोर्ट ने...

अदालत अंजुमने अलवी शिया इमामिया इथना अशरी अखबारी नामक संस्था द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने इबादत खाना में मजलिस, जश्न और अन्य धार्मिक प्रार्थनाओं के आयोजन के मामले में अखबारी संप्रदाय की महिलाओं को प्रवेश से प्रतिबंधित करने को चुनौती दी थी। तेलंगाना राज्य वक्फ बोर्ड से इस मसले का समाधान करने की गुहार लगाने के बाद भी जब मुद्दे का हल नहीं निकल सका, तब संस्था ने राहत के लिए अदालत का रुख किया था। वक्फ बोर्ड ने हाईकोर्ट में तर्क दिया था कि भले ही कुरान में इबादत खाना में महिलाओं के प्रवेश पर कोई स्पष्ट प्रतिबंध नहीं है, बावजूद इसके धार्मिक भावनाओं और परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन कोर्ट ने उसे मानने से इनकार कर दिया। इससे पहले 11 दिसंबर, 2023 को कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश जारी कर संबंधित अधिकारियों को अखबारी संप्रदाय की महिलाओं को मस्जिद में नमाज अदा करने की अनुमति देने का निर्देश दिया था।तेलंगाना हाईकोर्ट ने शिया मुस्लिमों के अखबारी फिरके की महिलाओं को इबादत खाना (मस्जिद) में नमाज अदा करने की इजाजत दे दी है। कोर्ट ने कहा है कि कुरान में कहीं भी महिलाओं को मस्जिद में नमाज पढ़ने से नहीं रोका गया है, ऐसे में यहां भी नहीं रोका जाना चाहिए।

महिलाओं की याचिका के खिलाफ तेलंगाना का वक्फ बोर्ड था। वक्फ बोर्ड का कहना था कि भले ही कुरान महिलाओं को मस्जिद में नमाज अदा करने से न रोकता हो लेकिन पुरानी परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए। लेकिन हाईकोर्ट ने इस दलील को मानने से इनकार कर दिया। इस संबंध में कोर्ट ने पहले भी दिसम्बर 2023 में महिलाओं को मस्जिद में नमाज पढ़ने की इजाजत दी थी और कहा था कि महिलाएं मस्जिद के भीतर नमाज के लिए जा सकती हैं। अदालत के इस आदेश के विरुद्ध वक्फ बोर्ड हाईकोर्ट पहुंच गया था। अब हाईकोर्ट ने अपना आदेश स्पष्ट कर दिया है।

### जम्मू कश्मीर में ...

सरकारी प्रवक्ता की ओर से कहा गया कि इस फैसले से उन सभी जुड़े परिवारों की मांग पूरी हो गई है, जो पिछले कई दशकों से मालिकाना हक के लिए अनुरोध कर रहे थे। अब पश्चिमी पाकिस्तान से विस्थापित लोग, पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर के विस्थापित लोगों के बराबर आ जाएंगे और उनकी लंबे समय से लंबित मांग भी पूरी हो जाएगी।यह फैसला प्रशासनिक परिषद ने लिया जिसकी बैठक श्रीनगर में जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में हुई। काउंसिल ने राज्य की भूमि के संबंध में 1965 के विस्थापित व्यक्तियों को मालिकाना हक प्रदान करने को भी मंजूरी दी है। प्रवक्ता ने कहा कि राजस्व विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि परिचालन दिशानिर्देशों में उचित सुरक्षा उपाय किए जाएं ताकि राज्य की भूमि पर किसी भी अनधिकृत अतिक्रमण जैसे किसी भी मिस यूज को रोका जा सके।आधिकारिक रिकार्ड के अनुसार, 1947 के विभाजन के दौरान पश्चिमी पाकिस्तान के क्षेत्रों से कुल 5,764 परिवार जम्मू और कश्मीर आए थे। फिर उन्हें प्रति परिवार 4 एकड़ कृषि भूमि आवंटित की गई और उन्हें जम्मू, सांबा और कठुआ जिलों में बसाया गया। अब उनकी संख्या बढ़कर 22,170 हो गई है। डब्लूपीआर के एक प्रमुख नेता लाभराम गांधी के अनुसार, इनमें से केवल 20 प्रतिशत परिवारों को ही कृषि भूमि मिली है। पश्चिमी पाकिस्तान से आने पर उन्हें 4 एकड़ प्रति परिवार की दर से कुल 46,666 कनाल (5,833.25 एकड़ के बराबर) भूमि आवंटित की गई थी।लाभराम गांधी ने इस फैसले की सराहना करते हुए कहा कि इस भूमि का केवल 50 प्रतिशत हिस्सा राज्य की भूमि है और बाकी निष्कासित है क्योंकि यह जम्मू कश्मीर के स्थानीय मुस्लिम निवासियों की है। वे मुस्लिम निवासी जो 1947 के विभाजन के बाद पाकिस्तान चले गए थे। ये डब्लूपीआर के कब्जे में है।

### भारत में हमले....

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि क्षेत्र में सबसे अधिक खतरा आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड द लेवेंट खुरासान से बना हुआ है। यह अफगानिस्तान से परे आतंकवाद का प्रदर्शन कर रहा है, जबकि अल-कायदा धैर्य अपनाने की रणनीति अपनाता है और तालिबान के साथ अपने संबंधों को प्राथमिकता देता है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), तालिबान और अल-कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) के बीच सहयोग बढ़ा है। अफगानिस्तान में जनशक्ति और प्रशिक्षण शिविरों को साझा कर रहे हैं और तहरीक-ए-जिहाद पाकिस्तान (टीजेपी) की मदद से अधिक घातक हमले कर रहे हैं। इसलिए अंदाजा लगाया जा रहा है कि टीटीपी अन्य आतंकवादी समूहों के लिए एक बचाव का माध्यम बन सकता है। टीटीपी और एक्यूआईएस के संभावित विलय से पाकिस्तान, भारत, म्यांमार और बांग्लादेश के खिलाफ खतरा बढ़ सकता है। टीटीपी के पास छह हजार से साढ़े छह हजार लड़ाकें हैं, जिसमें करीब 14,000 परिवार के सदस्य हैं।

## अगस्त माह के तीज त्योहार

# हरियाली अमावस्या से जन्माष्टमी तक आएंगे यह त्योहार

**अगस्त** के शुरुआती दो दिन शिव पूजा के लिए खास रहेंगे। इनमें पहली तारीख को प्रदोष यानी तेरहवीं तिथि रहेगी। इसके अगले दिन चतुर्दशी यानी सावन की शिवरात्रि होगी। शिव पुराण के मुताबिक ये दोनों तिथियां शिव पूजन के लिए बेहद खास मानी जाती हैं। इन तिथियों में जल और दूध से शिवलिंग की पूजा-अभिषेक करने से बीमारियां दूर होती हैं और उम्र भी बढ़ती है। हर तरह की परेशानियों से भी छुटकारा मिलता है। इन दिनों में शिव पूजन करने से महापूजा करने जितना पुण्य मिलता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि अगस्त का महीना हर साल की तरह इस साल भी ढेरों बड़े तीज-त्योहारों से लेकर आ रहा है। इनमें सावन शिवरात्रि, हरियाली अमावस्या, सावन सोमावार, हरियाली तीज, नाग पंचमी और रक्षाबंधन आदि प्रमुख हैं। इसके अलावा, अगस्त महीने में पुत्रदा और अजा एकादशी, प्रदोष व्रत, कालाष्टमी समेत कई प्रमुख व्रत त्योहार मनाए जाएंगे। वहीं, सावन का महीना 22 जुलाई से शुरू हो चुका है जो कि 19 अगस्त तक चलेगा। इसी महीने सावन माह का अंत श्रावणी पूर्णिमा के साथ होगा और भाद्रपद माह की शुरूआत होगी। भादौ माह 20 अगस्त को शुरू हो रहा है। इसके अलावा इसी महीने सावन के तीन सोमवार पड़ेंगे। 5 अगस्त, 12 अगस्त और 19 अगस्त को सावन का आखिरी सोमवार होगा।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि सावन के महीने में कई मुख्य त्योहार पड़ते हैं। मुख्य रूप से सावन का महीना

### अगस्त के महीने में आने वाले हैं ये खास व्रत-त्योहार

भगवान शिव को समर्पित है। इस दौरान शिव भक्त भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए कई प्रकार के कार्य करते हैं। वहीं, सावन के हर मंगलवार को मंगला गौरी व्रत किया जाता है। जो कि माता पार्वती को समर्पित होता है। अगस्त के महीने रक्षाबंधन, नागपंचमी, हरियाली तीज जैसे त्योहार मनाए जाते हैं

प्रदोष तिथि यानी 1 अगस्त को व्रत रखें। इस दिन सूर्योदय के वक्त शिवलिंग पर जल चढ़ाना चाहिए। साथ ही शाम को सूर्यास्त के वक्त शिवजी की विशेष पूजा करनी चाहिए। इस दिन सुबह-शाम शिवलिंग पर बिल्व पत्र और सफेद फूलों की माला चढ़ाएं। साथ ही घी का दीपक लगाएं। मिट्टी के मटके में दूध और पानी भरकर शिव मंदिर में दान करें। सावन शिवरात्रि यानी शिव चतुर्दशी 2 अगस्त को है। इस दिन भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा करनी चाहिए। इस दिन मां पार्वती को सौभाग्य सामग्री यानी 16 श्रंगार चढ़ाए जाते हैं। जिससे परिवार में सुख और समृद्धि बढ़ती है और मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। इस पर्व पर रात के चारों प्रहर में पूजा करने की परंपरा भी है। यानी सूर्यास्त के बाद हर 3 घंटे में शिव-पार्वती पूजा करने से मनोकामना पूरी होती है।

#### शिव पूजा से दूर होती है परेशानियां

सावन महीने में शिवलिंग पर पानी का कलश या घड़ा स्थापित किया जाता है। माना जाता है कि जैसे घड़े से पानी की बूंद-बूंद शिवलिंग पर गिरती है, उसी तरह परेशानियां भी पानी की तरह बहकर दूर हो जाती है। साथ ही इस महीने में शिवलिंग पर दूध चढ़ाने की परंपरा भी है। ऐसा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं, इसलिए इन दो दिनों में शिवलिंग पर जल चढ़ाना चाहिए।

#### मिलता है शिव पूजा का फल

सावन महीने में प्रदोष और शिव चतुर्दशी पर सुबह जल्दी उठकर नहाने के बाद भगवान भोलेनाथ का जल और दूध से अभिषेक करने की परंपरा है। साथ ही फलों के रस से भी अभिषेक करना चाहिए। शिव पुराण में बताया गया है कि फलों के रस से शिवजी का अभिषेक करने से हर तरह की शारीरिक और मानसिक परेशानियां दूर होती हैं। इसके बाद शिवलिंग पर मदार, धतूरा और बेलपत्र चढ़ाना चाहिए। साथ ही शिवजी को मौसमी फलों का भोग लगाएं और इन दो दिनों तक व्रत रखें। इससे शिव महापूजा का फल मिलता है।

#### अगस्त के तीज त्योहार

01 अगस्त 2024 (गुरुवार) – गुरु प्रदोष व्रत (कृष्ण)
02 अगस्त 2024 (शुक्रवार) – सावन शिवरात्रि
04 अगस्त 2024 (रविवार) – श्रावण अमावस्या, हरियाली अमावस्या
05 अगस्त 2024 (सोमवार) – तीसरा सावन सोमवार
06 अगस्त 2024 (मंगलवार) – मंगला गौरी व्रत
07 अगस्त 2024 (बुधवार) – हरियाली तीज
08 अगस्त 2024 (गुरुवार) – विनायक चतुर्थी
09 अगस्त 2024 (शुक्रवार) – नाग पंचमी
10 अगस्त 2024 (शनिवार) – कल्कि जयंती
11 अगस्त 2024 (रविवार) – तुलसीदास जयंती
12 अगस्त 2024 (सोमवार) – चौथा सावन सोमवार
13 अगस्त 2024 (मंगलवार) – मंगला गौरी व्रत
16 अगस्त 2024 (शुक्रवार) – श्रावण पुत्रदा एकादशी, सिंह संक्रांति, वरलक्ष्मी व्रत
17 अगस्त 2024 (शनिवार) – शनि प्रदोष व्रत (शुक्ल)
19 अगस्त 2024 (सोमवार) – रक्षा बंधन, श्रावण पूर्णिमा व्रत, पांचवा सावन सोमवार,
20 अगस्त 2024 (मंगलवार) – भाद्रपद माह शुरू
22 अगस्त 2024 (गुरुवार) – संकष्टी चतुर्थी, कजरी तीज, बहुला चौथ
24 अगस्त 2024 (शनिवार) – बलराम जयंती
25 अगस्त 2024 (रविवार) – शीतला सप्तमी
26 अगस्त 2024 (सोमवार) – जन्माष्टमी
27 अगस्त 2024 (मंगलवार) – दही हांडी
29 अगस्त 2024 (गुरुवार) – अजा एकादशी
31 अगस्त 2024 (शनिवार) – प्रदोष व्रत (कृष्ण)

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

# सावन शिवरात्रि पर बन रहे हैं ये सिद्धि योग

हिंदू धर्म में शिवरात्रि का बहुत महत्व माना जाता है। भोले बाबा के भक्तों के लिए शिवरात्रि का दिन काफी खास माना जाता है। इस दिन शिव कांवड़ यात्री हरिद्वार से गंगाजल लेकर आते है और भोले बाबा का अभिषेक करते है। साथ ही पूजा अर्चना करते है। शिवरात्रि के दिन भक्तों पर माता पार्वती और भोलेबाबा की असीम कृपा प्राप्त होती है।

#### शिवरात्रि पर शुभ मुहूर्त

शिवरात्रि शुभारंभ – 2 अगस्त, शुक्रवार 3.26 शाम के

शिवरात्रि समापन – 3 अगस्त, शनिवार 3.50 शाम के सवार्थ सिद्धि योग – 2 अगस्त को 10.59 सुबह से 3 अगस्त को 12.49 दोपहर तक

पूजा मुहूर्त – रात 12 बजकर 6 मिनट से 12 बजकर 49 मिनट तक

#### जलाभिषेक समय

वैसे तो सावन में किसी भी टाइम जलाभिषेक करना शुभ होता है. सावन के महीने में हर शिव भक्त भोले बाबा की भक्ति में लीन होता है। वहीं अगर आप सर्वार्थ सिद्धि योग में जलाभिषेक करते हो तो आपको मनचाहे फल की प्राप्ति होती है। आप 10.59 सुबह से कभी भी जलाभिषेक कर सकते हैं।

इन चीजों से करें रुद्राभिषेक

#### नौकरी में सफलता के लिए

नौकरी में सफलता पाने के लिए आप शहद से रुद्राभिषेक कराना चाहिए। इसके अलावा आप घर, गाड़ी और प्रॉपर्टी की प्राप्ति के लिए शहद से रुद्राभिषेक कर सकते हैं।

#### क्लेश दूर करने के लिए

परिवार मे क्लेश से मुक्ति पाने के लिए आप शक्कर से रुद्राभिषेक कर सकते हैं। इससे आपके जीवन में सुख प्राप्त होगा।

#### व्यापार में उन्नति के लिए

अगर आपके व्यापार में रुकावट आ रही है तो आप घी का रुद्राभिषेक करें। इससे आपके व्यापार में उन्नति होगी। इसके अलावा आप पुत्र की प्राप्ति के लिए भी घी का रुद्राभिषेक कर सकते हैं।

#### ग्रह दोष के लिए

कुंडली के ग्रह दोष से राहत पाने के लिए आप गंगाजल से रुद्राभिषेक कर सकते हैं। इससे शिव जी की कृपा बनती है। साथ ही आपको अपने दोष से मुक्ति मिलती है।

#### धन की कमी के लिए

धन की कमी के लिए आप गन्ने के रस से रुद्राभिषेक कर सकते हैं। संपत्ति में बढ़ोत्तरी पाने के लिए आप गन्ने के रस से अभिषेक करें।

#### सुख शांति के लिए

घर में सुख शांति और तरक्की के लिए आप दही और दूध से रुद्राभिषेक करें। इससे आपके घर के लोगों में सुख शांति बनी रहेगी। साथ ही घर के लोग तरक्की करेंगे।

#### दुश्मनों से छुटकारा पाने के लिए

दुश्मनों से छुटकारा पाने के लिए आप भस्म से रुद्राभिषेक करें। इसके अलावा अगर आफ दुश्मनों का नाश चाहते है तो आप सरसों के तेल से रुद्राभिषेक करें।

# सावन के महीने में यहां खिला दुर्लभ पारिजात का फूल

### जानें इंद्र ने क्यों दिया था इस पेड़ को श्राप?

पारिजात का फूल भगवान शिव को प्रिय माना जाता है। कहा जाता है कि सावन के महीने में इस पुष्प को भगवान शिव पर चढ़ाने से वे बहुत प्रसन्न होते हैं। मान्यता है कि यह पुष्प श्री विष्णु के कृष्ण अवतार खुद स्वर्ग से धरती लेकर आए थे। यह पूरे साल में सिर्फ सर्दी के दिनों में ही खिलता है। यह पूरे साल में सिर्फ सर्दी के दिनों में ही खिलता है।

बाराबंकी जनपद के तहसील रामनगर इलाके के बदोसराय क्षेत्र के बरौलिया गांव में पारिजात का एक पेड़ है । करीब चार माह के पतझड़ रहने के बाद पहले इस वृक्ष में हरी-भरी पत्तियां आईं और अब इस पेड़ में सैकड़ों की संख्या में स्वर्ण आभा वाले सुंदर पुष्प निकले हैं, जोकि पर्यटकों को मोहित कर रहे हैं। इन पुष्पों की खुशबू से पूरा परिसर सुगंधित बना हुआ है। जिसको देखने के लिए हर दिन हजारों की संख्या लोग पहुंच रहे हैं। यहां आने वाले सभी पर्यटक इन सुंदर पुष्पों के साथ फोटो भी ले रहे हैं..

#### कैसे धरती पर आया पारिजात का पेड़?

पौराणिक कथा के मुताबिक, एक बार भगवान कृष्ण अपनी पत्नी रुक्मणी के साथ थे, तभी नारद मुनि अपने हाथ में पारिजात का पुष्प लिए आए और उन्हें रुक्मणी को दे दिया। रुक्मणी ने इस फूल को अपने बालों में लगा लिया। पुष्प को देखकर उनकी दूसरी पत्नी सत्यभामा ने पूरे परिजात पेड़ की मांग की। इसके बाद भगवान कृष्ण ने इंद्र से पारिजात का पेड़ देने का अनुरोध किया, लेकिन इंद्र ने उनका अनुरोध ठुकरा दिया। इसके बाद युद्ध हुआ और इंद्र पराजित हुए। इस तरह युद्ध हारकर इंद्र को पारिजात का पेड़ सत्यभामा को सौंपना पड़ा। इस तरह यह वृक्ष धरती पर आ गया। लेकिन इसके बाद इंद्र ने इस वृक्ष को फल से वंचित रहने का श्राप दे दिया इसलिए इस वृक्ष में पुष्प तो आता है, पर फल नहीं आते हैं।

#### 1 महीने तक खिले रहेंगे फूल

वही यहां के लोगों का कहना है कि पारिजात वृक्ष के पुष्प को रखने से मन में शांति एवं धन की प्राप्ति होती है, जिसके लिए लोग इस सुंदर पुष्प को ले जाने के लिए व्याकुल रहते हैं। यहां के पुजारी बाबा मंगलदास ने बताया कि इस बार वृक्ष में इतनी तादाद में पुष्प आए हैं ये पुष्प के करीब एक माह तक इसी तरह खिले रहेंगे जिससे सुंदरता बनी रहेगी।

# सावन में भोले भंडारी का इन 5 वस्तुओं से करें अभिषेक

**भोलेनाथ की आराधना का सबसे पावन मास सावन चल रहा है। शिवालयों में हर - हर महादेव के जयकारे तेजी से गूंज रहे हैं। भक्त भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए करने के लिए सहस्त्रधारा से उनका अभिषेक कर रहे हैं। कोई भोलेनाथ का खास और भस्म श्रृंगार कर, अन्य कई तरीकों उन्हें रिझाने की कोशिश कर रहा है।**

**अगर आप भोलेनाथ को अपनी भक्ति से सावन मास में प्रसन्न करना चाहते हैं तो कुछ वस्तुएं ऐसी हैं जिन्हें आप सावन मास में अर्पण कर सकते हैं। इससे भोलेभंडारी न प्रसन्न होंगे। बल्कि, जीवन के सभी रोग - दोष भी समाप्त कर देंगे। ज्योतिषियों के अनुसार सावन में कुछ खास चीजों से भोलेनाथ का अभिषेक करने से घर में कभी धन की कमी नहीं होगी और शत्रुओं से भी छुटकारा मिल जाएगा। आदिदेव भोलेनाथ आपकी सभी मनोवांछित इच्छाएं भी पूरी करेंगे।**

#### इन 5 तत्वों से जरूर करें अभिषेक

सावन में भोलेनाथ की सेवा पूजा कच्चे दूध, दही, शहद, घी और और बूरा चढ़ाकर जरूर करनी चाहिए। इसे पंचामृत कहते हैं। इन पांच चीजों यानी पंचामृत चढ़ाने से भोलेनाथ सभी

मनोवांछित इच्छाओं को पूरी कर देते हैं।

#### शत्रुओं का करें नाश

सावन में अगर सरसों के तेल से शिव का रुद्राभिषेक करते हैं तो इससे आपका शत्रुदोष समाप्त हो जाएगा। सावन में इस उपाय को करने से आपके जीवन से शत्रुओं का नाश हो जाएगा।

#### धन प्राप्ति के उपाय

अगर आप अपने जीवन में खूब सारा धन चाहते हैं तो सावन मास में शुद्ध मधु से भोलेनाथ का अभिषेक करें। ज्योतिषी का कहना है शहद से भोलेनाथ का अभिषेक करने से घर में कभी धन की कमी नहीं आती है।

#### संतान की प्राप्ति के लिए करें यह

पं। मनीष उपाध्याय बताते हैं अगर आप सावन में भोलेनाथ से संतान, पुत्र और पौत्र की प्राप्ति चाहते हैं तो दूध से भोलेनाथ की खूब सेवा करें। भोलेनाथ न केवल इन चीजों से प्रसन्न होते हैं बल्कि प्रकृति ने हमें ऐसी कई औषधि दी हैं जिनसे वो प्रसन्न होते हैं। इन औषधियों को चढ़ाने के बाद कैसा भी असाध्य रोग क्यों ना हों वह भी पूरी तरह समाप्त हो जाता है।

#### असाध्य रोगों से मुक्ति पाएं

भोलेनाथ की आराधना में औषधियों का भी काफी महत्व हैं। बहुत सारी ऐसी औषधि हैं जिनसे भोलेनाथ को स्नान कराने से वह प्रसन्न हो जाते। कुशोदक एक ऐसी ही औषधि है। चाहें कैसा भी रोग क्यों ना हो, सावन मास में अगर कुशा के जल से भोलेनाथ का स्नान कराया जाए तो वह रोग भी समाप्त हो जाता है।

# बॉक्स ऑफिस पर तूफान बनी हुई है कल्कि 2898 एडी, 33वें दिन भी की करोड़ों में कमाई

नाग अश्विन के निर्देशन में बनी फिल्म कल्कि 2898 एडी को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक महीना से ज्यादा हो गया है लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अब भी जोरदार परफॉर्म कर रही है। डेडपूल एंड वूल्वरिन जैसी नई रिलीज से कड़े मुकाबले के बावजूद फिल्म की कमाई की रफ्तार धीमी होने का नाम नहीं ले रही है। चार हफ्तों तक दमदार कलेक्शन करने बाद फिल्म ने पांचवें वीकेंड पर भी हुंकार भरी और शानदार कलेक्शन कर लिया। चलिए यहां जानते हैं कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 33वें दिन यानी पांचवें मंडे कितनी कमाई की है?कल्कि 2898

एडी ने इतिहास रच दिया है। फिल्म रिलीज के पहले दिन से नोटों में खेल रही है और बॉक्स ऑफिस पर एक महीने बाद भी मजबूती से डटी हुई है। फिल्म की दमदार कहानी और इसके जबरदस्त वीएफएक्स का जादू दर्शकों के सिर चढ़ा हुआ है जिसके चलते महीने भर बाद भी फिल्म को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक सिनेमाघरों तक खींचें चले आ रहे रहे हैं। दिलचस्प बात ये है कि कल्कि 2898 एडी तमाम नई रिलीज फिल्मों से मुकाबला करते हुए करोडों में कमाई कर रही है। ये फिल्म अब तक भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर चुकी है लेकिन इसकी रफ्तार पर ब्रेक लगता नजर नहीं आ रही है।कल्कि 2898 एडी की अब तक की कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 95.3 करोड़ से खाता खोला था। फिर पहले हफ्ते में फिल्म ने 414.85 करोड़ कमाए और दूसरे हफ्ते में फिल्म का कलेक्शन 128.5 करोड़ रुपये रहा. वहीं तीसरे हफ्ते में कल्कि 2898 एडी की कमाई 56.1 करोड़ रुपये रही और चौथे हफ्ते का कलेक्शन 24.4 करोड़ रुपये रहा। वहीं अब फिल्म रिलीज के पांचवें हफ्ते में है। जहां पांचवें फ्राइडे कल्कि 2898 एडी ने 1.25 करोड़ कमाए तो पांचवें शनिवार फिल्म ने 2.9 करोड़ और पांचवें रविवार 4 करोड़ का कलेक्शन किया। अब फिल्म की रिलीज के पांचवें मंडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं।सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के पांचवें मंडे भी 1.25 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसके बाद कल्कि 2898 एडी का 33 दिनों का कुल कारोबार अब 633.25 करोड़ रुपये हो गया है।कल्कि 2898 एडी ने कमाल कर दिखाया है। फिल्म रिलीज के साथ ही तमाम रिकॉर्ड अपने नाम कर रही है। वहीं बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाते हुए कल्कि 2898 एडी को एक महीने से ज्यादा हो गया और फिलहाल फिल्म का टिकट काउंट से हटने का मूड नहीं लग रहा है। ऐसा लग रहा है कि कल्कि 2898 एडी ने जिद पकड़ ली है कि ये शाहरुख खान की साल 2023 की ब्लॉकबस्टर जवान के इंडियन लाइफ टाइम कलेक्शन 643.87 करोड़ को तोड़ कर ही दम लेगी। वैसे कल्कि 632 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है और जवान को मात देने से वो बस कुछ ही करोड़ पीछे है।

## सोनू सूद के बर्थडे पर फतेह की रिलीज डेट का ऐलान

### जैकलीन फर्नांडिस संग आया एक्टर का फर्स्ट लुक

बॉलीवुड के दमदार अभिनेता और गरीबों के मसीहा सोनू सूद अपने 51वां बर्थडे के मौके पर एक्टर को उनके फैंस और सेलेब्स दोस्त बधाईयां दे रहे हैं। वहीं, सोनू सूद ने भी अपने चाहने वालों को रिटर्न गिफ्ट में अपनी अपकमिंग एक्शन थ्रिलर फिल्म फतेह की रिलीज डेट का एलान किया है। साथ ही सोनू ने फिल्म से अपना और फिल्म की लीड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस का फर्स्ट लुक पोस्टर भी शेयर किया है। सोनू सूद लंबे समय से अपनी फिल्म फतेह पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन खुद सोनू सूद ने किया है।जी स्टूडियो के बैनर तले बनी फिल्म फतेह को खुद सोनू सूद ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में वह लीड रोल में होंगे और जैकलीन फर्नांडिस फीमेल लीड रोल प्ले करेंगी। सोनू सूद ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 30 जुलाई को आखिरकार फतेह की रिलीज डेट का एलान कर ही दिया है। फिल्म अगले साल 10 जनवरी 2025 को रिलीज होगी। फैंस के लिए रिटर्न गिफ्ट पोस्ट शेयर कर सोनू ने लिखा है, 10 जनवरी, देश की बेस्ट एक्शन फिल्म के लिए तैयार रहें। जी स्टूडियो ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, फतेह के साथ शानदार, अनदेखे, एक्शन पैक्ड एक्सपीरियंस को लेने के लिए खुद को तैयार कर लो।

## लाइफ हिल गई सीरीज में आखिर क्या आया कुशा कपिला को पसंद?

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से एक्ट्रेस बनीं कुशा कपिला ने अपनी कड़ी मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में पहचान बनाई है। इन दिनों वह अपनी नई सीरीज लाइफ हिल गई को लेकर चर्चाओं में हैं। उन्हें इस सीरीज में जो पसंद आया, वह यह कि उनके किरदार कल्कि को बेहद आम इंसान की तरह दिखाया गया है।कुशा ने कहा, मैं 2017 से कंटेंट बना रही हूं और 2019 से मैंने अपना खुद का काम शुरू किया। मैंने साउथ दिल्ली की एक लड़की का किरदार निभाया है, जो अमीर है।.. उसे दूसरों की परवाह नहीं है। इसलिए, जब मुझे इस तरह का किरदार निभाने के लिए चुना गया, तो मुझे यह सही लगा।एक्ट्रेस ने आगे कहा, शो में मुझे जो खास पसंद आया, वह यह है कि मेरे किरदार को बेहद आम इंसान की तरह दिखाया गया है।कुशा ने कहा, जब हम किसी किरदार को छोटे स्केच या रील्स में दिखाते हैं, तो हम उन्हें थोड़ा कार्टून जैसा या मजाकिया बना सकते हैं। लेकिन जब हम उन्हें पर्दे पर दिखाते हैं, तो हमें उन्हें ज्यादा वास्तविक और सही तरीके से दिखाना होता है।उन्होंने कहा, शुरुआती विचार मेरे काम से जुड़ा हो सकता है, लेकिन इमोशनल और कॉमेडी के पीछे डायरेक्टर्स और राइटर्स है, जो सभी किरदारों को खास बनाना चाहते है।

### सलमान खान के भांजे का सॉन्ग पार्टी फीवर रिलीज

## भाईजान का दिखा दमदार और डैशिंग कैमियो

सलमान खान वाकई सबसे बड़े सुपरस्टार हैं और स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी हमेशा सबको दीवाना बना देती है ।

सलमान खान में एक खास चार्म और ग्लैमर है, जो उनकी एक छोटी सी मौजूदगी को भी लाखों के भीड़ में अलग बनाती है। बता दें कि सलमान खान ने लेटेस्ट सॉन्ग पार्टी फीवर में कैमियो किया है, जिसमें अयान अग्निहोत्री उर्फ अग्नि और पायल देव को देखा जा सकता है। अयान अग्निहोत्री सुपरस्टार सलमान खान के भांजे हैं।इस लेटेस्ट सॉन्ग पार्टी फीवर में सलमान खान, अयान अग्निहोत्री अग्नि और पायल देव के साथ में हैं।यह गाना आज रिलीज हो चुका है और सबको पार्टी के जोश में भरने के लिए तैयार है। सॉन्ग पार्टी फीवर के लाइवली ट्यून्स और कैची बिट्स, पार्टी क्लब के बैकड्रॉप के साथ, जोश से भरा माहौल बनाते हैं।

वहीं, सलमान खान अपने इलेक्ट्रिफाइंग कैमियो से सभी का दिल जीत रहे हैं। सॉन्ग में सलमान खान का कैमियो लुक डैशिंग है। बेहद शानदार दिख रहे सलमान खान ने अपने कैमियो के साथ इस पार्टी सॉन्ग के लिए एकदम सही मूड सेट किया है।

इसके अलावा फिल्मों की बात करें तो, सलमान खान ईद 2025 पर साजिद नाडियाडवाला द्वारा प्रोड्यूस और एआर मुरुगडोस द्वारा डायरेक्टेड सिकंदर के साथ आ रहे हैं। सलमान खान को पिछली बार फिल्म टाइगर 3 में देखा गया था।

### करण जौहर की वेब सीरीज ग्यारह ग्यारह का ट्रेलर जारी

## सस्पेंस और एक्शन का दिखा दम

करण जौहर पिछले कुछ समय से अपनी आगामी वेब सीरीज ग्यारह ग्यारह को लेकर चर्चा में हैं।करण जानी-मानी निर्माता गुनीत मोंगा के साथ मिलकर यह सीरीज बना रहे हैं।इस सीरीज में राघव जुयाल और धैर्य कारवा मुख्य भूमिका नजर आएंगे। कृतिक कामरा भी इस सीरीज में अहम भूमिका निभा रही हैं।अब ग्यारह ग्यारह का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो सस्पेंस और एक्शन से भरपूर है। इसमें राघव और कृतिका गुत्थी सुलझाते हुए नजर आ रहे हैं।इस सीरीज का प्रीमियर 9 अगस्त, 2024 से ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर होने जा रहा है। जी5 ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर ग्यारह ग्यारह का ट्रेलर साझा किया है। उन्होंने लिखा, क्या समय की चूक से अनसुलझे अपराधों का खुलासा हो सकता है?राघव इस सीरीज के जरिए दूसरी बार करण के साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों हाल ही में रिलीज हुई फिल्म किल के लिए साथ आए थे।इस सीरीज का निर्देशन उमेश बिष्ट ने किया है। इस सीरीज का प्रीमियर 9 अगस्त, 2024 से जी5 पर होगा। जी5 ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर ग्यारह ग्यारह का ट्रेलर साझा किया है। उन्होंने लिखा, क्या समय की चूक से अनसुलझे अपराधों

का खुलासा हो सकता है? राघव इस सीरीज के जरिए दूसरी बार करण जौहर के साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले राघव, करण जौहर की हाल ही में रिलीज हुई किल में भी नजर आए हैं।ग्यारह ग्यारह दो अलग-अलग युगों के पुलिस अधिकारियों की एक रोचक कहानी है, जो एक रहस्यमय वॉकी-टॉकी से जुड़े हैं और अतीत और वर्तमान पर इसका प्रभाव पड़ता है। 1990 के दशक के वरिष्ठ जासूस शौर्य अंथवाल (धैर्य करवा) और एक युवा पुलिस अधिकारी युग आर्या (राघव जुयाल ) खुद को एक ऐसे संचार उपकरण से जुड़ा हुआ पाते हैं, जो रात 11:11 बजे 60 सेकंड के लिए सक्रिय होता है। इस सीरीज में गौतमी कपूर, हर्ष छाया, पूर्णेंदु भट्टाचार्या, मुक्ति मोहन, गौरव शर्मा भी हैं।,

## मोनालिसा ने जंपसूट पहनकर चढाया इंटरनेट का पारा

### भोजपुरी क्वीन का ग्लैमरस अवतार देखकर आप भी रह जाएंगे दंग

भोजपुरी क्वीन मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर लोगों के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर अपना दिल हार जाते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जिसमें वो किलर अंदाज में पोज देती हुई इंटरनेट पर का पारा हाई करती हुई नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों से फैंस को दीवाना बनाए रखती हैं। उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है।हाल ही में भोजपुरी क्वीन मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों से इंटरनेट पर कहर बरपा दिया है। इन तस्वीरों में उनकी शोख अदाएं देखकर फैंस आहें भरते नजर आ रहे हैं।मोनालिसा जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ जाता है। हालांकि फैंस भी उनके लुक को काफी पसंद करते हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान लाइट ग्रीन कलर का जंपसूट पहना हुआ है, जिसमें वो कमर पर हाथ रखकर एक से बढ़कर एक किलर पोज दे रही हैं।मोनालिसा अपने इस आउटफिट में बेहद कूल नजर आ रही हैं। साथ ही फैंस उनके इस लुक को देखकर काफी ज्यादा इंप्रेस हो गए हैं।कानों में इयररिंग्स, नो मेकअप लुक और बालों को ओपन कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन कुछ ना कुछ पोस्ट करती रहती हैं। हालांकि फैंस भी उनके स्टाइल को अक्सर फॉलो करते हैं।

## अल्लू सिरीश स्टारर बडी की आकर्षक पोस्टर के साथ डेट हुई रिलीज

बडी ने अपने आगमन की घोषणा की। बहुमुखी और करिश्माई अभिनेता अल्लू सिरीश अपनी आगामी फिल्म बडी के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं, जो एक काल्पनिक एक्शन ड्रामा है जो एक दृश्य तमाशा और कल्पना से भरपूर कथा का वादा करता है। स्टूडियो ग्रीन फिल्म्स के प्रतिष्ठित बैनर तले केई ज्ञानवेल राजा और अधाना ज्ञानवेल राजा द्वारा निर्मित, यह फिल्म शीर्ष-स्तरीय उत्पादन मूल्यों का दावा करती है, जो उच्चतम गुणवत्ता का सिनेमाई अनुभव देने के लिए उत्पादन टीम की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।फिल्म के निर्माण में उत्कृष्टता की खोज में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है, जिसमें हर फ्रेम में बारीकी पर सावधानीपूर्वक ध्यान दिया गया है। गायत्री भारद्वाज, एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री, मुख्य महिला की भूमिका निभाती हैं, जो कहानी में गहराई और भावना जोड़ती है। सैम एंटोन द्वारा निर्देशित, जो अपनी अभिनव कहानी कहने के लिए जाने जाते हैं, और नेहा ज्ञानवेल राजा द्वारा सह-निर्मित, बडी एक सहयोगात्मक प्रयास है जो उद्योग में सर्वश्रेष्ठ को एक साथ लाता है।बडी 2 अगस्त को एक भव्य रिलीज के लिए तैयार है, जिसके निर्माताओं ने रोमांचक खबर की घोषणा करने के लिए एक आकर्षक पोस्टर जारी किया है। फिल्म के सार को दर्शाने वाला यह पोस्टर प्रशंसकों और आल-ोचकों के बीच चर्चा का विषय बन गया है, जिससे आगामी रिलीज में रुचि बढ़ गई है।बडी के ट्रेलर ने पहले ही तहलका मचा दिया है, और दर्शकों को अपनी कल्पना, एक्शन और ड्रामा के मिश्रण से आकर्षित कर लिया है। इसे मिली जबरदस्त सकारात्मक प्रतिक्रिया इस बात का प्रमाण है कि फिल्म रोमांच और मनोरंजन करने की क्षमता रखती है। प्रतिभाशाली जोड़ी हिप हॉप तमीज़्हा द्वारा रचित साउंडट्रैक चार्ट-टॉपिंग सनसनी बन गया है, जिससे फिल्म की रिलीज़ के लिए उत्सुकता और बढ़ गई है।बडी का एक प्रमुख आकर्षण अल्लू सिरीश के साथ उनके साथी की एक्शन सीक्वेंस हैं, जो अभिनेता की बहुमुखी प्रतिभा और शारीरिक कौशल को प्रदर्शित करते हैं। एक्शन से भरपूर दृश्यों और एक सम्मोहक कहानी के संयोजन के साथ, बडी इस शैली के प्रशंसकों के लिए अवश्य देखने लायक फिल्म है।सफल लॉन्च सुनिश्चित करने के लिए, निर्माताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, पारंपरिक मीडिया और प्रचार कार्यक्रमों का लाभ उठाते हुए एक रणनीतिक मार्केटिंग अभियान शुरू किया है। अभियान का उद्देश्य फिल्म की रिलीज से पहले गति बनाना, दर्शकों को जोडऩा और फिल्म के विषय और निर्माण के बारे में चर्चा करना है।बडी सिर्फ़ एक फ़िल्म नहीं है; यह एक सिनेमाई सफऱ है जिसमें फ़ैंटेसी, एक्शन और ड्रामा के बेहतरीन तत्व शामिल हैं। अपने बेहतरीन प्रोडक्शन वैल्यू, बेहतरीन कलाकारों और नए निर्देशन के साथ, बडी एक अविस्मरणीय नाट्य अनुभव के लिए मंच तैयार करती है। जैसे-जैसे रिलीज़ की तारीख नज़दीक आ रही है, प्रशंसक और फ़िल्म देखने वाले बेसब्री से बडी की दुनिया में डूबने के अवसर का इंतज़ार कर रहे हैं, एक ऐसी फ़िल्म जो अल्लू सिरीश की फ़िल्मोग्राफी में एक महाकाव्य जोडऩे का वादा करती है।

**कल रिलीज होगी**

## आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा– कोई भी फ़ैसला करने से पहले अच्छाईयों और कमियों पर सावधानी से ग़ौर फ़रमाएँ। किसी भी चीज़ को अंतिम रूप देने से पहले अपने परिवार की राय लीजिए। महज़ आपका अपना फ़ैसला कुछ दिक़्क़त खड़ी कर सकता है। बेहतर परिणाम पाने के लिए परिवार में तालमेल पैदा करें। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा। किसी के प्रभाव में आकर आपका जीवनसाथी आपसे झगड़ सकता है, लेकिन प्यार और सद्भाव से मामला सुलझ जाएगा।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपका संगी आपका भला सोचता है इसलिए कई बार आप पर गुस्सा भी कर बैठता है, उनके गुस्से पर नाराज होने से बेहतर यह होगा कि आप उनकी बातों को समझें। चीज़ों के होने का इंतज़ार मत कीजिए– बाहर निकलें और नए मौक़ों की तलाश करें। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं

**मिथुन – क,कि,कू,घ,ड़,छ,के,को,ह**

योग और ध्यान आपको बेडौल होने से बचाने और मानसिक तौर पर सेहतमंद रखने में मददगार साबित होंगे। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। प्यार–मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। परिवार के साथ रिश्ते–नातों में नयी जान डालने का सही समय है। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

सेहत अच्छी रहेगी। जिन लोगों ने किसी से उधार लिया है उन्हें आज किसी भी हालत में उधार चुकाना पड़ सकता है जिससे आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर हो जाएगी। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। आप महसूस करेंगे कि आपके जीवनसाथी में शहद से भी ज़्यादा मिठास है

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। अगर आप अपने काम पर ध्यान एकाग्र करें, तो आप अपनी उत्पादकता दोगुनी कर सकते हैं।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। जिन्हें भावनात्मक संबल की ज़रूरत है, वे पाएंगे कि बड़े मदद के लिए आगे आ रहे हैं। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। आज के दिन काम करते वक़्त आपको कोई ख़ास दिक़्क़त नहीं आएगी और आप एक विजेता की तरह उभरेंगे। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपका अड़ियल स्वभाव आपके माता–पिता का चैन छीन सकता है। आपको उनकी सलाह पर ध्यान देने की ज़रूरत है। सकारात्मक बातों पर विचार करने में कोई बुराई नहीं है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से अचानक आया कोई संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा। किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है। आपको बढ़िया परिणामों को पाने के लिए अपनी तरफ़ से बेहतरीन प्रयास करने की आवश्यकता है। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। कोई पुराना दोस्त अपने साथ आपके जीवनसाथी के पुराने यादगार क़िस्से लेकर आ सकता है।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

खीज और चिढ़चिढ़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। आपके फ़ैसले में माता–पिता की मदद अहम साबित होगी। आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है। जो आपकी सफलता के आड़े आ रहे थे, वे आपकी आँखों के सामने ही नीचे को खिसकेंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

आपको परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त होगी, लेकिन इस वजह से अपनी मानसिक शान्ति भंग न होने दें। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। व्यावसायिक फ़ैसलों को लेने के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी। आप अपने जीवनसाथी के साथ रोमानी दिन गुज़ार सकते हैं, इससे आपका रिश्ता मज़बूत होगा।

## गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 01 अगस्त 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी दोपहर 03:31 तक
नक्षत्र : मृगशिरा प्रातः 10:24 तक
योग : व्याघात दोपहर 12:49 तक
करण : तैतिल दोपहर 03:31 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:49 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:46 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:40 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:39 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत , तिलक पुण्यतिथि

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# सरोवर में निरंतर मछलियों के मरने के विरोध में पुष्कर कस्बा बंद रहा

**अजमेर, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** राजस्थान में अजमेर से जुड़े तीर्थराज पुष्कर में पवित्र सरोवर में निरंतर मछलियों के मरने से गदराये जल तथा बदबू से नाराज तीर्थ पुरोहितों के आवाह्न पर बुधवार को पुष्कर कस्बा बंद रहा। खासकर पुष्कर का मूल ब्रह्मा मंदिर मार्ग पूरी तरह बंद एवं सफल रहा।

पुष्कर सरोवर के तीर्थ पुरोहित संघ के आवाह्न पर बुधवार सुबह से ही लोग ब्रह्मा मंदिर के बाहर एकत्रित हुए और अजमेर जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। बाजार में प्रातः कालीन जरूरत की जो दुकानों को खोला गया, उन्हें भी पुष्कर रक्षा के नाम पर बंद करा कर समर्थन जुटा लिया गया। सभी ने स्वेच्छा से दुकानें बंद रख समर्थन दिया। बाद में सभी लोग सामूहिकता के साथ नारेबाजी एवं प्रदर्शन किया। सभी जुलूस के रूप में बाजार से होकर पुनः ब्रह्मा मंदिर के नीचे सड़क पर जमा हो गये और तेज नारेबाजी करते हुए जिला क्लकटर को मौके पर बुलाने की मांग की।

विरोध प्रदर्शन और बंद को देखते हुए पुष्कर उपखंड प्रशासन, अतिरिक्त पुलिस के साथ मौके पर मौजूद रहा। उपखंड अधिकारी पोद्दार ने बताया कि अधिक तापमान और आक्सीजन की कमी के कारण मच्छलियों के मरने का कारण हैं। उन्होंने बताया कि सरोवर के जल में आक्सीजन छोड़ने के साथ चूना डालने का काम भी किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बीते कल से मांग के बावजूद जिला कलक्टर पुष्कर नहीं पहुंची हैं और न ही पुष्कर विधायक एवं मंत्री सुरेश रावत की ओर सरोवर संरक्षण में कोई बयान आया है। श्री रावत विधानसभा में व्यस्तता के चलते पुष्कर भी नहीं आ पायें हैं। वहीं पवित्र सरोवर के सभी 52 घाट बदबू मार रहे हैं, जिससे पुष्कर के वाशिंदों की धार्मिक भावनाओं का हनन हो रहा है।

## पुष्कर में मृत मछलियों की समस्या शीघ्र निपटाई जाएगी

**अजमेर, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** राजस्थान में अजमेर के पुष्कर स्थित पवित्र सरोवर में दम तोड़ रही मछलियों एवं बदबूदार पानी की गहराती समस्या पर बुधवार को पुष्कर बंद का असर अजमेर जिला प्रशासन पर दिखाई दिया। अजमेर के जिला कलेक्टर डा. भारती दीक्षित ने पुष्कर तीर्थ पुरोहित संघ के शिष्टमंडल को अपने कक्ष में बुलाकर बात की और सरोवर से जुड़ी समस्याओं को शीघ्रता से निपटाने का भरोसा दिलाया।उन्होंने कहा कि पुष्कर उनकी भी आस्था का केन्द्र है। वह शीघ्र वहां आकर जायजा लेंगी। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को सरोवर पर खास ध्यान देने के निर्देश भी दिये। शिष्टमंडल में तीर्थ पुरोहित संघ के कार्यवाहक अध्यक्ष पुष्कर नारायण आदाली, सामाजिक कार्यकर्ता अरूण पाराशर, गोविंद पाराशर, ओमप्रकाश पाराशर शामिल थे। इस दौरान पुष्कर के उपखंड अधिकारी निखिल पोद्दार, तहसीलदार सृष्टि जैन एवं थानाधिकारी राकेश यादव भी मौजूद रहे।

# बंडारू दत्तात्रेय ने शहीद सरदार उधम सिंह को किया नमन

**चंडीगढ़, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बुधवार को राजभवन में महान क्रांतिकारी शहीद सरदार उधम सिंह के शहीदी दिवस के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी।श्री दत्तात्रेय ने कहा कि सरदार उधम सिंह एक सच्चे राष्ट्रवादी और देशभक्त थे। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौच्छावर कर देश की स्वतंत्रता प्राप्ति में महत्वपूर्ण भुमिका निभाई थी। शहीद सरदार उधम सिंह ने जलियांवाला बाग के दुःखद नरसंहार का बदला लिया था। उन्होंने कहा कि हमारे वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान व जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर युवाओं को देश की एकता, अखंडता और मजबूती के लिए काम करना चाहिए, तभी हमारे शहीदों के सपने साकार होंगे।

# झुंझुनू में रात को दंपत्ति की गला काट कर हत्या

**झुंझुनू, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** राजस्थान में झुंझुनू जिले के मंड्रेला इलाके के बजावा गांव में एक सेवानिवृत सूबेदार और उनकी पत्नी का गलाकाट कर हत्या करने का मामला सामने आया है।

घटना की सूचना मिलते ही मंड्रेला एवं पिलानी दो थानों की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची गयी है। पति–पत्नी दोनों घर के बाहर चारपाई पर सो रहे थे। मौके से एफएसएल टीम और खोजी स्वान की टीम सबूत जुटा रही है।

पुलिस उपाधीक्षक विकास धींधवाल ने कहा कि बजावा गांव निवासी सेना से सेवानिवृत्त सूबेदार महावीर सिंह (72) एवं उनकी पत्नी भानवती (68) का लहूलुहान शव बुधवार सुबह उनके ही घर में मिला है। दोनों की हत्या गला रेतकर की गई है।

मौके पर मंड्रेला एवं पिलानी थाने की पुलिस टीम पहुंच गयी है। आसपास के इलाकों की छानबीन की जा रही है। रात को पति–पत्नी खेत में बने घर के बाहर चारपाई पर सो रहे थे। बेटा नरेंद्र पूनिया और उसकी पत्नी सोनिया घर के अंदर सो रहे थे।

सोनिया सुबह करीब पौने छह बजे उठी। वह बाहर गई तो दोनों के शव देखे। इसके बाद उसने नरेंद्र को जगाया और पूरी जानकारी दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

ग्रामीणों ने बताया कि परिवार की किसी के साथ कोई रंजिश नहीं थी। महावीर सिंह के बेटे नरेंद्र पूनिया की मंड्रेला में मोबाइल शॉप है। उनके दो कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स भी हैं। इनमें से एक कॉम्प्लेक्स अभी निर्माणाधीन है। महावीर प्रॉपर्टी का भी काम करते हैं। पुलिस उपाधीक्षक धींधवाल ने बताया कि घटना की जानकारी महावीर सिंह के भाई पवन को दी गई।

# रोडवेज की चपेट में आने युवक की मौत जैन समाज ने शव उठाने से किया इनकार

**अजमेर, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** राजस्थान में अजमेर जिले के किशनगढ़ के मदनगंज थानान्तर्गत रोडवेज की चपेट में आये मोटर साइकिल सवार मृतक मोहित जैन के समर्थन में आज सकल जैन समाज ने राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल के बहार प्रदर्शन किया और शव उठाने से इनकार कर दिया।

किशनगढ़ उपखंड अधिकारी अर्चना चौधरी एवं उपाधीक्षक महिपाल चौधरी ने अस्पताल के बाहर पहुंच कर समझाने की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हुये। प्रदर्शन करने वाले रोडवेज चालक की गिरफ्तारी और मृतक के परिजनों को मुआवजे के साद एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिये जाने की मांग पर अड़े हुए हैं। पूर्व विधायक सुरेश टांक भी मृतक के समर्थन में उपखंड अधिकारी से बात करने में लगे हैं लेकिन वे फोन नहीं उठा रही हैं। इस बात से टांक भी नाराज हो गये। किशनगढ़ पहुंची जानकारी के मुताबिक कांग्रेस विधायक विकास चौधरी ने इस मामले को विधानसभा से उठाते हुए मृतक के परिजनों को 50 लाख का मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिये जाने की बात रखी है। उल्लेखनीय है कि किशनगढ़ हाउसिंग बोर्ड निवासी मोहित जैन मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था कि अजमेर रोड पर चेतनप्रभु गेस्ट हाउस के सामने रोडवेज की टक्कर से मौत के मुंह में चला गया। उसे राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल पहुंचाया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी, और आज परिजनों एवं जैन समाज ने शव उठाने से इनकार कर दिया।

# हत्या के छह दोषियों को उम्रकैद, कोर्ट ने 20-20 हजार का जुर्माना भी ठोंका

**सिरोही, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संख्या 2 आबूरोड की न्यायाधीश ग्रीष्मा शर्मा द्वारा सवा चार साल पहले मावल गांव में हुई 1 व्यक्ति की हत्या के मामले में 7 में से 6 आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास एवं 20–20 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई है। इस मामले में 1 आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया गया है।

गौरतलब है कि इस मामले में आबूरोड रीको पुलिस द्वारा 12 अप्रैल 2020 को मामला दर्ज किया गया था। न्यायालय द्वारा इसमें 7 आरोपियों में से 6 आरोपियों को हत्या का दोषी माना गया हैं। अपने निर्णय में दोषियों को आजीवन कारावास तथा 20–20 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है तथा 1 आरोपी को संदेह का लाभ देकर दोषमुक्त कर दिया गया हैं। विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष ने अपने प्रकरण को साबित करने के लिए 10 गवाह करवाकर 54 दस्तावेजों को प्रदर्शित करवाया। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद न्यायाधीश ग्रीष्मा शर्मा द्वारा अभियोजन की ओर से प्रस्तुत तर्कों से सहमति जताते हुए 6 आरोपियों को दोषी करार दिया गया जबकि, वीर पुत्र रतन को संजय का लाभ देकर दोष मुक्त कर दिया गया। पुलिस के अनुसार 12 अप्रैल 2020 की शाम 7:30 बजे मावल निवासी प्रार्थी पुखराज पुत्र कान्हाजी भील रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि शाम 5 बजे उसके चाचा के घर पर सो रहे थे तब वह उसके चाचा भंवरजी एवं उनका लड़का महेंद्र सब घर पर ही थे। उसी दौरान उनकी जाति के दिनेश पुत्र थावर, वीर पुत्र रत्न, दिनेश पुत्र मूल, ललित पुत्र थावरा, प्रकाश पुत्र थावरा एवं विक्रम पुत्र थावरा आदि लकड़ी लेकर आए और आते ही उसके चाचा भंवर का दिनेश पुत्र थावरा वीर पुत्र रत्न भील ने जोर से गला दबाया। इससे चाचा बेहोश हो गए बीच बचाव में महेंद्र के सर में लकड़ी की चोट मारी उनके जोर से चिल्लाने पर सभी आरोपी वहां से भाग गए। इलाज के दौरान चाचा भंवरलाल की मौत हो गई।

# धिंगतानियां–सलारपुर खरीफ चैनल निर्माण को लेकर सीएम सैनी से मिले किसान

## लेट–लतीफी पर सीएम ने अफसरों को फटकारा, तारा बाबा कुटिया में लिया पूजन में भाग

**सिरसा, 31 जुलाई (एजेंसियां)।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के बुधवार को सिरसा आगमन पर धिंगतानियां–सलारपुर खरीफ चैनल निर्माण को लेकर विभिन्न गांवों के किसान विधायक गोपाल कांडा के निवास पर उनसे मिले।

किसानों की बात सुनकर मुख्यमंत्री नायब सैनी अधिकारियों पर आग बबूला हो गए। मुख्यमंत्री ने उपायुक्त आरके सिंह व सिंचाई विभाग के अधिशाषी अभियंता और एसडीओ को लताड़ लगाते हुए कहा कि हाई लेवल परचेज कमेटी में अभी तक फाइल पास क्यों नहीं हुई? अगले दो दिन में धिंगतानियां–सलारपुर खरीफ चैनल की फाइल पास करवाकर किसानों की जमीनों की राशि उनके अकाउंट में डाली जाए। उन्होंने कहा कि दो दिन में किसानों समस्या का समाधान हो जाएगा। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता गोबिंद कांडा व उपायुक्त आर के सिंह ने श्री सैनी को धिंगतानियां–सलारपुर खरीफ चैनल का नक्शा दिखाया।

किसानों ने श्री सैनी को बताया कि वे 15 सालों से लड़ाई लड़ रहे हैं। पूर्व सीएम मनोहर लाल ने धिंगतानिया–सलारपुर खरीफ चैनल का निर्माण करने की घोषणा 2019 में की थी। घोषणा के बाद अब तक चैनल का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया।

वर्ष 2019 में खरीफ चैनल के निर्माण के लिए बजट राशि जारी हो चुकी है लेकिन आगे कुछ

नहीं हुआ। किसानों ने श्री सैनी को बताया कि खरीफ चैनल के निर्माण से 15 गांवों के किसानों को फायदा होगा क्योंकि 15 गांवों की जमीन सिंचाई हेतु पानी नहीं मिलने का कारण बंजर होती जा रही है। भूजल दूषित हो चुका है और 500 फुट गहराई में जा चुका है। ऐसे में ग्रामीणों को सिंचाई के लिए नहर निर्माण की काफी जरूरत है। इससे उनकी जमीन को संजीवनी मिल जाएगी।

इससे पहले श्री सैनी आज सुबह रानियां रोड स्थित श्रीबाबा तारा जी कुटिया में पहुंचे, यहां पर उन्होंने बाबा तारा की समाधि पर शीश नवाया और पूजा अर्चना की।

कुटिया में शिवरात्रि को लेकर जारी विशेष पूजा में भी वह शामिल हुए जहां 11 ब्राह्मणों ने पूजा पाठ करवाया। इस बीच उन्होंने संत आश्रम में पहुंचकर कथा वाचिका जय किशोरी से आशीर्वाद लिया।

श्री सैनी के श्री बाबा तारा की कुटिया पहुंचने पर सिरसा विधायक, पूर्व गृह राज्यमंत्री एवं हलोपा सुप्रीमो गोपाल कांडा, उनके अनुज वरिष्ठ भाजपा नेता गोबिंद कांडा ने बुकें भेंटकर उनका स्वागत किया। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, पूर्व सांसद डा. अशोक तंवर, भाजपा जिला अध्यक्ष शीशपाल कंबोज सहित कई भाजपा नेता मौजूद थे। मुख्यमंत्री का सिरसा मे यह 10 दिन में दूसरा दौरा है।

मुख्यमंत्री इससे पहले 21 जुलाई को सिकंदरपुर स्थित राधा स्वामी सत्संग भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया था। मुख्यमंत्री ने यहां पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की थी। वहीं बता दें कि 28 दिन पहले भी सीएम सिरसा में आए थे और चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी के हॉल में कार्यकर्ता सम्मेलन में शिरकत की थी।

भाजपा की नजर सिरसा में इनेलो और जजपा से छिटक चुके वोटरों पर है। लोकसभा चुनाव में इन वोटरों ने कांग्रेस का रूख किया था मगर विधानसभा चुनाव में परिस्थितियां अलग हैं। सिरसा जिले में भाजपा को 2019 में एक भी सीट नहीं मिली थी। यहीं कारण है सिरसा भाजपा के लिए अहम जिला है। यहां विधानसभा की 4 सीटे हैं। सिरसा जिले में डबवाली, रानियां, कालांवाली और सिरसा विधानसभा आती हैं। 4 में से 3 सीटों पर पंजाबी वोटरों का अच्छा प्रभाव है।

तनिष्क लूट : लाइनर की पहचान हुई

# लोजपा नेता हत्याकांड के अपराधी के घर पूर्णिया-अररिया में छापामारी

**पूर्णिया (एजेंसियां)।** पूर्णिया शहर के डाक बंगला चौक स्थित तनिष्क ज्वेलर्स शोरूम में हुए 3.70 करोड़ के लूटकांड में पूर्णिया पुलिस और एसटीएफ टीम को कई अहम सुराग हाथ लगे हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, लूटकांड में शामिल लाइनर की पहचान हो चुकी है। इसे लेकर जांच में जुटी पुलिस और एसटीएफ टीम ने मंगलवार को आधी रात करीब 2.30 बजे पूर्णिया और अररिया की कई जगहों पर एक साथ छापामारी की। छापामारी के दौरान पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। साथ ही दो बाइक सहित कई मोबाइल को भी जांच के लिए जब्त किया गया है।

पुलिस और एसटीएफ टीम ने लोजपा नेता अनिल उरांव हत्याकांड में शामिल चुनमुन झा की तलाश में उनके दादा के घर पूर्णिया शहर के हाउसिंग कॉलोनी में छापेमारी की है। हालांकि पुलिस को चुनमुन झा हाथ तो नहीं लगा है, लेकिन चुनमुन झा के दादा के मोबइल को जब्त कर लिया है। वहीं, पुलिस टीम ने पहचान के लिए चुनमुन झा के दादा को लूटकांड के दौरान तनिष्क ज्वेलर्स शोरूम के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई एक तस्वीर भी दिखाई है। लेकिन दादा और दादी ने सीसीटीवी फुटेज में मास्क पहने युवक को पहचाने से इनकार कर दिया। पुलिस का दावा है कि सीसीटीवी फुटेज में मास्क पहने जिस युवक की तस्वीर सामने आई है, वह चुनमुन झा के चेहरे से मिलती-जुलती है।

चुनमुन झा के दादा ने बताया कि वह पंचमुखी मंदिर के पुजारी हैं। जबकि चुनमुन झा का पैतृक घर अररिया जिले के पलासी में है। चुनमुन वहीं अपने पिता विनोद झा के साथ रहता है। उन्होंने कहा कि हम सब सपरिवार सोए थे। मंगलवार को आधी रात करीब 2.30 बजे अचानक पुलिस पहुंच गई और चुनमुन के बारे में पूछने लगी। इस दौरान पुलिस टीम ने घर की तलाशी भी ली है। पंद्रह मिनट की छापामारी के बाद पुलिस टीम ने रामबाग स्थित एक लॉज में भी छापामारी की है। उसके बाद चुनमुन झा के पैतृक घर पर भी पुलिस टीम ने छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने चुनमुन झा के छोटे भाई को हिरासत में ले लिया। उन्होंने पुलिस के समक्ष बताया कि चुनमुन झा उसका पोता है, जो 15-20 दिन पूर्व अनिल उरांव हत्याकांड के केस की तारीख में पूर्णिया आया था। दादा ने बताया कि पुलिस ने जो मास्क का फोटो दिखाया है, वह मेरा पोता चुनमुन झा नहीं है।

एसटीएफ के एक अधिकारी ने बताया कि तनिष्क लूटकांड के लाइनर की पहचान हो चुकी है। अपराधियों के भागने के दौरान लाइनर भी साथ हो गया था। उसे अपराधियों के साथ सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में देखा गया है। तकनीकी अनुसंधान में भी लाइनर घटनास्थल के पास ही रेकी कर रहा था। उन्होंने बताया कि लूट की घटना को अंजाम देने वालों में दो अपराधियों की पहचान हो चुकी है। संभावना है कि दो दिन के अंदर पुलिस अपराधियों को गिरफ्तार कर लेगी।

26 जुलाई को हुई तनिष्क शोरूम में लूटकांड के दौरान मास्क लगाए दो अपराधियों को पुलिस स्थानीय मान रही है। पुलिस का मानना है कि ये दो अपराधी लाइनर की भूमिका में हैं। पुलिस दोनों लाइनर की गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापामारी कर रही है।

## वायनाड भूस्खलन हादसे में वैशाली के छह से ज्यादा लोग

**मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।** केरल के वायनाड में कुदरत का कहर देखने को मिला है। जहां हुए भूस्खलन से 150 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। लेकिन इस हादसे का असर केरल से हजारों किलोमीटर दूर वैशाली में भी हुआ है। जहां के छह से अधिक लोग लापता हैं। जबकि एक युवक घायल है तो वहीं दो लोग इस हादसे में बाल-बाल बच गए हैं।

दरअसल, वैशाली के गोरौल प्रखंड क्षेत्र स्थित पोझा गांव के कई लोग मजदूरी करने के लिए वायनाड गए थे। इसी बीच वहां भूस्खलन हो गया। बताया जा रहा है कि गांव के दुखन पासवान का बेटा अरुण पासवान इस हादसे में घायल हो गया है। जबकि गांव के ही रहने वाले सुरेंद्र पासवान का बेटा बिजनेशिया पासवान और उपेंद्र पासवान तथा उसकी पत्नी फूल कुमारी हादसे का शिकार हो गए हैं। इन लोगों का कोई पता नहीं चल रहा है।

इसी परिवार के रिश्तेदार रंजीत पासवान और साधु पासवान भी लापता हैं, जो वैशाली जिले के ही जंदाहा के रहने वाले हैं। सभी एक साथ वायनाड में रहकर काम-धंधा करते थे। हालांकि पोझा गांव के ही धर्मेंद्र राय और राजेश राय इस हादसे में बाल-बाल बच गए हैं, जिसके बाद इनके परिजनों ने राहत की सांस ली है।

जानकारी के मुताबिक, इस गांव के कई लोग चाय बागान में काम करने के लिए वायनाड गए हुए थे। वहीं, पूरे परिवार और गांव में मातम पसरा हुआ है। हादसे का समाचार मिलने के बाद परिवार के कई लोगों की तबीयत भी खराब हो गई है, जिनका इलाज भी जारी है। भूस्खलन में गायब हुए लोगों का कुछ पता नहीं चल सका है। परिजन लगातार अपनों का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन कुदरत की मार ने पूरे गांव में मातम पसरा दिया है। लोग अपने घर छोड़कर दूसरी जगह रोजी-रोटी के लिए जाते हैं, लेकिन कुदरत की मार अपनों को अपनों से दूर कर देती है।

बिहार से काठमांडू के रास्ते पर अटकीं गाड़ियां

# नेपाल में भारी बारिश से बिहार में बाढ़ की नौबत

**मोतिहारी (एजेंसियां)।** नेपाल में लगातार बारिश हो रही है। पिछले 24 घंटे से लगातार बारिश के कारण मोतिहारी समेत आसपास के इलाकों से निकलने वाली बसें नेपाल में फंस चुकी हैं। काठमांडू जाने वाली कई सड़कों बारिश के पानी होने के कारण आवागमन बाधित हो गया है। कुछ जगहों पर भूस्खलन की बात भी सामने आ रही है। इस कारण पृथ्वी राजमार्ग अंतर्गत धादिंग के गलछी खंड अवरुद्ध हो गया है। अवरुद्ध सड़क को सुचारू करने के लिए निर्माणाधीन सड़क परियोजना के डोजर का प्रयोग किया गया है।

पुलिस ने कहा कि लगातार बारिश और कुछ जगहों पर भूस्खलन के कारण वाहनों को शुरू होने में कुछ और समय लगेगा। सड़क नाकेबंदी के कारण काठमांडू में प्रवेश

करने और बाहर निकलने वाले सैकड़ों वाहनों को रोक दिया गया है। लोगों से अपील है कि वह अपने घर से बाहर नहीं निकले। प्रशासन द्वारा लगातार बुलेटिन जारी किया जा रहा है। आवागमन सामान्य होने पर चार पहिया वाहन का उपयोग करें।

इधर, लगातार बारिश बागमती मे भारी बाढ़ से त्रिपुरश्वर, कालीमाटी इत्यादि जगह जलमग्न हो चुके हैं। भारी बारिश के कारण पृथ्वी राजमार्ग फिलहाल बंद है। लैंड स्लाइड की घटना में धादिंग का गलछी खंड अवरुद्ध हो गया है। लगातार भारी बारिश के कारण काठमांडू के चार मार्ग अवरुद्ध हो चुके हैं। हाईवे पर आवागमन बंद है। वहीं बागमती और सहायक नदियों में लगातार जलस्तर बढ़ने से मनोहरा, धोबी खोला, विष्णु मती इत्यादि जगहों पर बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

# पूर्णिया में सड़क दुर्घटना में पति-पत्नी की मौत, बैंक जाने के दौरान हुआ हादसा

**पूर्णिया (एजेंसियां)।** पूर्णिया में पति और पत्नी को तेज रफ्तार बेलोरो गाड़ी ने कुचल दिया, जिसे पति की घटनास्थल पर ही मौत गई। वहीं पत्नी को इलाज के पूर्णिया जीएमसीएच लाने के दौरान रास्ते में ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। वहीं पुलिस लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घटना अररिया जिले के बॉसी थाना क्षेत्र के भावानीनगर चौक पर हुई है। मृतकों की पहचान बॉसी थाना क्षेत्र के भावानी नगर निवासी जोगानंद सिंह (50 वर्ष)और उसकी पत्नी कारी देवी (45 वर्ष) के रूप में की गई है।

घटना के संबंध में मृतक की भाभी कौशल्या देवी ने बताया कि दोनों पति-पत्नी घर से कुछ ही दूरी पर स्थित बड़ौदा बैंक पैदल ही जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार बोल-ेरो गाड़ी ने दोनों को कुचल दिया, जिससे घटनास्थल पर ही योगानंद सिंह की मौत हो गई। वहीं जोगानन्द सिंह की पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने आनन फानन में उन्हें इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच ले गये, लेकिन लाने के दौरान रास्ते में ही उनकी भी मौत हो गई। वहीं पूर्णिया जीएमसीएच के डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना के बाद पूर्णिया जीएमसीएच में परिजनों का रो रो कर बूरा हाल हाल है। हाट थाना पुलिस ने बताया कि सड़क दुर्घटना पति और पत्नी की मौत हुई है। दोनों की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

# रहस्यमयी ढंग से गायब हुआ प्रॉपर्टी डीलर प्लॉट देखने गया था, वापस नहीं लौटा

**पटना (एजेंसियां)।** मुजफ्फरपुर में एक प्रॉपर्टी डीलर रहस्यमयी ढंग से गायब हो गया है। परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। परिजनों ने पुलिस से गुहार लगाई है। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस ने कहा कि हथौड़ी थाना क्षेत्र के मधेपुर गांव निवासी प्रॉपर्टी डीलर मुकेश पांडेय के परिजनों ने उनके गायब होने की प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। उससे पूछताछ चल रही है।

हथौड़ी थाना क्षेत्र के मधेपुर गांव निवासी प्रोपर्टी डीलर मुकेश

कुमार पाण्डेय का अपहरण करने और हत्या की आशंका को लेकर परिजन ने गरहां थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। परिजन ने बताया है कि पतियासा इलाके में एक प्लॉट पर मुकेश काम कर रहा था। इसे लेकर मुन्ना खान और अन्य लोग से विवाद चल रहा था। मुन्ना खान द्वारा मारपीट की गई थी। इतना ही नहीं मुकेश को जबरन स्कॉर्पियो में बैठाकर ले जाया गया था।

परिजनों ने कहा कि हमलोगों को किसी अनहोनी का डर है। आशंका है कि हत्या कर दी जाने की नियत से अपहरण किया गया है। गायब प्रॉपर्टी डीलर मुकेश कुमार के भाई ने इसको लेकर के गरहा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़ित ने बताया कि हर दिन की तरह मुकेश अपनी प्रॉपर्टी पर काम करने गया था। इसके बाद काफी देर वह नहीं आया और उसका फोन भी ऑफ आ रहा है। इसके बाद हमें अनहोनी के आशंका है। परिजनों ने मुन्ना खान और उसके गुर्गो पर आरोप लगाया। प्रॉपर्टी डीलिंग से संबंधित विवाद सामने आया है। वैज्ञानिक अनुसंधान के जरिए मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही मुकेश कुमार को बरामद कर लिया जायेगा।

बिहार में फिर एक पत्रकार की हत्या

# मुजफ्फरपुर में मीडियाकर्मी की हत्या से पुलिस पर उठा सवाल

**पटना (एजेंसियां)।** मुजफ्फरपुर में एक और पत्रकार की हत्या कर दी गई। तुर्की थाना क्षेत्र ख़रियार गांव में पत्रकार गौरव कुशवाहा की लाश आम के पेड़ से लटकी मिली है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस और एफएसएल मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। घटना के बाद से लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले ही एक पत्रकार की हत्या कर दी गई थी। अब एक और पत्रकार की हत्या कर दी गई। लोग पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं।

घटना से परिजन को रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों का कहना है कि गौरव की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। फिर भी किसने और क्यों उसकी हत्या की? यह समझ में नहीं आ रहा है। परिजनों का कहना है कि घर से महज 300 मीटर की दूरी पर एक आम के बगीचे में पेड़ की टहनी से गौरव की लाश लटक रही थी। एफएसएल की टीम ने घटनास्थल से कई सैंपल कलेक्ट कर अपने साथ ले गई।

तुर्की थाना प्रभारी प्रमोद कुमार ने बताया कि शव पेड़ पर लटका हुआ मिला है। पुलिस हत्या के एंगल पर जांच कर रही है। गौरव के करीबियों और दोस्तों से जानकारी ली जा रही है। उसे कॉल डिटेल्स को भी खंगाला जा रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बता दें कि इससे 25 जून की रात अपराधियों ने एक पत्रकार शिवशंकर झा की चाकुओं से गोद कर हत्या कर दी गई थी।

# मुंबई में चोरी 10 लाख की घड़ियां मोतिहारी से बरामद

### लुटेरों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही पुलिस

**मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।** मुंबई में शटर तोड़कर हुई 25 लाख की घड़ी चोरी मामले में मुंबई पुलिस ने मोतिहारी पुलिस की मदद से मोतीहारी के घोड़ासहन में छापामारी कर करीब 10 लाख की घड़ी बरामद की हैं। स्थानीय पुलिस के सहयोग से घोड़ासहन के हसन नगर में स्थित मोबिन देवान के घर में छापामारी कर उक्त चोरी की घड़ियां बरामद की गई हैं। उसके बाद मुंबई पुलिस बरामद हुई घड़ियों को अपने साथ ले गई।

जानकारी के अनुसार, बीती 19 जुलाई की सुबह शटर कटवा गिरोह के बदमाशों ने एक घड़ी शोरूम का शटर तोड़ कर 25 लाख की महंगी घड़ियां चुरा ली थीं। उसके बाद मुंबई पुलिस ने शटर कटवा गिरोह के सक्रिय सदस्य मोबिन देवान को मुंबई में ही छापामारी कर गिरफ्तार कर लिया था। अब उसकी निशानदेही पर उसके घर में ही छापामारी कर उक्त घड़ियां बरामद की गई हैं। मुंबई पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी कर रही है।

गौरतलब है कि मोतिहारी के घोड़ासहन का शटर कटवा गिरोह पूरे देश में कुख्यात है। लगभग देश के कोने-कोने की पुलिस लगातार घोड़ासहन में किसी न किसी मामले को लेकर छापामारी करती रहती है। बता दें कि पिछले दो दिन पहले ही महाराष्ट्र पुलिस 53 लाख के आईफोन चोरी मामले में घोड़ासहन से एक शटर कटवा गिरोह के सक्रिय सदस्य को मोतिहारी पुलिस की मदद से गिरफ्तार कर अपने साथ मुंबई ले गई थी।

# पूर्व मार्केटिंग ऑफिसर भोला की सम्पत्ति होगी जब्त निगरानी के विशेष जज ने जारी किया आदेश

**पटना (एजेंसियां)।** वैशाली जिले के लालगंज के पूर्व मार्केटिंग ऑफिसर (फूड सप्लाइ एंड कंज्यूमर्स प्रोटेक्शन) भोला गिरि और उनकी पत्नी संध्या गिरि की 87.09 लाख रुपये की अवैध संपत्ति जब्त होगी। यह आदेश पटना के प्राधिकृत पदाधिकारी सह निगरानी के विशेष जज बृजेश कुमार पाठक की अदालत ने दिया है। आदेश के अनुसार उन्हें और उनकी पत्नी को एक महीने के अंदर चिह्नित संपत्ति को डीएम को सौंप देना है। ऐसा नहीं करने पर एक महीने के बाद डीएम सिविल प्रक्रिया के तहत संपत्ति को जब्त करेंगे।

इस संबंध में विशेष लोक अभियोजक राजेश कुमार का कहना है कि संपत्ति जब्त करने का आवेदन 17 जुलाई, 2019 को विशेष कोर्ट में दाखिल किया गया था।. छह जनवरी, 1992 से 11 मार्च, 2016 तक संपत्ति को चिह्नित करते हुए पाया गया कि आरोपित भोला गिरि और उनकी

पत्नी संध्या गिरि के नाम पर अवैध रूप से 87.09 लाख की चल व अचल संपत्ति अर्जित है। कोर्ट ने जिन संपत्ति को जब्त करने का आदेश दिया, उनमें पांडेय कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स में दो दुकानें, बिहटा स्थित तीन प्लांट, गाजियाबाद में फ्लैट, 80 हजार नकद, 20,000 के सात एनएससी, और 21 लाख का पांच टीडीआर, बैंक में जमाराशि शामिल है।

इस संबंध में विशेष लोक अभियोजक राजेश कुमार का कहना है कि निगरानी विभाग ने दोनों के खिलाफ 10 मार्च, 2016 को आय से अधिक संपत्ति रखने का मामला दर्ज किया था। इस वाद के आलोक में आवेदन दाखिल किया गया था, जिसके बाद अदालत ने उनकी संपत्ति जब्त करने का आदेश जारी किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com